E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 32 | प्रयागराज, बुधवार 08 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

इजराइल की चेतावनी- ईरानी जनता न रेल से सफर करे न अगले 12 घंटे पटरियों के पास जाये,जान का जोखिम हैं

तेहरान। इजराइल ने ईरान में लोगों को ट्रेन से सफर न करने

की चेतावनी जारी की है। इसमें कहा गया है कि अगले 12 घंटे तक ट्रेन का इस्तेमाल न करें और रेल की पटरियों से भी दूर रहें। इजराइली सेना (आईडीएफ) ने मंगलवार को एक्स पर जारी बयान में कहा, 'प्रिय नागरिकों, आपकी सुरक्षा के लिए हम आपसे अपील करते हैं कि अभी से लेकर रात 9 बजे (ईरान समय) तक पूरे देश में ट्रेन से यात्रा न करें। ट्रेन और रेलवे लाइनों के पास आपकी मौजूदगी आपकी जान के लिए खतरा हो सकती है।' ट्रम्प ने ईरान को होर्मुज खोलने के लिए मंगलवार रात 8 बजे (अमेरिकी समय) तक का समय दिया है, लेकिन इजराइल की चेतावनी उससे करीब 6.5 घंटे पहले खत्म हो जाएगी। ट्रम्प ने कहा है कि ईरान को 'एक ही रात में खत्म किया जा सकता है।' उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान तय समय से पहले अमेरिका से समझौता नहीं करता, तो कार्रवाई कभी भी हो सकती है और यह मंगलवार रात भी हो सकती है। ट्रम्प की शर्त है कि ईरान होर्मुज स्ट्रेट को खोले। यह वही रास्ता है, जहां से दुनिया के करीब 20फीसदी तेल की सप्लाई गुजरती है। इसके लिए उन्होंने मंगलवार रात 8 बजे (वॉशिंगटन समय) तक की डेडलाइन दी है, जो भारत में बुधवार सुबह 5:30 बजे होती है। व्हाइट हाउस में ट्रम्प ने कहा कि उन्हें लगता है कि ईरान के नेता बातचीत तो कर रहे हैं, लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि कोई समझौता होगा या नहीं। वहीं, ईरान ने अस्थायी युद्धविराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। उसने कहा है कि वह स्थायी समाधान चाहता है और उस पर लगे प्रतिबंध हटाए जाएं। ईरान पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर 300 से ज्यादा लोगों को वीपीएन सेवा बेचने का आरोप है। दक्षिण-पूर्वी केर्मान प्रांत के पुलिस कमांडर ने बताया कि आरोपी कई प्रांतों में एक संगठित नेटवर्क चला रहा था।इसका मकसद लोगों को सोशल मीडिया तक पहुंच देना और दुश्मन नेटवर्क से संपर्क आसान बनाना था। पुलिस के मुताबिक, इस नेटवर्क की गतिविधियों को बंद कर दिया गया है और इसे गैरकानूनी व सुरक्षा के लिए खतरा बताया गया है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब सरकार ने इंटरनेट पर सख्ती बढ़ा दी है और वैश्विक इंटरनेट एक्सेस को सीमित किया हुआ है। ईरानी अधिकारी पहले भी वीपीएन के खिलाफ कदम उठाते रहे हैं ताकि इंटरनेट पर नियंत्रण और कड़ा किया जा सके। ईरान के न्यायपालिका प्रमुख गुलाम हुसैन मोहसेनी एजेई ने मंगलवार को कहा कि देश के दुश्मनों की मदद करने के आरोपियों के खिलाफ मामलों को तेजी से निपटाया जाएगा। ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने कहा है कि शीर्ष सैन्य कमांडरों की हत्या से देश की सेना और लड़ाकों का मनोबल नहीं टूटेगा। यह बयान ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) के खुफिया प्रमुख मेजर जनरल माजिद खदेमी की सोमवार को हुई हत्या के बाद आया है।

ईरान को रातभर में खत्म कर सकते हैं,घायल पायलट की खबर लीक करने वाले पत्रकार की तलाश, उसे जेल भेजेंगे- ट्रम्प

वॉशिंगटनडीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान जंग पर सोमवार रात (भारतीय समय के

मुताबिक) प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका की जंग अच्छी चल रही है। अमेरिका चाहे तो पूरे ईरान को एक रात में खत्म कर सकता है। जरूरत पड़ी तो वह रात कल भी हो सकती है। ट्रम्प ने यहां तक कहा, 'हमारे पास ऐसी प्लानिंग है कि कल रात 12 बजे तक (भारतीय समय के मुताबिक बुधवार सुबह 5:30 बजे) ईरान का हर पुल तोड़ दिया जाएगा और हर पावर प्लांट जला दिया जाएगा। पूरी तरह तबाही होगी।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान से सुरक्षित निकाले गए पायलट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी एजेंसियां उस शख्स की तलाश कर रही हैं, जिसने यह जानकारी लीक की कि पहले पायलट के बचाव के बाद दूसरा पायलट भी ईरान में फंसा हुआ है। ट्रम्प के मुताबिक पहले ईरान को दूसरे पायलट के ईरान में फंसे होने की जानकारी नहीं थी, लेकिन खबर लीक होने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन और मुश्किल हो गया। ट्रम्प के प्रेस कॉन्फ्रेंस की 5 बड़ी बातें- ईरान को धमकी- अमेरिका चाहे तो पूरे ईरान को एक रात में खत्म कर सकता है। जरूरत पड़ी तो यह कार्रवाई कल रात भी हो सकती है। अभी युद्ध अमेरिका के मुताबिक चल रहा है। रेस्क्यू ऑपरेशन- ईरान में फंसे सैनिक को बचाने के लिए अमेरिका ने 155 सैन्य विमानों के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया था। इसमें फाइटर जेट, बॉम्बर्स और रेस्क्यू प्लेन शामिल थे। ईरान में हजारों हमले किए- अब तक अमेरिका ने ईरान के 13,000 से ज्यादा ठिकानों पर हमला किया है और पिछले 37 दिनों में 10,000 से ज्यादा लड़ाकू उड़ानें भरी हैं।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

'भारत बना सकता है प्लूटोनियम परमाणु बम',परिक्षण की कामयाबी से टेंशन में पाकिस्तानी सलाहकार

इस्लामाबाद/नई दिल्ली। भारत ने न्यूक्लियर एनर्जी सेक्टर में अभूतपूर्व कामयाबी हासिल

करने से पड़ोसी पाकिस्तान को मिर्ची लग गई है। पाकिस्तान ने भारत पीएफबीआर रिएक्टर में सफलता पर चेतावनी जारी करना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के आर्म्स कंट्रोल एडवाइजर और स्ट्रैटजिक प्लान्स डिवीजन के सदस्य जाहिर काजमी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने भारत की इस ऐतिहासिक कामयाबी पर 'अलर्ट' जारी किया है। उन्होंने लिखा है 'तमिलनाडु के कल्पक्कम में स्थित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर), जिसकी घोषणा पीएम मोदी ने 6 अप्रैल 2026 को की है वो आईएईए के सुरक्षा उपायों के दायरे से बाहर है।' दरअसल प्रधानमंत्री मोदी ने एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी है कि भारत ने पीएफबीआर रिएक्टर में सफलता हासिल कर ली है। दुनियाभर से इसको लेकर बधाई संदेश मिल रहे हैं। सबसे खास बात ये है कि भारत का ये प्रोजेक्ट बिल्कुल स्वदेशी है। इसे भारत के एनर्जी सेक्टर के लिए मील का पत्थर माना जा रहा है। बहुत आसान शब्दों में समझें तो भारत ने ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में दुनिया के सबसे उन्नत देशों की कतार में अपनी जगह पक्की कर ली है। आने वाले वक्त में भारत को इससे जीवाश्म ईंधन पर अपनी निर्भरता लगातार कम करने में मदद मिलेगी। जाहिर काजमी ने अपने पोस्ट में लिखा है 'मोदी की पोस्ट ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि इसने (भारत ने) क्रिटिकैलिटी (पहली लगातार चेन रिएक्शन) हासिल कर ली है। यह 500 एमडब्लूई का स्वदेशी सोडियम-कूल्ड फास्ट ब्रीडर रिएक्टर मिक्स्ड-ऑक्साइड ईंधन (प्लूटोनियम-यूरेनियम) का इस्तेमाल करता है और यूरेनियम ब्लैंकेट के जरिए, जितना विखंडनीय पदार्थ यह इस्तेमाल करता है उससे ज्यादा उत्पन्न करता है। इस तरह यह अतिरिक्त प्लूटोनियम बनाता है (और भारत के कार्यक्रम के तीसरे चरण में थोरियम के इस्तेमाल का रास्ता खोलता है)।

मुसलमानों को भड़का रही कांग्रेस, खरगे के बयान पर बीजेपी का पलटवार,बीजेपी-आरएसएस को बताया था जहरीला सांप

नयी दिल्ली। देश के पांच राज्यों में होने वाले चुनाव को लेकर को साधने के लिए उन्हें सीधे-सीधे भड़का रहे हैं। कि बीजेपी- डालने की कोशिश की। बीजेपी ने कहा, यह कांग्रेस के लिए यह सबसे

सियासत तेज है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा बीजेपी और आरएसएस की तुलना जहरीले सांप से करने पर अब बीजेपी ने जबरदस्त पलटवार किया है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाते हुए इसे 'जिहादी पार्टी' बताया है। साथ ही चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग की है। सोमवार को बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, आईएनसी इंडियन नेशनल कांग्रेस नहीं, बल्कि ये इंडियन जिहादी कांग्रेस बन चुकी है। उन्होंने कहा, 'जिस प्रकार मल्लिकार्जुन खगरे मुस्लिम वोट बैंक आरएसएस एक जहरीला सांप है। ये जहां दिखे मार दीजिए।'बीजेपी प्रवक्ता ने कहा, ये पहली बार नहीं है और न ही ये संयोग से दिया हुआ बयान है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये अपने राजनीतिक विरोधियों शुद्ध रूप से हत्या करवाने का बयान है। शहजाद ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने ऐसा पहली बार नहीं किया है, खरगे ने पहले भी बीजेपी-आरएसएस और पीएम मोदी के खिलाफ हिंसा भड़काने का प्रयास किया है।बीजेपी ने कहा, इससे पहले भी कांग्रेस ने 1984 में सिखों का नरसंहार कराया। फिर इसे बड़ा पेड़ गिरता है, तो धरती हिलती है, कहकर इस पर पर्दा बुरा दौर है। यह सबसे अलोकतांत्रिक आपातकालीन बयान है।शहजाद ने इस बयान को शर्मनाक बताते हुए चुनाव आयोग से तुरंत कार्रवाई की मांग की है। क्या था खरगे का बयान-केरल में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बीजेपी-आरएसएस की तुलना जहरीले सांप से कर दी। उन्होंने कहा, कि कुरान में लिखा है कि नमाज पढ़ते समय अगर कोई जहरीला सांप दिख जाए, तो उसे तुरंत मार देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, कि बीजेपी-आरएसएस वह जहरीला सांप है। अगर इन्हें नहीं मारा तो जान बचाना मुश्किल हो जाएगा।

पश्चिम एशिया उथल-पुथल के बीच विदेश सचिव विक्रम मिसरी का अमेरिका दौरा, भारत के एजेंडे में क्या है.

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट में अमेरिका इस वक्त बहुत ही बुरी तरह से उलझा हुआ है। ईरान, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों से बिलकुल बेपरवाह है, इससे उसके लिए हालात और अजीब हो चुके हैं। ठीक इसी समय पर भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी का तीन दिनों के लिए अमेरिका यात्रा पर पहुंचना सामान्य नहीं लग रहा। भारतीय विदेश सचिव बुधवार (8 अप्रैल से 10 अप्रैल, 2026) से तीन दिनों के अमेरिका दौरे पर रहेंगे। यह जानना जरूरी है कि इस समय भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी अपने ही देश में डेरा डाले हुए हैं। सर्जियो गोर अमेरिका के उन राजनयिकों में शामिल हैं, जिनकी व्हाइट हाउस में सीधी एंट्री होती है। ये बातें विदेश सचिव के दौरे को और महत्वपूर्ण बना रही हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य संकट-भारत को इस समय सबसे बड़ी दिक्कत ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य में रुकावटें खड़ी किए जाने को लेकर हो रही है। हालांकि, ईरान ने भारतीय जहाजों को होर्मुज से गुजरने भी दिया है और इसे भारत के लिए पूरी तरह से खोलने का भी भरोसा दे चुका है। लेकिन, वास्तविकता ये है कि होर्मुज में पैदा हुई रुकावटों की वजह से भारत में तेल और गैस की सप्लाई चेन पूरी तरह से बिगड़ चुकी है। सबसे ज्यादा दिक्कत एलपीजी को लेकर हो रही है, जो 90फीसदी इसी रास्ते से होकर भारत आता रहा है। इस

समय होर्मुज पर ईरान का पूरी तरह से नियंत्रण, अमेरिकी कूटनीति की सबसे बड़ी हार मानी जा रही है। ऐसे समय में भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी के अमेरिका पहुंचने के मायने ज्यादा गंभीर हो जाते हैं।अमेरिका ने पिछले साल भारत के लिए ईरान के चाबहार बंदरगाह में जो 6 महीने के लिए प्रतिबंधों में छूट दी थी, उसकी मियाद इसी महीने (30 अप्रैल, 2026) खत्म हो रही है। भारत और अमेरिका के बीच प्रतिबंध में छूट की मियाद बढ़ाने के लिए बहुत ही गंभीरता के साथ बातचीत चल रही है। इस वजह से विदेश मंत्री विक्रम मिसरी का अमेरिका जाना और वहां पर तमाम नेताओं और अधिकारियों से मुलाकात करने के कार्यक्रम से साफ है कि भारत प्रतिबंध की छूट की सीमा बढ़ाने के लिए अपनी ओर से पूरी कोशिश कर रहा है। चाबहार बंदरगाह का प्रबंधन भारत के पास है और इसके लिए उसने वहां पर काफी पैसे दांव पर लगा रखे हैं। ईरान का चाबहार बंदरगाह भारत के लिए सामरिक तौर पर भी बहुत महत्वपूर्ण है और अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से उसे काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। भारत और अमेरिका द्विपक्षीय संबंध-पिछले साल डोनाल्ड ट्रंप ने जब अपने दूसरे कार्यकाल की जिम्मेदारी संभाली थी, उसके कुछ समय बाद ही उन्होंने भारत से पंगा लेना शुरू कर दिया था। लेकिन, जबसे सर्जियो गोर अमेरिका के राजदूत बनकर भारत आए हैं, दोनों देशों के संबंधों में एक नई शुरुआत नजर आ रही है। पहले ट्रंप टैरिफ के मुद्दे पर बैकफुट पर आए, फिर दोनों देशों में वर्षों से लंबित ट्रेड डील की गाड़ी भी आगे बढ़ी। सर्जियो गोर इस समय अमेरिका में हैं और भारत के साथ फिर से पहले जैसा संबंध बहाल करने के लिए हर संभव कोशिश करते नजर आ रहे हैं।

ईरान युद्ध में अमेरिकी डेडलाइन के बीच डोनाल्ड ट्रंप की 'भारत' वाली डिनर डिप्लोमेसी,क्या सिर्फ इत्तेफाक

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को उसके साथ डील के लिए मंगलवार की रात 8 बजे (ईस्टर्न टाइम) की डेडलाइन दे रखी है। ट्रंप ने चेतावनी दी है मीडिया पर डोनाल्ड ट्रंप की इस दोहरी रणनीति की खूब चर्चा हो रही है और लोग इसे महज संयोग मानने के लिए तैयार नहीं दिख रहे हैं। एक्स पर सर्जियो गोर के डिनर वाली सूचना पर स्टीव लूकनर नाम के एक हैंडल ने अपने पोस्ट में लिखा है-'लगता है कि कल डेडलाइन वाले समय पर राष्ट्रपति ट्रंप व्हाइट हाउस में भारत में अमेरिका के राजदूत के साथ डिनर पर होंगे।' ईरान ने अमेरिकी चेतावनियों को मानने से किया इनकार-डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से कहा

कि अगर ईरान ने ऐसा नहीं किया तो उसे तबाह कर दिया जाएगा। इसी दिन शाम 7 बजे अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस में भारत में अमेरिकी राजदूत को स्पेशल डिनर के लिए बुलाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का लगभग उसी समय भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर को डिनर पर बुलाना बेहद खास है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि भारत में अमेरिका के राजदूत के साथ इस तरह की मीटिंग का एजेंडा क्या है? इसलिए, यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह महज संयोग है या फिर कोई रणनीति? सर्जियो गोर अभी अमेरिका गए हुए हैं। सोशल है कि या तो वह प्रस्तावित डील को स्वीकार कर ले या फिर अपने देश की 'पूरी तरह से तबाही' के लिए तैयार रहे। ईरान की आर्मी ने डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनियों को 'अहंकारी बयानबाजी और आधारहीन धमकियां' बताकर न सिर्फ खारिज कर दिया, बल्कि कहा है कि अमेरिका और इजरायली सेना के खिलाफ उसका ऑपरेशन जारी रहेगा।होर्मुज स्ट्रेट खोलने की मिली है ईरान को चेतावनी-अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से कहा है कि वह मंगलवार आधी रात तक होर्मुज जलडमरूमध्य पहले की तरह अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही के लिए खोल दे।

भारत ने मुश्किल समय में ट्रक भर-भरकर भेजी थी मदद, अब श्रीलंका ने 30 को रिहा करके यूं चुकाया अहसान!

कोलंबो। भारत समय-समय पर श्रीलंका की मदद करते रहा

है। दवा से लेकर खाना, घर बनाने तक भारतीय सरकार ने मदद की। यही वजह है कि श्रीलंका से आज 30 भारतीय मछुआरे स्वदेश लौट आए हैं। सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी देते हुए भारतीय दूतावास ने कहा, 'आज श्रीलंका से 30 भारतीय मछुआरों को देश भेज दिया गया है और वे अपने घर लौट रहे हैं।' श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा भारतीय मछुआरों को हिरासत में लेना एक आम समस्या रही है, जो अक्सर पाक खाड़ी और पाक जलडमरूमध्य क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करने के कारण उत्पन्न होती है। यह मामला मछली पकड़ने से जुड़े विवादों के कारण लंबे समय से चिंता का विषय बना हुआ है। भारतीय अधिकारियों की नियमित राजनयिक पहल और तमिलनाडु सरकार की अपीलों के चलते समय-समय पर मछुआरों की रिहाई और स्वदेश वापसी संभव हो पाती है। इससे पहले 14 मार्च को 14 भारतीय मछुआरों के एक समूह को श्रीलंका से चेन्नई लाया गया था। इन्हें श्रीलंकाई तटरक्षक बल ने समुद्री सीमा उल्लंघन के आरोप में हिरासत में लिया था। भारतीय उच्चायोग के राजनयिक हस्तक्षेप से उनकी रिहाई संभव हो पाई थी। इसके बाद 7 मार्च को 3 और 20 मार्च को 9 भारतीय मछुआरों को वापस भेजा गया था।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

पाकिस्तान में बाजार 8 बजे, रेस्टोरेंट 10 बजे बंद, शादी समारोहों पर भी पाबंदी, तेल संकट से जूझ रहा देश

इस्लामाबाद। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के असर अब पाकिस्तान में साफ दिखाई देने लगे

हैं। ईंधन संकट गहराने के चलते सरकार ने देशभर में सख्त पाबंदियां लागू कर दी हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद मंगलवार से नए नियम लागू किए गए। प्रधानमंत्री कार्यालय (इश्ध) के अनुसार, अब देश के ज्यादातर हिस्सों में बाजार और शॉपिंग मॉल रात 8 बजे तक ही खुले रहेंगे। रेस्तरां, बेकरी और अन्य खाने-पीने की दुकानें रात 10 बजे तक बंद करनी होंगी। इसके अलावा शादी हॉल और दूसरे कमर्शियल वेन्यू भी रात 10 बजे के बाद खुले नहीं रह सकेंगे। सरकार ने निजी स्तर पर होने वाले शादी समारोहों पर भी सख्ती की है। अब घरों या निजी जगहों पर भी रात 10 बजे के बाद शादी या कोई समारोह आयोजित नहीं किया जा सकेगा। हालांकि, मेडिकल स्टोर और फार्मेसी को इन पाबंदियों से छूट दी गई है, ताकि जरूरी दवाएं और स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों। दरअसल, खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव का असर वैश्विक ईंधन आपूर्ति पर पड़ा है। इसी वजह से पाकिस्तान में ईंधन की कमी बढ़ रही है। खपत कम करने और हालात को संभालने के लिए सरकार ने ये सख्त कदम उठाए हैं।

सील टीम-6 ने पहाड़ों से अमेरिकी पायलट को ढूंढ कर बचाया,लादेन को मारने वाली यही यूनिट थी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने ईरान में लापता दोनों पायलट्स को 36 घंटे के भीतर रेस्क्यू कर लिया।

ईरान में 3 अप्रैल को एक ऑपरेशन पर गए एफ-15ई फाइटर जेट्स पर हमला हुआ था। विमान के क्रैश होने से पहले दोनों पायलट्स पैराशूट की मदद से इजेक्ट हो गए थे। इसमें से एक पायलट को अमेरिकी सेना ने कुछ ही घंटे बाद ढूंढ़ लिया जबकि दूसरे के लिए एक बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इसकी सफलता की तारीफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी की। उन्होंने इसे देश के इतिहास का सबसे खतरनाक रेस्क्यू मिशन बताया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अमेरिकी नेवी की स्पेशल यूनिट 'सील टीम-6' ने इसे अंजाम दिया। यह वही स्पेशल फोर्स है जिसने 2011 में आतंकी ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान के एबटाबाद में घुसकर मारा था।ईरान के साथ संघर्ष के बीच यह 2026 का पहला कन्फर्म्ड अमेरिकी ग्राउंड ऑपरेशन माना जा रहा है। एक सैनिक को बचाने के लिए बड़े स्तर पर सैन्य ताकत का इस्तेमाल हुआ, जो इसकी अहमियत दिखाता है। मिशन को सफल बनाने के लिए अमेरिका ने कई लेयर में रणनीति बनाई। पहले, इजराइली खुफिया एजेंसी ने ईरानी सेना की मूवमेंट ट्रैक की। फिर हवाई हमले 36 घंटे के लिए रोके गए ताकि रेस्क्यू टीम आगे बढ़ सके। इसके बाद सीआईए ने फर्जी जानकारी फैलाई कि ऑफिसर सड़क से भाग निकला है।

ब्रह्मोस प्रोजेक्ट से जुड़े रूसी वैज्ञानिक अलेक्जेंडर लियोनोव की मौत

मॉस्को। ब्रह्मोस मिसाइल प्रोजेक्ट से जुड़े रूस के प्रमुख है। उन्हें उन्नत मिसाइल तकनीक के विकास के लिए जाना जाता

वैज्ञानिक अलेक्जेंडर लियोनोव का 74 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे रूस के प्रमुख मिसाइल डिजाइनरों में शामिल थे। लियोनोव एनपीओ माशिनोस्ट्रोएनिया के सीईओ और चीफ डिजाइनर थे, जो भारत-रूस की ब्रह्मोस एयरोस्पेस का प्रमुख साझेदार था। उन्होंने जिरकॉन हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल समेत कई अहम प्रोजेक्ट्स में योगदान दिया। इसके अलावा उन्होंने ग्रेनिट, वल्कन और बास्टियन जैसे मिसाइल और कोस्टल डिफेंस सिस्टम्स के विकास में भी भूमिका निभाई थी।

दबिश के दौरान 50 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद,लगभग 350 किलोग्राम लहन मौके पर नष्ट, तीन अभियोग पंजीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के आदेशानुसार अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र- 01 की टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। टीम द्वारा तहसील सदर के थाना भदोखर अंतर्गत ग्राम काबुलीयन एवं मनेहरू में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों पर दबिश की कार्यवाही की गई।

दबिश के दौरान 50 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा लगभग 350 किलोग्राम लहन बरामद कर मौके पर नष्ट करते हुए 03 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए। जिले में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

आरएलडी जिलाध्यक्ष ने गेहूं खरीद प्रारम्भ करने हेतु लिखा पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।राष्ट्रीय लोकदल जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी ने सोमवार को किसानों के गेहूं खरीद प्रारम्भ किए जाने को लेकर जिलाधिकारी को पत्र लिखा पत्र के माध्यम से उन्होंने अवगत कराया कि गेहूं खरीद वर्ष 2026-27 हेतु प्रदेश सरकार द्वारा 15 मार्च से खरीद प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है किन्तु जनपद सोनभद्र मे अभी तक गेहूं खरीद नहीं हो सकी है उन्होंने आगे कहाँ की वर्तमान मे मौसम खराब होने के कारण किसानो मे भय

का माहोल व्याप्त है किसान अपने गेहूं की फसल की कटाई कर उसे खलिहनो मे तैयार रखे हुए है ओर सरकारी खरीद शुरू होने का इंतज़ार कर रहे है श्री त्रिपाठी ने कहाँ की किसानो की समस्या को ध्यान मे रखते हुए शीघ्र अति शीघ्र गेहूं खरीद प्रक्रिया प्रारंभ कराई जाए ताकि किसानों को किसी प्रकार की आर्थिक हानि ना हो।

भारतीय जीवन बीमा निगम की रॉबर्ट्सगंज शाखा में बजट उपलब्धि उत्सव मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय जीवन बीमा निगम की रॉबर्ट्सगंज शाखा में सोमवार को वर्ष 2025-26 का बजट उपलब्धि उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक डा एसके सिंह ने अधिकारियों, कर्मचारियों, अभिकर्ताओं के साथ केक काटकर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। अपने संछिप्त सबोधन में उन्होंने कहा की इस शाखा के समस्त अधिकारियों, कार्मिकों, विकास अधिकारियों, अभिकर्ताओं ने पूरी निष्ठा लगन व मेहनत के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए शाखा के लक्ष्य को पूरा करने में अहम भूमिका निभाया है, इसके लिये वे बधाई के पात्र हैं।विकास अधिकारियों, अभिकर्ताओं ने जनता के बीच जाकर उन्हें बीमा से अच्छादित किया तो अधिकारियों, कार्मिकों ने अभिकर्ताओं द्वारा शाखा में लाये गये बीमे को पास कर पालिसी स्वीकृत कर व्यक्ति को बीमा धारक बनाया। आपसी समन्वय व बेहतर तालमेल से काम करने का परिणाम रहा की हमारी शाखा ने निर्धारित लक्ष्य से भी अधिक बीमा बेचकर कर मंडल स्तर पर नाम रोशन किया है। शाखा

प्रबंधक ने कहा की पिछले दो वर्षों से शाखा ने भले ही लक्ष्य पूरा कर लिया हो लेकिन पालिसी संख्या, बीमा धन और प्रीमियम संतोष जनक नहीं प्राप्त हुआ था, लेकिन इस बार शाखा ने बीमा पालिसी, प्रीमियम और बीमा धन अर्जित करने में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त किया है। इस मौके पर डिप्टी मैनेजर जिज्ञासु, सहायक शाखा प्रबंधक अजय कुमार, प्रशासनिक अधिकारीगण, विकास अधिकारी शिव चरण यादव, अमन जायसवाल के अलावा प्रेम नाथ त्रिपाठी, परमानन्द सिंह, रामजी, सुरेन्द्र सिंह पूजा त्रिपाठी, अस्थाना मैडम, तेजबली राहुल, सोहन के समेत अन्य कर्मचारी बीमाधारक मौजूद रहे।

प्रदेश सरकार विभिन्न समस्याओं से पीड़ित महिलाओं को दे रही है निःशुल्क आवासीय सुविधा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। हमारे संविधान और उसकी प्रस्तावना में, मूल अधिकार, मूल कर्तव्य और नीति निर्देशक तत्वों में भी नागरिकों की समानता निहित हैं, जिसके फलस्वरूप इस देश में लैंगिक भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं है। संविधान न केवल महिलाओं को समानता का अधिकार देता है, बल्कि राज्यों को यह अधिकार देता है कि समानता लाने के लिए वह महिलाओं के प्रति सकारात्मक विभेदीकरण की योजनायें बना सकते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में महिलाओं को विभिन्न विकास सम्बन्धी कार्यक्रमों से सम्बद्ध करके उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति सुधारने में मदद करने के उद्देश्य से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने महिला सशक्तीकरण मिशन के अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए कई योजनायें संचालित कर उनका उत्थान किया है। हब फार इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन- इस योजना का उद्देश्य महिलाओं ने सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों जैसे-घरेलू हिंसा, दहेज, शिक्षा, स्वास्थ्य, अधिकार, जेंडर, यौन हिंसा आदि के संबंध में जागरूकता लाना है। ग्रामीण महिलाओं और किशोरियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग करना, योजना के संचालन के लिए प्रदेश स्तर पर 8 एवं प्रत्येक जनपद में 07 कार्मिकों का करना प्रमुख है। इस योजना की प्रमुख गतिविधियों में महिलाओं की लिए उपलब्ध योजनाओं और सुविधाओं के संबंध में महिलाओं को जानकारी प्रदान करना तथा उनका लाभ प्राप्त करने में सहायता करना है। इस योजना के अन्तर्गत जिला/ब्लॉक स्तर पर सरकारी पदाधिकारियों को संवेदनशील बनाना और उन्हें ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए बनाई गई विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों के बारे में उन्मुख करना, लैंगिक समानता के लिए जमीनी स्तर पर जागरूकता अभियान आयोजित किया जाता है। बीपीएल सर्वेक्षण, आधार (यूआईडी), मनरेगा, नामांकन जैसे मौजूदा सरकारी तंत्रों के माध्यम से सरकारी कार्यक्रमों में नामांकन हेतु महिलाओं को सहायता प्रदान किया जाता है। शौर्य दल जैसे समूहों में शामिल होने के लिए महिलाओं को एकजुट करना और ग्रामीण स्तर पर मौजूदा समूहों को मजबूत करने में मदद करना आदि प्रमुख कार्य है। प्रदेश में यह योजना वित्तीय वर्ष 2022-23 से संचालित है, इस योजना में 2022-23 से 2025-26 तक कुल 51 हजार से अधिक गतिविधियों के माध्यम से 56 लाख से अधिक महिलाओं तथा बालिकाओं को सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया है। सखी निवास-उत्तर प्रदेश में कामकाजी महिलाओं को शहरी-नगरीय क्षेत्रों में सस्ती दरों पर सुरक्षित आश्रय प्रदान किये जाने के उद्देश्य से मिशन शक्ति योजनान्तर्गत राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के जनपद गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, लखनऊ, आगरा, बरेली, मेरठ, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, मऊ, मथुरा एवं बुलन्दशहर में 50-50 की क्षमता के कुल 13 सखी निवास का संचालन किये जाने का प्रावधान किया गया है, जिसमें से जनपद लखनऊ एवं वाराणसी में संचालन प्रारम्भ हो गया है तथा शेष में संचालित किये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। शक्ति सदन-मिशन शक्ति योजना की उप योजना सामर्थ्य के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा विभाग के माध्यम से 11 जनपदों अलीगढ़, आजमगढ़, कानपुर नगर, चित्रकूट, झांसी, गोंडा, बस्ती. मिर्जापुर, वाराणसी एवं सहारनपुर में एक-एक तथा जनपद मथुरा में 04 शक्ति सदन का संचालन किया जाने की व्यवस्था है, जिसमें से जनपद अलीगढ़, कानपुर नगर, झॉसी, गोण्डा, मिर्जापुर एवं सहारनपुर में संचालन प्रारम्भ हो गया है तथा शेष में संचालित किये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। कृष्ण-कुटीर-जनपद मथुरा में निराश्रित महिलाओं को आश्रय प्रदान करने के उद्देश्य से 1000 की क्षमता के कृष्ण कुटीर आश्रय सदन, वृन्दावन का संचालन वर्ष 2018-19 से महिला कल्याण निगम के माध्यम से किया जा रहा है। इस आश्रय सदन में निराश्रित महिलाओं को निःशुल्क भरण-पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य, वस्त्र, विस्तर आदि की व्यवस्था है। साथ ही आवासित महिलाओं की काउन्सिलिंग कर उनके परिवार/ रिश्तेदार के साथ पुनर्वासित कराया जाता है। जनपद मथुरा में निराश्रित महिलाओं हेतु वृन्दावन, जनपद मथुरा में संचालित कृष्ण कुटीर आश्रय सदन में वर्तमान में 386 से अधिक महिलाएं निवासरत हैं। राजकीय महिला शरणालय-महिला कल्याण विभाग के अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु प्रदेश में राजकीय महिला शरणालय-संरक्षण गृह का संचालन किया जा रहा है, जिसमें भारतीय दण्ड संहिता में वांछित साक्ष्य हेतु प्रस्तुत की जाने वाली पीड़ित महिलाओं, घरेलू हिंसा संरक्षण अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत पीड़ित महिलाओं, भटकी हुई नैतिक संकट से ग्रसित संरक्षण की आवश्यकता वाली एवं जरूरतमंद महिलाओं को रखे जाने का प्राविधान है। इन गृहों में महिलाओं को निःशुल्क भरण-पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य, वस्त्र, बिस्तर, कौशल विकास प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था है। इस योजना के अन्तर्गत वर्तमान में प्रदेश के 08 जनपदों में राजकीय महिला शरणालय, 01 जनपद-यथा आगरा में राजकीय संरक्षण गृह (महिला) तथा 01 जनपद- यथा बरेली में मानसिक रूप से अविकसित महिलाओं के प्रकोष्ठ का संचालन किया जा रहा है। इन शरणालयों में वर्तमान में भिन्न-भिन्न समस्याओं से पीड़ित 248 संवासिनी एवं उनके 24 बच्चे आवासित है।

संविदा कर्मियों ने अपनी 6 सूत्री मांग को लेकर किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ बैनर तले संविदा कर्मचारियों ने अपनी 6 सूत्री मांग को लेकर सोमवार को एक दिवासी धरना प्रदर्शन किया। संगठन जिला अध्यक्ष ज्योति कुमार ने बताया कि रावटसगंज अधिशासी अभियंता कार्यालय परिसर में अध्यक्षता मंडल सचिव नितेश मौर्य के नेतृत्व में एक दिवासी धरना प्रदर्शन किया गया। श्री अध्यक्ष ने बताया कि विद्युत वितरण खण्ड राबर्ट्सगंज और पिपरी में कार्यगत संविदा कर्मीयों से सुरक्षा मानक को पूरा ना करते हुए मनमानी तरिके से दबाव बन्नमकर हर प्रकार का कार्य कराया जा रहा है। जिसके बलते पूर्व एवं वर्तमान में कई अप्रिय घटनायें घटित हो चुकी है जब कि जिले के हर उपकेन्द्र पर पूर्ण रूप से सुरक्षा उपकरण तक मंजूद नहीं है। तथा विगत पिछले कुछ माह में दिभाग द्वारा मन माने तरिके से कई संविदा कर्मियों को बिना पूर्व नोटिस दिये कार्य से हटा दिया गया और उनके द्वारा किये गये कार्य का वेतन

तक नही दिया गया जो पूर्णता गलत है और श्रम कानून का उल्लघंन भी है विभाग द्वारा इस प्रकार की कार्यवाही को लेकर संविदा कर्मियों में काफी असंतोष व्यापा जिसके चलते संविदा कर्मियों ने अपनी कुछ मांगे आपले समक्ष रखी है। वही संविदा कर्मियों की मांगे निम्नवत है- जिन सविदा कर्मियों का पूरे मापने की काय चेतन दा गया और दिना पूर्व सूचना उसका वेतन तत्काल दिलाने के साथ उन्हें कार्य पर के उन्हें कार्य से हटा दिया वापस रखा जाए। सभी उपकेन्द्र पर पूर्ण सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने की व्यवस्था बनायी जाए। दुर्घना ग्रस्त हुए संविदा कर्मियों के मुआवजा का भुगतान तत्काल कराया जाए। हर संविदा कर्मियों का ई0एस0आई0सी0 कार्ड उपलब्ध कराया जाए। कम्पनी द्वारा हर सविदा जर्मिती का पहचान पत्र दिलवाया जाए। दोनो खण्डों में विभाग द्वारा कितने कुशल और कितने अकुशल संविदा कर्मियो काम लिया जाना है। इसकी संख्या को स्पष्ट किया जाए। संगठन आपसे अनुरोध करता है कि उपरोक्त बिन्दुओं पर विचार करते हुए 05.04. तक संगठन पदाधिकारियों के साथ द्विपक्षीय वार्ता कर संविदा कर्मियों की समस्याओं का उचित समाधान करने की कृपा करें। अन्यथा की स्थिति में सोमवार से समस्त संविदा कर्मी आपके कार्यालय के समक्ष अपनी उचित मांगों को लेकर धरना प्रर्दशन या भुख हड़ताल करने को बाध्य होगें जिससे होने वाले किसी भी प्रकार की आद्यौगिक अशान्ति की पूर्ण जिम्मेदारी आप प्रबन्धन की होगी। इस मौके पर अभय पांडेय, हरिशंकर द्विवेदी, वीरेंद्र यादव, मुन्नालाल, राज नारायण सिंह, हेमंत, मोहन विश्वकर्मा, अवधेश कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

कलश शोभायात्रा के साथ-सात दिवसी,श्री अभिषेकात्मक रुद्र महायज्ञ हुआ प्रारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज के बरैला महादेव मंदिर प्रांगण में सातवें वर्ष होने जा रहे श्री अभिषेकात्मक रुद्र महायज्ञ एवं संगीतमय श्री राम कथा ज्ञानयज्ञ में आचार्य सौरभ भारद्वाज के साथ एकादश वैदिक विद्वानों के द्वारा वेदध्वनि के साथ श्री गणेश पूजन एवं 151 मंगल कलश का पूजन सोमवार को कराया गया जिसमें मातृशक्ति एवं शिवभक्त श्री रामभक्त सम्मिलित हुए बरैला महादेव मंदिर से बरकरा जलाशय तक शोभायात्रा निकाली गई एवं रात्रि कालीन प्रवचन सत्र में चित्रकूट धाम से पधारी राष्ट्रीय कथा वाचिका किशोरी देवी शिवानी के द्वारा शिव सती प्रसंग सुनाया गया श्री रामचरितमानस की चौपाई एक बार त्रेता युग माही। शंभू गए कुम्भज ऋषिपाही। अर्थात एक बार के समय में देवाधिदेव महादेव अपनी धर्म पत्नी

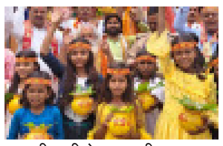

भगवती सती के साथ श्री राम कथा सुनने के लिए कुंभज ऋषि के आश्रम गए इस प्रसंग से समाज को यह शिक्षा लेनी चाहिए कि जब देव देव महादेव शिव कथा श्रवण कर सकते हैं तो हम समझ में सभी लोगों को चाहिए कि भगवान की कथा का जरूर रसपान करें।। श्री राम दरबार का भव्य दिव्य पूजन यज्ञ कमेटी के संरक्षक अरविंद शरण सिंह के द्वारा संपन्न किया गया यज्ञ के मुख्य यजमान बृजेश शरण सिंह सतीश पांडे संदीप सिंह के द्वारा विशेष रूप से रुद्राभिषेक किया गया इस शुभ अवसर पर अविनाश शुक्ला, लाल मिश्र, रवि प्रकाश, पिंटू पांडे,धीरेंद्र पांडे, बृजेश पांडे, चिंतेश बहादुर सिंह,विक्की सिंह,विमलेश पांडे, यज्ञ कमेटी के अध्यक्ष अखिलेश चतुर्वेदी ने बताया यह यज्ञ सप्त दिवसीय है जो की 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक प्रतिदिन अलग-अलग पदार्थ से रुद्राभिषेक होगा और 13 अप्रैल को भव्य दिव्य भंडारा का कार्यक्रम है जिसमें समस्त क्षेत्रवासी आकर के प्रसाद ग्रहण करेंगे।

अप्रैलः ऑटिज़्म जागरूकता माह – डिजिटल युग में बचपन, न्यूरोप्लास्टिसिटी और वर्चुअल ऑटिज़्म की चुनौती

डॉ. इशान्या राज, नैदानिक मनोवैज्ञानिक, प्रयागराज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। अप्रैल माह को विश्वभर में ऑटिज़्म जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। यह केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि एक गहरी समझ विकसित करने का समय है–खासकर उस दौर में, जहाँ बचपन स्क्रीन की रोशनी में पल रहा है। आज मोबाइल, टैब और तेज़ रील्स ने बच्चों के अनुभव की दुनिया बदल दी है। लेकिन यह बदलाव केवल बाहरी नहीं है–यह उनके मस्तिष्क के भीतर भी गहरे स्तर पर असर डाल रहा है।न्यूरोप्लास्टिसिटीः अनुभव से बनता है मस्तिष्क-न्यूरोप्लास्टिसिटी मस्तिष्क की वह क्षमता है, जिससे वह अनुभवों के अनुसार खुद को बदलता और विकसित करता है। बचपन के शुरुआती वर्ष इस प्रक्रिया के लिए सबसे संवेदनशील होते हैं। जब बच्चा माता-पिता के साथ बातचीत करता है, खेलता है, चेहरे के भाव पढ़ता है–तब उसका मस्तिष्क सामाजिक और भावनात्मक रूप से विकसित होता है। लेकिन जब वही बच्चा अधिक समय स्क्रीन के साथ बिताता है, तो उसका मस्तिष्क तेज़, त्वरित और लगातार उत्तेजना का आदी बन जाता है। वर्चुअल ऑटिज़्मः एक उभरती हुई चिंता-'वर्चुअल ऑटिज़्म' कोई आधिकारिक निदान नहीं है, बल्कि एक क्लिनिकल प्रवृत्ति है, जिसमें अत्यधिक स्क्रीन उपयोग के कारण बच्चे में ऑटिज़्म जैसे

लक्षण दिखाई देने लगते हैं:नाम पुकारने पर प्रतिक्रिया कम होना, आँखों से संपर्क में कमी,भाषा विकास में देरी, सामाजिक रुचि में कमी, एक ही व्यवहार को बार-बार दोहराना, महत्वपूर्ण बात यह है कि समय पर हस्तक्षेप से इन लक्षणों में सुधार संभव है। डिजिटल एक्सपोज़र और विकास में देरी-हालिया अध्ययनों में पाया गया है किः 2 वर्ष से कम आयु में अधिक स्क्रीन उपयोग भाषा विकास को प्रभावित करता है। तेज़ी से बदलते दृश्य और ध्वनि ध्यान अवधि को कम करते हैं।स्क्रीन के माध्यम से सीखना सीमित होता है, क्योंकि वास्तविक सीखना इंटरैक्शन से होता है। बच्चा स्क्रीन को देखता है, लेकिन दुनिया को महसूस नहीं कर पाता। हालिया शोध क्या कहते हैं- प्रारंभिक हस्तक्षेप (Early Intervention) से बच्चों के सामाजिक और भाषाई कौशल में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। इंटरैक्टिव खेल (Inter-active Play) और उत्तरदायी पालन-पोषण (Responsive Parenting) सबसे प्रभावी उपाय हैं। न्यूरोप्लास्टिसिटी के कारण, मस्तिष्क सही अनुभव मिलने पर नए कनेक्शन बना सकता है। एक केस उदाहरण- प्रयागराज में 2.5 वर्ष के एक बच्चे को परामर्श के लिए लाया गया।मुख्य शिकायतें थींः बोलने में देरी,नाम पुकारने पर प्रतिक्रिया न देना,दिन में 4-5 घंटे मोबाइल देखना,सामाजिक संपर्क में कमी, मूल्यांकन में पाया गया कि बच्चे का अधिकांश समय स्क्रीन के साथ बीतता था। हस्तक्षेप योजना-स्क्रीन टाइम पूर्णतः बंद करना,माता-पिता के साथ आमने-सामने संवाद बढ़ाना

खेल आधारित गतिविधियाँ शुरू करना, नियमित दिनचर्या बनाना, लगभग 3 महीनों में बच्चे में स्पष्ट सुधार देखा गया-उसने आँखों से संपर्क बढ़ाया, सरल शब्द बोलना शुरू किया और सामाजिक जुड़ाव में वृद्धि हुई। घर पर अभिभावकों के लिए प्रबंधन तकनीकें,2 वर्ष से कम आयु में स्क्रीन से पूरी तरह बचाव करें

बच्चे से आमने-सामने बात करें और प्रतिक्रिया का इंतज़ार करें, रोज़ाना साथ बैठकर खेलें–सिर्फ खिलौना देना पर्याप्त नहीं हैदिनचर्या को नियमित और पूर्वानुमेय बनाएं, हर गतिविधि को शब्दों में समझाएँ-छोटे प्रयासों की भी सराहना करें,याद रखें–सबसे प्रभावी थेरेपी घर के वातावरण में ही होती है। समाज और अभिभावकों के लिए संदेश-हर देर से बोलने वाला बच्चा ऑटिज़्म से प्रभावित नहीं होता, लेकिन हर देरी को नज़रअंदाज़ करना भी उचित नहीं है। डिजिटल दुनिया आसान है,,पर बच्चे का वास्तविक विकास मानवीय जुड़ाव से होता है। निष्कर्ष-अप्रैल का यह महीना हमें याद दिलाता है-कि जागरूकता ही बदलाव की पहली सीढ़ी है। न्यूरोप्लास्टिसिटी हमें उम्मीद देती है कि-सही समय पर सही हस्तक्षेप से बच्चे के विकास की दिशा बदली जा सकती है। हमें स्क्रीन से नहीं, संवाद और संवेदनशीलता से बचपन को संवारना है। (डॉ. इशान्या राज नैदानिक मनोवैज्ञानिक प्रयागराज)

ट्रेनों की लेट लतीफी को लेकर डीआरएम को लिखा पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद में ट्रेनों की लेटलतीफी, रद्द होने और अव्यवस्थित संचालन को लेकर आम जनता में लगातार असंतोष बढ़ता जा रहा है। इसी गंभीर समस्या को देखते हुए 'राहुल गाँधी' द्वारा लखनऊ मंडल के डीआरएम को पत्र लिखकर व्यवस्था सुधारने की मांग की गई है। इसी विषय पर आयोजित दिशा बैठक में दिनेश सिंह द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ की गई टिप्पणी न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि

जनहित के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने वाली भी है। इस संबंध में जारी बयान में कमल सिंह चौहान ने कहा कि– 'रेलवे की स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए डीआरएम ही जिम्मेदार अधिकारी होते हैं। ऐसे में उन्हें पत्र लिखना पूरी तरह उचित, व्यवहारिक और प्रभावी कदम है। हर छोटी समस्या के लिए सीधे रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को लिखना केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि- 'जनता को बेहतर सुविधा चाहिए, न कि अनावश्यक बयानबाजी। 'नकली गांधी' जैसे शब्दों का प्रयोग कर असली मुद्दों से ध्यान हटाना जनता के साथ अन्याय है।' अंत में उन्होंने कहा– 'रायबरेली और लालगंज की जागरूक जनता सब समझती है और समय आने पर सही निर्णय लेना जानती है।'

बी डी बी आर ए सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थान खुर्जा बुलंदशहर का वार्षिकोत्सव शुरू

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) खुर्जा/बुलंदशहर। छः अप्रैल को

बी डी बी आर ए सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थान के वार्षिकोत्सव की शुरूआत हुई। कार्यक्रम का प्रारम्भ पारम्परिक बौद्ध रीति त्रिशरण पंचशील ग्रहण पूर्वक बुद्ध पूजा वंदना से हुई। बौद्ध धर्म गुरु ने इसको सम्पन्न कराया। इसके बाद इस संस्थान से सम्बद्ध कृषि इंटर कॉलेज मौजपुर खुर्जा की रितिका आदि छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत गीत हम भीमराव के बच्चे हैं उनको समझा देना बहुत ही सराहनीय रहा। इस अवसर पर उपस्थित रहे प्रमुख पदाधिकारियों सदस्यों व अन्य लोगों में भारतीय बौद्ध महासभा उ0 प्र0 (पंजीकृत) के प्रांतीय अध्यक्ष मानसिंह गौतम एडवोकेट, प्रांतीय महामंत्री द्वय डॉ अरविन्द कुमार गौतम और साहब सिंह बौद्ध, प्रांतीय संयुक्त मंत्री महेंद्र सिंह दिनकर, भंते प्रज्ञा रश्मि भंते, ज्योति थेरो भंते, प्रज्ञा कीर्ति, भंते श्रद्धा नंद भंते, सोमानंद आदि नौ भंते गण, प्रबंधक इं0नाहर सिंह के पी सिंह प्र0 स0 अ0 कैलाश चंद्र संरक्षक मंडल गोपीचंद निमेष फूल सिंह प्रधान जगरोशनी बौद्ध, सुखवीर सिंह बौद्ध, बी डी संगम रमेश चंद्र गौतम, नवीन कुमार प्रधानाचार्य, रानी बौद्ध, राम प्रसाद बौद्ध, यशवंत राव, सत्य प्रकाश भास्कर प्रतापगढ़, महेश चंद्र बौद्ध, संघप्रिय गौतम, के पी सविता बौद्ध पूर्व प्रधानाध्यापक एवं रचयिता बुद्ध चरित मानस प्रबंध काव्य और महामंत्री भारतीय बौद्ध महासभा उ0 प्र0 शाखा जनपद अमेठी । परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों रिया, महिमा, रीना, सरस्वती, आंचल, नंदिनी, हिमांशी, रितिका, बबिता, खुशबु, कहकशां, लकी, सोलंकी, दीजा, नैतिक शर्मा, यश शर्मा, विशाखा, दीक्षा आदि को पुरस्कृत किया गया।

इतिहास

7 अप्रैलः इंदिरा गांधी ने साहित्य-भूमि को दिया 'आचार्य द्विवेदी मार्ग' का गौरव

एक तारीख, एक मार्ग और एक युगः जब युगप्रवर्तक की स्मृति को मिला राष्ट्रीय सम्मान,सरांय बैरिया खेड़ा से दौलतपुर तक 19 किमी मार्ग का निर्माण, पेट्रोमेक्स की रोशनी में रात-दिन चला था कार्य

चीन यात्रा से उपजी प्रेरणा, प्रधानमंत्री बनने के बाद साकार हुई साहित्यिक श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 7अप्रैल, 1973 यह तिथि महज कैलेंडर का एक अंक नहीं, बल्कि रायबरेली की सांस्कृतिक चेतना में अंकित वह स्वर्णिम अध्याय है, जब स्वतंत्रता की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने हिंदी के युगप्रवर्तक आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की स्मृति को राष्ट्रीय पहचान प्रदान करते हुए सरांय बैरिया खेड़ा-भोजपुर से उनके जन्मग्राम दौलतपुर तक जाने वाले 19 किमी लंबे 'आचार्य द्विवेदी मार्ग' का उद्घाटन किया था। यह केवल एक सड़क का लोकार्पण नहीं, बल्कि उस युगपुरुष के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का सशक्त प्रकटीकरण था, जिसने हिंदी की खड़ी बोली को दिशा और प्रतिष्ठा दी। लालगंज-रालपुर मार्ग पर स्थित सरांय बैरिया खेड़ा से शुरू होकर भोजपुर होते हुए दौलतपुर तक पहुंचने वाला यह मार्ग कभी एक साधारण कच्चा रास्ता 'गलियारा' था। अचानक जिले के सरकारी अमले को जैसे ही नई दिल्ली का यह संदेश मिला कि प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी आचार्य द्विवेदी के जन्मस्थल का रुख करेंगी, प्रशासनिक तंत्र ने इसे संकल्प का प्रश्न बना लिया। दिन-रात अथक श्रम, पेट्रोमेक्स की रोशनी में लगातार चल रहे कार्य और सीमित संसाधनों के बीच अदम्य इच्छाशक्ति ने देखते ही देखते इस कच्चे रास्ते को एक सुदृढ़ पक्के मार्ग में बदल दिया। यह निर्माण आज भी उस दौर की प्रतिबद्धता और कार्यसंस्कृति का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस ऐतिहासिक निर्णय के पीछे एक प्रेरक प्रसंग भी जुड़ा है। इंदिरा जी के करीबी रहे पं. गया प्रसाद शुक्ल गुरूजी के अनुसार, इंदिरा गांधी द्वारा दौलतपुर मार्ग बनवाने का किस्सा यूं है-'इंदिरा जी 1954 में अपने पिता प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के साथ चीन के दौरे पर गईं। वहीं उन्हें एक लाइब्रेरी में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा

लिखी गई एक पुस्तक प्राप्त हुई। उन्हें बताया गया कि आचार्य द्विवेदी रायबरेली में जन्मे थे।' तब उनके पति फिरोज गांधी रायबरेली के सांसद थे। इस दौरे के दौरान उनकी आचार्य द्विवेदी के व्यक्तित्व में दिलचस्पी बढ़ी। वहीं से उनके मन में इस महान साहित्यकार के प्रति सम्मान और जिज्ञासा का भाव जागृत हुआ। 1967 में रायबरेली से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद इंदिरा गांधी का यह जुड़ाव और गहरा हुआ। प्रधानमंत्री बनने के पश्चात उन्होंने आचार्य द्विवेदी के जन्मस्थान तक मार्ग का निर्माण कराकर उन्हें अपनी सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। हालांकि, उद्घाटन के उपरांत उनके दौलतपुर आगमन को लेकर विभिन्न मत प्रचलित हैं। कुछ के अनुसार वे जन्मस्थल तक पहुंचीं, जबकि अन्य मतों में भोजपुर में ही कार्यक्रम संपन्न होने का उल्लेख मिलता है। तथ्यों के इस अंतर के बावजूद यह निर्विवाद है कि 7 अप्रैल 1973 ने आचार्य द्विवेदी की स्मृतियों को जन-जन तक पहुंचाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। समय के साथ उपेक्षा की परतों में दबा यह शिलापट आज 53 वर्ष बाद भी पुनः अपने गौरव के साथ खड़ा है, जो उस स्वर्णिम दौर का कालजयी साक्ष्य बना हुआ है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी स्मृति न्यास के प्रयासों से इसका पुनरोद्धार संभव हो सका, जिसमें पूर्व प्रधानाचार्य एवं पत्रकार अशोक त्रिवेदी तथा अतुल त्रिवेदी का विशेष योगदान रहा। आचार्य द्विवेदी की स्मृतियों के संरक्षण का सिलसिला दशकों पुराना है। 1954 में द्विवेदी स्मारक संघ का गठन, 1964 में जन्मशती वर्ष पर भव्य आयोजन, सुमित्रानंदन पंत द्वारा प्रतिमा अनावरण, 1966 में डाक टिकट जारी होना, 1998 के बाद स्मृति न्यास की सक्रियता, वर्ष 2000 में पुस्तकालय-वाचनालय का निर्माण, 2010 में सोनिया गांधी द्वारा प्रतिमा अनावरण तथा वर्तमान में 'आचार्य द्विवेदी वाटिका' का निर्माण ये सभी अथक प्रयास इस बात के सशक्त प्रमाण हैं कि रायबरेली ने अपने इस युगदृष्टा साहित्यकार की स्मृतियों को सहेजने में कभी कोई कसर नहीं छोड़ी। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी स्मृति न्यास रायबरेली के सचिव गौरव अवस्थी बताते हैं कि आज भी सरांय बैरिया खेड़ा मोड़ पर स्थापित वह शिलापट राहगीरों को ठहरकर यह सोचने को विवश करता है कि एक साहित्यकार के प्रति सम्मान किस प्रकार इतिहास का अमिट अध्याय बन जाता है। यह केवल एक मार्ग का उद्घाटन नहीं, बल्कि हिंदी साहित्य के उस युगप्रवर्तक के प्रति राष्ट्र की श्रद्धा का प्रतीक है, जिसकी वाणी और विचार आज भी हिंदी की आत्मा में धड़कते हैं। रायबरेली के स्वर्णिम दौर का कालजयी शिलालेख-शिलापट का मजमून है- 'स्वतंत्रता की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर सराय बैरिया खेड़ा-भोजपुर- दौलतपुर (आचार्य द्विवेदी) मार्ग का उद्घाटन माननीया श्रीमती इंदिरा गांधी (प्रधानमंत्री भारत सरकार) के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। दिनांक 7 अप्रैल 1973 तद्नुसार शनिवार चैत्र 17 शक 1895।'गांधी परिवार और आचार्य द्विवेदी-श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में ही 15 मई 1966 को आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी पर 15 पैसे का डाक टिकट जारी हुआ ,दौलतपुर में स्थापित आचार्य द्विवेदी की प्रतिमा का अनावरण 30 नवंबर 2010 को तत्कालीन सांसद एवं यूपीए की चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी ने किया। गांधी परिवार के 'हनुमान' कैप्टन सतीश शर्मा ने सांसद निधि से दौलतपुर में पुस्तकालय-वाचनालय भवन निर्मित कराया

भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस पर मैहर में जिला स्तरीय भाजपा कार्यालय के,नवीन भवन निर्माण कार्य का जिले की प्रभारी मंत्री श्री मति राधा सिंह जी ने भूमि पूजन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। मुख्यमंत्री श्री डॉ मोहन यादव जी प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल जी क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री अजय जमवाल जी भोपाल से जिला नवीन कार्यालय का भूमि पूजन वर्चुअल के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल के निर्देशानुसार जिला मंत्री श्री मति राधा सिंह जी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता विचार भाव से काम करने वाले संगठन के प्रति निष्ठावान पूर्वक कार्य करते हैं उन्होंने

वर्चुअल से किया भूमि पूजन। नवीन भाजपा कार्यालय के जिला स्तरीय कार्यक्रम कृषि उपज मंडी के पीछे हरनामपुर मैहर में किया गया जिसमें मैहर बड़ा अखाड़ा गुरु महराज श्री श्री 1008 श्री सीता बल्लभ शरण जी गुरु महराज जी के आशीर्वाद एवं प्रभारी मंत्री श्री मति राधा सिंह,संभागीय संगठन प्रभारी विजय दुबे , सांसद गणेश सिंह,श्री अखिलेश जैन सी ए प्रदेश कोषाध्यक्ष भाजपा मध्यप्रदेश, अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने, संगठन प्रभारी श्री मति नंदिता पाठक,जिला पंचायत अध्यक्ष राम खेलावन कोल, विधायक श्री कांत चतुर्वेदी,आदि की गरिमारूपेण उपस्थिति में शुभारंभ हुआ।विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन, भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर सभी निष्ठावान कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई! प्रदान की गई। राष्ट्रवाद सुशासन एवं अंत्योदय के पवित्र संकल्प के साथ पार्टी निरंतर देश सेवा में समर्पित रही है और आगे भी राष्ट्रहित में विचार के लिए लक्ष्य लेकर कार्य करेगी ,,,, श्री मति राधा सिंह प्रभारी मंत्री मैहर-भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन विचार भाव को ध्यान में रखकर बुथ स्तर पर कार्य करता है-,,,,संगठन प्रभारी नंदिता पाठक-मैहर 6 अप्रैल 2026 को होने वाले भाजपा जिला कार्यालय का भूमि पूजन के कार्यक्रम को लेकर भूमि पूजन स्थापना दिवस मैहर मैहर में भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर नवीन भवन जिला कार्यालय कृषि उपज मंडी के पीछे हरनामपुर मैहर में वर्चुअल लाइव प्रसारण के माध्यम से, जिले की प्रभारी मंत्री श्री मति राधा सिंह ने पार्टी के सभी जनप्रतिनिधियों, के साथ यज्ञ भगवान का हवन करते हुए पूजा अर्चना के साथ किया जिला स्तरीय कार्यक्रम लाइव प्रसारण में उपरोक्त आतिथ्य गणों के साथ पार्टी के समस्त वरिष्ठ नेता कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए।पार्टी के स्थापना दिवस का कार्यक्रम नवीन जिला कार्यालय के भूमि पूजन के निमित्त आयोजित । प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल नेभाजपा प्रदेश कार्यालय, भोपाल से भाजपा स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश के 17 जिलों में होने वाले भाजपा जिला कार्यालयों के भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण महामंत्री जितेंद्र पटेल जी ने किया। इसके पूर्व समस्त अतिथि गणों ने भारत माता पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के छायाचित्र पर दीपप्रज्वल माल्यार्पण करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंचीय व्यवस्था भाजपा कार्यालय मंत्री संजय पांडेय जी ने किया।भारतीय जनता पार्टी नवीन जिला कार्यालय के भूमि पूजन के अवसर पर सभी मनचासिन अतिथियों ने पार्टी की स्थापना दिवस पर अपना उद्बोधन प्रदान किया इसके साथ में प्रभारी कहा की पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का विचार हमारा मूल मंत्र है इसी अंतोदय को लेकर भारतीय जनता पार्टी संगठन की लंबी यात्रा के माध्यम से आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित है। उन्होंने कहा की विचार ही हमारा लक्ष्य है और इसी उद्देश्य को लेकर भारतीय जनता पार्टी केंद्र राज्य की सरकार है और हमारा संगठन नीचे स्तर तक मजबूती से कार्य कर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। सतना सांसद गणेश सिंह जी ने कहा कि राष्ट्रवाद, सुशासन एवं अंत्योदय के पवित्र संकल्प के साथ पार्टी निरंतर देश सेवा में समर्पित रही है और आगे भी राष्ट्रहित में कार्य करती रहेगी। उन्होंने कहा कि आइए, हम सभी मिलकर एक सशक्त, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दें। जिले की संगठन प्रभारी श्री मति नंदिता पाठक जी ने कहा कि 'सेवा ही संगठन' के पवित्र संकल्प के साथ विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी, के रूप में स्थापित हुई है।उन्होंने कहा किभारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर,भारतीय जनता पार्टी के संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लेकर हम बुथ तक जाएंगे। उन्होंने कहा कि आप सभी के समर्पण, संघर्ष और सेवा भावना से ही राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम का संकल्प साकार हो रहा है।आइए, मिलकर विकसित भारत के निर्माण हेतु संगठन की शक्ति को और मजबूत करें। भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस के अवसर पर हम सब कार्यकर्ता संकल्प लेंगे की पार्टी की मजबूती के लिए हम बुथ स्तर पर जाकर संगठन आत्मक कार्यक्रमों के माध्यम से हम प्रत्येक समाज के हितग्राहियों तक पहुंचकर शासन की योजना का लाभ दिलाएंगे यह हम सब कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। डाक्टर मोहन यादव की भाजपा सरकार संपूर्ण मध्यप्रदेश के विकास के लिए संकल्पित है,,,,,श्री कांत चतुर्वेदी मैहर विधायक- भाजपा स्थापना दिवस पर पार्टी के समर्पित वरिष्ठ जनों का हुआ सम्मान। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला मंत्री जितेंद्र शुक्ला ने एवं सभी का आभार जिला महामंत्री शिव दयाल प्रजापति जी ने किया। इस अवसर पर मैहर जिले के 634 बूथ ,केंद्र पर मनाया गया पार्टी का स्थापना दिवस भाजपा जिला कार्यालय पर पार्टी जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने जी विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ,एवं पार्टी के सभी जनप्रतिनिधियों,पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिले के 12 मंडलों के 634 बूथ केदो पर पार्टी का झंडा अपने घरों पर लगाकर स्थापना दिवस पर संगठन मजबूती बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं आभार जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने जी ने संचालन जिला मंत्री जितेंद्र शुक्ला ने किया। इस अवसर पर जिला संगठन के प्रभारी , प्रभारी मंत्री राधा सिंह,भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य कैलाश गौतम, अरुण द्विवेदी, पूर्व मंत्री राम खेलावन पटेल आदि के साथ जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, सभी मोर्चा के सदस्य पदाधिकारी, मातृशक्ति, बूथ अध्यक्ष,सक्रिय कार्यकर्ता, देव तुल्य भाजपा के श्रेष्ठ जन, जिला मैहर के सभी प्रतिष्ठित महानुभाव, प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार साथी आदि सभी लोगों ने पार्टी स्थापना दिवस , एवं नवीन जिला भाजपा कार्यालय के भूमि पूजन पर अपनी सहभागिता दर्ज की। सभी को इस स्थापना दिवस पर भोजन की भी व्यवस्था की गई। अंत में राष्ट्रगान के माध्यम से कार्यक्रम का समापन किया गया।

श्री राम कथा के नवें दिन श्री राम राज्याभिषेक की मार्मिक कथा का बर्णन किया गया

राम राज बैठे त्रैलोका, हरषित भए गए सब सोका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82

स्थित पॉकेट 7 के सेंट्रल पार्क में आयोजित श्रीराम कथा के नवें दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने कथा के प्रसंग में हनुमान जी राम जी की भेंट, सुग्रीव मित्रता, बाली वध, सीता खोज, लंका दहन, रावण वध और राम राज्याभिषेक आदि प्रसंगों का वर्णन बड़े ही मार्मिक ढंग से किया। इस अवसर पर श्री राम कथा आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी देव मणि शुक्ल ने बताया कि श्रीराम कथा का आज विश्राम दिवस है कल 8 बजे सुबह हवन आरती व्यास विदाई और 10 से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। आप सभी सम्मानित भक्त गण सादर आमंत्रित हैं। इस मौके पर देवमणि शुक्ल, रवि राघव, गोरे लाल, रमेश वर्मा, संजय पांडे, अंगद सिंह तोमर, हरि सिंह, संजय शुक्ला, सिया राम, सत्येन्द्र प्रताप सिंह, सी एल तिवारी,रमेश दास, हंसमणि शुक्ल, विकास शर्मा, राजेश गुप्ता, विश्वनाथ त्रिपाठी, गौरव, रमेश चंद्र शर्मा, विजय कुमार,रविंद्र सिंह, देवेंद्र गुप्ता, बहादुर चौहान, अनूप सिंह, पंकज झा, विजय कुमार झा, मनीष पांडेय, प्रमोद श्रीवास्तव, संगम प्रसाद मिश्रा, उपेंद्र सिंह, अरूण गौड, राजेश कुमार पाठक, सुभाष चन्द्र शर्मा, प्रकाश जोशी, संदीप, सर्वेश तिवारी, दीपक तिवारी, विष्णु शर्मा, संतोष कुमार यादव, रंजीत पटेल, कपिल मुनि पांडेय, नागेश सिंह, अवनीश तिवारी, अनिल कुमार शर्मा, राकेश कुमार, विकास कुमार, जे पी सिंह, बृजेश चंद्र पांडेय, सहित तमाम सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

फैशन और टैलेंट का शानदार संगमः मिस, मर्स एंड किड्स सोनभद्र 2026 के ऑडिशन का सफल आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। एस एम प्रोडक्शन द्वारा आयोजित 'मिस, मर्स ' किड्स कुशलतापूर्वक संभाला और आयोजन को सुचारू रूप से संचालित किया। ऑडिशन के

सोनभद्र 2026' के ऑडिशन का सफल आयोजन 05 अप्रैल 2026 को वात्सल्य वाटिका, रॉबर्ट्सगंज में किया गया। इस भव्य ऑडिशन में जिले भर से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने मॉडलिंग टैलेंट, आत्मविश्वास और स्टेज प्रेज़ेंस का बेहतरीन प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को एक बड़ा मंच प्रदान करना और उन्हें फैशन इंडस्ट्री में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा। इस आयोजन की आयोजक श्रिष्टि मिश्रा (फाउंडर, एस एम प्रोडक्शन) रहीं, जिनके मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। वहीं, कार्यक्रम के मैनेजमेंट हेड अनमोल चतुर्वेदी ने पूरी व्यवस्था को जजमेंट पैनल में प्रतिष्ठित हस्तियों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिनमें शामिल रहेः श्रिष्टि मिश्रा, पियूष पांडेय, अर्चना पाल और मनीष गुप्ता। जजों ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन उनके लुक, कॉन्फिडेंस, कम्युनिकेशन स्किल और स्टेज पर्सनैलिटी के आधार पर किया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने बताया कि यह ऑडिशन आने वाले ग्रैंड फिनाले की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां चुने गए प्रतिभागियों को और बेहतर ग्रूमिंग और ट्रेनिंग दी जाएगी। एस एम प्रोडक्शन का यह प्रयास सोनभद्र के युवाओं और बच्चों को एक नई पहचान देने और उनके सपनों को साकार करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

सेक्टर 82 ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 की समस्याओं को लेकर वरिष्ठ प्रबन्धक को सौंपा पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 की समस्याओं को लेकर

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे वर्क सर्किल 8 के वरिष्ठ प्रबन्धक रोहित सिंह से मिले। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ने समस्याओं से संबंधित पत्र वरिष्ठ प्रबन्धक को सौंपा। राघवेंद्र दुबे ने बताया कि पूरे पॉकेट की नालियां बंद पड़ी हैं और नालियों का पानी बाहर नहीं निकल पा रहा है जिससे फ्लैटों के गिरने का खतरा उत्पन्न हो गया है। नए सिरे से नालियां बनाई जाएं जिससे पानी बाहर नाले में जा सके। प्राधिकरण के फ्लैट जो आवंटित नहीं हुए थे वह जर्जर हो चुके हैं। उनका प्लास्टर पूरी तरह झड़ चुका है और कई फ्लैटों में पीपल उग आए हैं जिससे कभी भी कोई हादसा हो सकता है इसलिए इनकी तुरंत मरम्मत कराने की जरूरत है। ग्रिट वाश जगह जगह टूटने लगी है इसको रिपेयर कराया जाए। गार्ड रूम के बगल में शौचालय बनाने एवं एक पुस्तकालय भवन बनाने की मांग भी की जिससे युवा शिक्षा की ओर उन्मुख हो सकें। वरिष्ठ प्रबन्धक रोहित सिंह ने समस्याओं के जल्द निराकरण का आश्वासन दिया।

आरएसएस के वरिष्ठ कार्यकता कुलदीप तिवारी के घर लूट चोरी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी के चाका ब्लॉक

के चाका गांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यकर्ता को आज शाम को बहुत ही दर्दनाक घटना घटी है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नैनी भाग वरिष्ठ कार्यकता श्री कुलदीप तिवारी को व उनके पत्नी को उनके घर में लूट चोरी को अंजाम देते हुए कुछ अज्ञात लोग बाहर से आए उनको व उनके पत्नी को धार दार हथियार से बहुत ही मार दिए है सिर फट गया है काफी खून निकला है शाम 6 और 7 बजे की घटना है ।अभी इनको फर्स्टेड चाका ब्लॉक से अभी जीवनज्योति हॉस्पिटल आईसीयू में एडमिट किया गया है हालत बहुत गंभीर है. अभी तक पुलिस चोर गिरोह को कुछ नही कर पाई है।

लखनऊ समेत 3 जिलों में बूंदाबांदी ,चलेगी आंधी ,बारिश-ओले का अलर्ट

लखनऊ। यूपी में बेमौसम बारिश का दौर एक हफ्ते से जारी है। मंगलवार सुबह लखनऊ, मेरठ

और गाजियाबाद में रुक-रुक कर बूंदाबांदी हो रही है। नोएडा, आगरा समेत 15 जिलों में बादल छाए हैं। ठंडी हवा चल रही है। मौसम विभाग ने आज 34 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश और ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। कहीं-कहीं 60 किमी की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है। अगले दो दिन यानी 9 अप्रैल तक मौसम बिगड़ा रहेगा। बारिश और तेज हवाओं से प्रदेश के औसत तापमान में 4-5से. की गिरावट हुई है। पिछले 4 दिन की बात करें तो वाराणसी-कानपुर समेत 43 जिलों में बारिश हुई। मथुरा, संभल और जालौन समेत 10 शहरों में ओले गिरे। आंधी-बिजली गिरने से 15 लोगों की मौत हो चुकी है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया-'आज से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। पूरे प्रदेश में आंधी-तूफान के साथ बारिश होगी। ओले भी गिरेंगे। हवा की रफ्तार 60 किमी तक पहुंचेगी। तापमान में 3 से 5 डिग्री तक गिरावट आएगी। कल यानी 8 अप्रैल को पश्चिमी यूपी में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिलेगा। 9 अप्रैल तक मौसम ऐसा ही रहेगा।'

पीसीएस आनंद राज सिंह का माता-पिता के साथ हुआ भव्य स्वागत,नियमित पढ़ाई ही लक्ष्य हासिल करने का है मूलमंत्रः आनंद राज सिंह

मातृ शैक्षणिक संस्थान संत कीनाराम सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल लोढ़ी में हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अपने मातृ शैक्षणिक संस्थान संत कीनाराम सीनियर

सेकण्डरी पब्लिक स्कूल लोढी राबर्टगंज सोनभद्र में सोमवार को आनंद राज सिंह का भव्य स्वागत समारोह आयोजित हुआ। यूपी पीसीएस में 22वां रैंक हासिल करने के उपरान्त आनंद राज का अपने गृह जनपद में जैसे ही आने की खबर लगी । विद्यालय, महाविद्यालय परिवार ने दिल खोलकर अपने होनहार लाल का सम्मान किया । इस पुनीत अवसर पर छात्र-छात्राओं ने अपने गुरूजनों के दिशानिर्देश में आनंद राज के शैक्षणिक संस्थान संत कीनाराम पब्लिक स्कूल राबर्टगंज को फूल, माला, गुब्बारा, पोस्टर, बैनर से दुल्हन की तरह सजाकर स्वागत हेतु आकुल व्याकुल रहे। आनंद राज का जैसे ही अपने माता- पिता के साथ परिसर मे आगमन हुआ छात्र -छात्राओं ने गाजे बाजे के साथ स्वागत किया । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर गोपाल सिंह ने आनंद राज सिंह के साथ उनके माता पिता का भी अंग वस्त्र, माला, फूल और सन्त कीनाराम महाराज की तस्वीर भेंट कर स्वागत किया। आनंद राज सिंह ने कहा कि संत कीनाराम महाराज मेरे साथ रहे हैं । उनका ही आशीष है कि मैं आज सफल होकर आप सबके बीच में आया हूं। मैं दावे के साथ अब कह सकता हूं कि यह विद्यालय जितना कम शुल्क में शिक्षा उपलब्ध करा रहा है । यह एक उदाहरण है । इससे बेहतर संसाधन और शैक्षणिक संस्थान अन्यत्र दुर्लभ है । मेरे रग रग में इस संस्था का अनुशासन और ज्ञान दौड़ रहा है । विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर गोपाल सिंह मेरे गुरू ही नही अभिभावक भी हैं । कभी भी इन्होने पठन पाठन और अनुशासन से समझौता नही किया । सर्वदा इन्होने समस्त छात्र छात्राओ को विद्यार्थी नही अपितु पुत्र पुत्री का स्नेह, प्यार दुलार आशीष दिया है । जिसका जीवन्त उदाहरण मैं स्वयं हूं। आनंद राज ने कहा कि यहां के शिक्षक सचमुच एक सकारात्मक पारिवारिक परिवेश में शिक्षक की भूमिका अदा करते हैं। मेरी आदि से अंत तक पूरी शिक्षा केवल और केवल संत कीनाराम संस्थान से ही हुई है । छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास का यह पूर्वांचल का बडा शैक्षणिक संस्थान है । हमें गर्व महसूस हो रहा है कि हमारे माता पिता ने इस संस्थान की गुणवत्ता भांप कर इस संस्थान से शिक्षा लेने का पुनीत अवसर मुझे प्रदान किया । मै विद्यालय, महाविद्यालय परिवार के लिए आभार व्यक्त करता हूं। छात्र-छात्राओं से निवेदन है कि अध्ययन काल में एकाग्र मन से पढाई करें। सफलतापूर्वक की गयी पढाई सफलता ही देती है। नियमित रूप से 8 से 10 घंटे की पढ़ाई आपको आपका लक्ष्य हासिल करने का मूल मंत्र है। स्थायी सफलता कभी भी शार्टकट नही होती है । त्याग, तपस्या ही सफलता का मूल कारण है । समुचित अध्ययन समुचित मार्ग प्रशस्त करता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर गोपाल सिंह ने कहा कि मेरा हमेंशा से यहीं प्रयास रहा है कि छात्र- छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो । यह उद्देश्य दिन प्रतिदिन सफल हो भी रहा है। इस अवसर पर सन्त कीनाराम सीनियर सेकण्डरी पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य मनुश्री , निदेशक अंकित सिंह सहित समस्त छात्र-छात्राएं, शिक्षक व अभिभावक उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त ने अस्थायी गौ आश्रय स्थल रॉबर्ट्सगंज का किये औचक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मण्डलायुक्त श्री राजेश प्रकाश ने आज नगर पालिका स्थित

अस्थायी गौ आश्रय स्थल रावर्टसगंज केंद्र का औचक निरीक्षण किये निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्थायी गौ आश्रय स्थल रावर्टसगंज में व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किये तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मण्डलायुक्त/नोडल अधिकारी ने कहा कि गौशाला में संरक्षित पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में चारा, भूसा और स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण तथा शेड की स्थिति के सम्बन्ध में भी नोडल अधिकारी ने जानकारी ली गौ आश्रय स्थल में पशुओं के लिए की गयी व्यस्था पर उन्होने संतुष्टी व्यक्त की। इस दौरान उन्होने कहा कि संबंधित अधिकारी को गौशाला का नियमित रूप से निरीक्षण करें और व्यवस्थाओं की सतत निगरानी रखे। मण्डलायुक्त ने यह भी कहा कि पशुओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सभी आवश्यक संसाधनों का समुचित उपयोग किया जाए, इस मौके पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अजय कुमार मिश्रा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक रमेश चन्द्र, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मुकेश कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा स्थापना वर्ष गांठ पर काव्य संध्या में हुआ राष्ट्र वंदन

देश विरोधी हर ताकत की हस्ती हमें मिटानी है, जिस इंसान का खून न खौला खून नहीं वह पानी है,,, कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। इमिरती कालोनी राबर्ट्सगंज में भाजपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा कमलेश सिंह खांबे के आवास पर उनके आयोजकत्व में सोमवार को भाजपा बर्ष गांठ के उपलक्ष्य में काव्य संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें कवियों ने राष्ट्र वंदन कर एक से बढ़कर एक वीर रस, हास्य, श्रृंगार, ओज राष्ट्र वाद, गीत, गजल, छंद, नज्म सुनाकर वाहवाही लूटते रहे। मुख्य अतिथि पूर्व जिला भाजपाध्यक्ष डॉक्टर धर्मवीर तिवारी व अन्य भाजपा नेताओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर भारत भारती के चित्र पर माल्यार्पण किया। विधिवत कार्यक्रम का आगाज सुशील मिश्रा अध्यक्ष सोन संगीत फाउंडेशन के वाणी वंदना, माई सारद अइली तोहरे दुअरिया, लेतू आ खबरिया हो से वातावरण सृजित हुआ। ओज राष्ट्र वाद की प्रखर कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने, देश विरोधी हर ताकत की हस्ती हमें मिटानी है, जिस इंसान का खून न खौला खून नहीं वह पानी है सुनाकर महफ़िल में शमां रौशन की और राष्ट्र वंदन कर आयोजन में चार चांद लगाया। शहीद स्थल करारी प्रमुख प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने अपनी कालजयी रचना, वंदेमातरम वंदेमातरम वंदेमातरम बानी, पहिरि केसरिया झूलले फांसी नाहर हिंदुस्तानी सुनाकर वाहवाही लूटी और लोगों में देशभक्ति का जोश भर दिया। अटल जी को समर्पित रचना फूल से भी कोमल पाहन से सख्त थे अंतः करण विशुद्ध था भारत के भक्त थे देते रहे आहुति इस हवन कुंड में शेखर सुभाष बिस्मिल भगत सिंह के रक्त थे सुनाकर श्रद्धांजलि दी।आयोजन की अध्यक्षता करते हुए शायर अशोक तिवारी एडवोकेट ने अटल जी को समर्पित बेहतरीन रचना, दिल में हिंदोस्तान रखता था पांव जमींन में सर पे आसमान रखता था, अंधेरों के बढते हुए सन्नाटे में, वो एक शख्श था जो मुंह में जुबान रखता था । सुनाकर वाहवाही लूटी सराहे गये। सफल संचालन करते हुए राष्ट्र वाद के प्रहरी प्रभात सिंह चंदेल ने, जय जगत जननी जन्म भू धन्य वीर वसुंधरा,तन प्राण है तुझपर निछावर और यह जीवन मेरा सुनाकर देर तक जय हिंद का उद्घोष कराते रहे। गीतकार धर्मेश चौहान एडवोकेट ने, उन वीर सपूतों को हमारा कोटि कोटि नमन, जिनका जीवन सिर्फ त्याग और बलिदान के लिए सुनाकर आयोजन को गतिज उर्जा दी सराहे गये। सुनील चौचक ने हास्य व्यंग्य की रचना, जेबा कटि गैल थाने में सुनाकर लोगों को खूब हंसाते रहे। बासी भात पर बेना जिनि हौंका,बनल बाप के बिगरल बेटवा एतना मति फौंका ,तंज कसकर लोगों को खूब रिझाया। लोकभाषा कवि दयानंद दयालू ने पर्यावरण पर उजड़ल जाता बाग बगैचा लागै सूना सूना सुनाकर लोगों को सोचने पर विवस कर पर्यावरण के प्रति सचेत किया। नवगीतकार दिलीप सिंह दीपक ने, वीर शहीदों को समर्पित रचना बुजुर्गों ने लहू देकर रक्खी है आबरू इसकी तो वहीं विवेक चतुर्वेदी शायर ने समझते हो अगर कमजोर हमको, चलो फिर जंग हो जाये दुबारा सुनाकर भारत माता के विरुद्ध सोंच रखने वालों को ललकारा सराहना पाई। सभी कवियों का सारस्वत अभिनंदन किया गया।आयोजक कमलेश सिंह खांबे ने आभार व्यक्त करते हुए अनेक शेर ओ शायरी सुनाकर आयोजन को शिर्ष पर पहुंचाया तो वहीं मुख्य अतिथि डा, धर्मवीर तिवारी एडवोकेट पूर्व जिला भाजपाध्यक्ष ने सभी कवियों की रचना को साधकों की साधना से देश वंदना का पुष्प निरंतर पल्लवित पुष्पित हो इस संकल्प के साथ भारतीय जनता पार्टी के वर्ष गांठ पर सबको बधाई देते हुए सम सामयिक चिंतन वक्तव्य देकर आयोजन को विराम दिया गया। इस अवसर पर लालता प्रसाद मिश्र, दिलीप चौबे, ऋषभ, हर्ष, अनीशा, जयशंकर त्रिपाठी एडवोकेट, देवानंद पांडेय, गुलाम हुसैन, शिवम आदि लोग रहे।

बीजेपी 47वां स्थापना दिवस लक्ष्मी बाई महाविद्यालय धूमधाम व हर्षोउलास के साथ मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस घोरावल विधानसभा के मधुपुर मंडल के रानी लक्ष्मी बाई महाविद्यालय मधुपुर में बड़े धूमधाम व हर्षोउलास के साथ मनाया गया कार्यक्रम में बतारौ मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश दुबे मौजूद रहे कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय व डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्र पर मुख्य अतिथि ओमप्रकाश दुबे विशिष्ट अतीत किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष यादवेन्द्र द्विवेदी प्रधान संघ अध्यक्ष रावटसगंज सुरेश शुक्ला ग्राम प्रधान मधुपुर प्रवीण पटेल किसान मोर्चा के महामंत्री नरसिंह पटेल ने पुष्प अर्पित कर किया कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान मोर्चा के जिला महामंत्री नरसिंह पटेल व संचालन मधुपुर के पूर्व मंडल अध्यक्ष उमाशंकर सिंह ने किया तत्पश्चात एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश दुबे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है जो भारत को एक सुदृढ़, समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए कृतसंकल्प है। भारत को एक समर्थ राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ भाजपा का गठन 6 अप्रैल, 1980 को नई दिल्ली के कोटला मैदान में आयोजित एक कार्यकर्ता अधिवेशन में किया गया, जिसके प्रथम अध्यक्ष श्री अटल बिहारी वाजपेयी निर्वाचित हुए। अपनी स्थापना के साथ ही भाजपा ने अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं लोकहित के विषयों पर मुखर रहते हुए भारतीय लोकतंत्र में अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज की तथा भारतीय राजनीति को नए आयाम दिए। कांग्रेस की एकाधिकार वाली एक-दलीय लोकतान्त्रिक व्यवस्था के रूप में जानी जाने वाली भारतीय राजनीति को भारतीय जनता पार्टी ने दो ध्रुवीय बनाकर एक गठबंधन-युग के सूत्रपात में अग्रणी भूमिका निभाई है। देश में विकास आधारित राजनीति की नींव भी भाजपा ने विभिन्न राज्यों में सत्ता में आने के बाद तथा पूरे देश में भाजपा नीत राजग शासन के दौरान रखी। आज तीन दशक बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसी एक पार्टी को देश की जनता ने पूर्ण बहुमत दिया है तथा भारी बहुमत से भाजपा राजग सरकार केन्द्र में विद्यमान है। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष यादवेंद्र द्विवेदी व प्रधान संघ अध्यक्ष सुरेश शुक्ला ने कहा कि-हालांकि भारतीय जनता पार्टी का गठन 6 अप्रैल, 1980 को हुआ, परन्तु इसका इतिहास भारतीय जनसंघ से जुड़ा हुआ है। स्वतंत्रता प्राप्ति तथा देश विभाजन के साथ ही देश में एक नई राजनीतिक

परिस्थिति उत्पन्न हुई। गांधीजी की हत्या के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाकर देश में एक नया राजनीतिक षड्यंत्र रचा जाने लगा। सरदार पटेल के देहावसान के पश्चात् कांग्रेस में नेहरू का अधिनायकवाद प्रबल होने लगा। गांधी और पटेल दोनों के ही नहीं रहने के कारण कांग्रेस 'नेहरूवाद' की चपेट में आ गई तथा अल्पसंख्यक तुष्टिकरण, लाइसेंस-परमिट-कोटा राज, राष्ट्रीय सुरक्षा पर लापरवाही, राष्ट्रीय मसलों जैसे कश्मीर आदि पर घुटनाटेक नीति, अंतर्राष्ट्रीय मामलों में भारतीय हितों की अनदेखी आदि अनेक विषय देश में राष्ट्रवादी नागरिकों को उद्विग्न करने लगे। 'नेहरूवाद' तथा पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर भारत के चुप रहने से क्षुब्ध होकर डॉ श्यामा प्रसाद मुकर्जी ने नेहरु मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। इधर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ स्वयंसेवकों ने भी प्रतिबंध के दंश को झेलते हुए महसूस किया कि संघ के राजनीतिक क्षेत्र से सिद्धांततः दूरी बनाये रखने के कारण वे अलग-थलग तो पड़े ही, साथ ही संघ को राजनीतिक तौर पर निशाना बनाया जा रहा था। ऐसी परिस्थिति में एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल की आवश्यकता देश में महसूस की जाने लगी। फलतः भारतीय जनसंघ की स्थापना 21 अक्टूबर, 1951 को डॉ श्यामा प्रसाद मुकर्जी की अध्यक्षता में दिल्ली के राघोमल आर्य कन्या उच्च विद्यालय में हुई। भारतीय जनसंघ ने डॉ श्यामा प्रसाद मुकर्जी के नेतृत्व में कश्मीर एवं राष्ट्रीय अखंडता के मुद्दे पर आंदोलन छेड़ा तथा कश्मीर को किसी भी प्रकार का विशेषाधिकार देने का विरोध किया। नेहरू के अधिनायकवादी रवैये के फलस्वरूप डॉ श्यामा प्रसाद मुकर्जी को कश्मीर की जेल में डाल दिया गया, जहां उनकी रहस्यपूर्ण स्थिति में मृत्यु हो गई। एक नई पार्टी को सशक्त बनाने का कार्य पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के कंधों पर आ गया। भारत-चीन युद्ध में भी भारतीय जनसंघ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा राष्ट्रीय सुरक्षा पर नेहरू की नीतियों का डटकर विरोध किया। 1967 में पहली बार भारतीय जनसंघ एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नेतृत्व में भारतीय राजनीति पर लम्बे समय से बरकरार कांग्रेस का एकाधिकार टूटा, जिससे कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की पराजय हुई। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए किसान मोर्चा के जिला महामंत्री नरसिंह पटेल ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिला मंत्री सुनील सिंह जिला कर समिति सदस्य अनूप तिवारी किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पटेल पूर्व मंडल अध्यक्ष सुनील पटेल पूर्व मंडल महामंत्री छात्र बिना श्रीवास्तव के पूर्व अध्यक्ष पूर्व जिला उपाध्यक्ष क्रांति परिषद के सदस्य इंद्र बहादुर सिंह किसान मोर्चा के जिला मंत्री अभय दुबे रामलाल चौहान प्रेम प्रकाश प्रजापति सतीश मिश्रा पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह सरदार परमेश्वर केसरी राजकुमार पटेल व मिश्रा अवधेश मिश्रा रामकरण कॉल राम प्रवेश यादव आशीष सिंह सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

ChatGPT की सलाह ने पहुंचाया अस्पताल,एआई से कभी न लें हेल्थ एडवाइज, इन तरीकों से पाएं सही हेल्थ इंफॉर्मेशन

डर, उम्मीद या झटपट इलाज का वादा। कमी रेगुलेशन की है, कोई भी कुछ भी पोस्ट कर सकता है। इको चैंबर्स में लोग सिर्फ अपनी मान्यताओं वाली पोस्ट्स देखते हैं, जिससे गलत जानकारी बढ़ती है। साइंस को समझना जटिल होता है, इसलिए लोग आसान लगने वाली गलत टिप्स पर भरोसा कर लेते हैं। सवालः किन सोर्सेस पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पर भरोसा नहीं करना चाहिए? जवाबः कई सोर्स ऐसे हो सकते हैं, जहां से गलत जानकारी मिल सकती है।

जैसे-सोशल मीडियाः फेसबुक, इंस्टाग्राम या टिकटॉक पर वायरल पोस्ट्स अक्सर बिना किसी सबूत के लिखे गए होते हैं। इनके ऊपर भरोसा न करें। पर्सनल ब्लॉग्स या अनजान वेबसाइट्सः अगर लेखक कोई एक्सपर्ट नहीं है, तो भरोसा न करें। इस बात का भी ख्याल रखें कि हर किसी की हेल्थ कंडीशन अलग होती है तो उसके लिए अलग ट्रीटमेंट की जरूरत होती है। एप्स या एआई चैटबॉट्सः ChatGPT, उेदव्ुआई जैसे चैटबॉट्स सेव किए गए डेटा के आधार पर सामान्य जानकारी देते हैं, ये व्यक्तिगत हेल्थ एडवाइज नहीं देते हैं। प्रोडक्ट सेलिंग साइट्सः जो कंपनियां कोई दवा या सप्लीमेंट बेच रही हैं, वे इनके फायदे बढ़ा-चढ़ाकर बताती हैं। टेस्टिमोनियल्सः किसी की पर्सनल स्टोरी मददगार हो सकती है, लेकिन सबके लिए लागू नहीं होती है। सवालः स्वास्थ्य मिसइनफॉर्मेशन कैसे पहचानें? जवाबः कुछ संकेत हैं- अगर कोई 'मिरेकल क्योर' या झटपट इलाज का वादा करे, जैसे 'यह जड़ी-बूटी सब बीमारियां ठीक कर देगी'। लेखक की क्रेडेंशियल्स चेक करें- क्या वे डॉक्टर या रिसर्चर हैं? सबूत देखें- क्या रेफरेंस हैं पीयर-रिव्यूड स्टडीज के है। डर या इमोशनल भाषा वाले कंटेंट से सावधान रहें। अगर कोई जानकारी एकतरफा है। उसमें कोई साइड इफेक्ट या रिस्क नहीं बताया गया है तो शक करें। हमेशा जानकारी को कई सोर्सेस से क्रॉस चेक करें। सवालः भरोसेमंद स्वास्थ्य जानकारी जुटाने के तरीके क्या हैं? जवाबः सही जानकारी के लिए ऑथेंटिक सोर्सेस चुनें। जैसे- गवर्नमेंट वेबसाइट्सः भारत में आयुष मंत्रालय, डब्लूएचओ या सीडीसी की साइट्स। मेडिकल ऑर्गनाइजेशंसः अपोलो, मेयो क्लिनिक या इंडियन मेडिकल एसोसिएशन। पीयर-रिव्यूड जर्नल्सः जैसे लैंसेट या एनल्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन। डॉक्टर से बात करेंः हमेशा पर्सनल एडवाइज के लिए डॉक्टर से मिलें।

मेडलाइन प्लस या NIH जैसी साइट्सः वे अपडेटेड और रिसर्च बेस्ड होती हैं। डॉ. अजय नायर कहते हैं, वेबसाइट का यूआरएल चेक करें- .gov Uee .edu वाली ज्यादा भरोसेमंद होती हैं। इस बात का ख्याल जरूर रखिए कि ये पर्सनलाइज्ड हेल्थ एडवाइज नहीं है। सवालः वेबसाइट की विश्वसनीयता कैसे चेक करें?

जवाबः देखें कि 'अबाउट अस' सेक्शन कौन चला रहा है। इसका उद्देश्य क्या है? लेखक कौन है- एक्सपर्ट या नहीं? जानकारी कब अपडेट हुई? प्राइवेसी पॉलिसी चेक करें- आपका डेटा सेफ है? अगर विज्ञापन हैं, तो क्या वे जानकारी से अलग हैं? कुकीज के बारे में पढ़ें। अगर साइट प्रोडक्ट बेच रही है, तो सावधान रहें। कॉन्टैक्ट की जानकारी होनी चाहिए- ईमेल या फोन। सवालः सोशल मीडिया या एप्स से स्वास्थ्य जानकारी लेते समय क्या सावधानियां बरतें?

जवाबः सोशल मीडिया पर पोस्ट फ्रेंड से हो तो भी चेक करें- ओरिजिनल सोर्स क्या है? फैक्ट-चेकिंग साइट्स जैसे स्नोप्स इस्तेमाल करें। एप्स डाउनलोड करने से पहले देखें- कौन बनाया है, रिव्यूज क्या हैं? अगर एप पर्सनल डेटा मांगती है, तो सोचें- जरूरी है? हमेशा डॉक्टर से कन्फर्म करें। पब्लिक वाई-फाई पर संवेदनशील जानकारी न शेयर करें।सवालः अगर स्वास्थ्य जानकारी गलत निकली तो क्या करें? जवाबः अगर कोई सलाह से नुकसान हुआ, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें। मिसइनफॉर्मेशन रिपोर्ट करें- सोशल मीडिया पर फ्लैग करें या डब्लूएचओ जैसी एजेंसी को बताएं। खुद को दोष न दें, बल्कि सीख लें। परिवार और दोस्तों को जागरूक करें। भारत में साइबर फ्रॉड के लिए हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें अगर कोई स्कैम हो। सवालः बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य संबंधी जानकारी कैसे सेफ रखें? जवाबः बुजुर्ग अक्सर ऑनलाइन स्कैम का शिकार होते हैं। उन्हें सिखाएं- अनजान लिंक्स न खोलें, स्ट्रॉन्ग पासवर्ड यूज करें, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन ऑन रखें। हेल्थ बुक या न्यूज पढ़ते समय सोर्स चेक करें। डॉक्टर से रेगुलर चेकअप करवाएं। अगर कोई स्कैम लगे तो पुलिस की साइबर सेल में रिपोर्ट करें। सवालः हेल्थ एडवाइज लेने का सबसे अच्छा तरीका क्या है? जवाबः सबसे अच्छा है डॉक्टर या हेल्थकेयर प्रोफेशनल से मिलना। वे आपकी उम्र, हिस्ट्री और स्थिति देखकर सलाह देते हैं। ऑनलाइन जानकारी सिर्फ शुरुआत के लिए इस्तेमाल करें, फैसले के लिए नहीं। किताबें पढ़ें लेकिन अपडेटेड और रिव्यूड किताबें पढ़ें। हेल्थ एप्स यूज करें लेकिन ट्रस्टेड ऑर्गनाइजेशंस वाले ऐप यूज करें। याद रखें, कोई भी जानकारी डॉक्टर की जगह नहीं ले सकती है।हमें सीखना चाहिए कि हमारी हेल्थ कोई खेल नहीं है। AI या इंटरनेट सलाह से पहले सोचें, चेक करें और डॉक्टर से पूछें। सही जानकारी से ही स्वस्थ जीवन संभव है। अगर परिवार में कोई गलत टिप्स फॉलो कर रहा है तो उन्हें तुरंत रोकें।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप- प्रीति, प्रिया और अरुंधति फाइनल में पहुंचीं

निखत जरीन और लवलीना टूर्नामेंट से बाहर

उलानबटोर। मंगोलिया के उलानबटोर में चल रही

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के लिए सोमवार का दिन मिला-जुला रहा। प्रीति पवार, प्रिया और अरुंधति चौधरी ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बना ली है। अब तक भारत की चार मुक्केबाज फाइनल में पहुंच चुकी हैं। प्रीति पवार ने पेरिस ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट को एकतरफा मुकाबले में हराकर गोल्ड मेडल की उम्मीद मजबूत कर दी है। वहीं, निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा, जिससे उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा। 54 किग्रा वेट कैटेगिरी में प्रीति पवार ने पेरिस ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट कोरिया की एजी इम को 5-0 से हराया। वर्ल्ड बॉक्सिंग कप की गोल्ड मेडलिस्ट प्रीति ने तीनों राउंड में अपना नियंत्रण बनाए रखा और विपक्षी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। अब फाइनल में उनका मुकाबला चीनी ताइपे की हुवांग हिसयाओ-वेन से होगा, जो तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन और टोक्यो ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। 60 किलोग्राम वेट कैटगिरी में प्रिया ने स्थानीय खिलाड़ी मंगोलिया की नामून मोंखोर को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। अब वे फाइनल में उत्तर कोरिया की उन ग्योंग वॉन से भिड़ेंगी। वहीं, 70 किलोग्राम कैटेगरी में अरुंधति चौधरी ने उज्बेकिस्तान की ओयशा तोइरोवा को 4-1 से हराया। फाइनल में उनका सामना कजाकिस्तान की बाकित सेदिश से होगा। निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन को ब्रॉन्ज मेडल से संतुष्ट होना पड़ा। उन्हें सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। 51 किग्रा वेट में निखत जरीन को मौजूदा ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट चीन की वू यू ने 5-0 से हराया।

वू यू इस समय दुनिया की सबसे आक्रामक मुक्केबाजों में से एक मानी जाती हैं। वहीं,75 किलोग्राम कैटेगरी में लवलीना बोरगोहेन को उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा ने 5-0 से मात दी। इसके अलावा 80 किग्रा वेट में अनुभवी पूजा रानी भी कजाकिस्तान की नादेज्दा रयाबेट्स से हारकर बाहर हो गईं।

बिजली कटने से अंकुशिता बोरो को अंकों के आधार पर हार मिली 65 किलोग्राम वेट में अंकुशिता बोरो और चीनी ताइपे की निएन-चिन चेन के बीच मैच के दौरान पहले राउंड के बाद बिजली गुल हो गई। काफी देर तक बाधा रहने के कारण मैच का फैसला पॉइंट्स के आधार पर किया गया, जिसमें अंकुशिता को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। आज दो कैटेगिरी का सेमीफाइनल चैंपियनशिप के अगले दौर में 7 अप्रैल को भारत की दो और मुक्केबाज (48किग्रा और 57किग्रा कैटेगरी) अपने सेमीफाइनल मुकाबले खेलेंगी।

बास्केटबॉल चैम्पियन का 'कैंडी' सीक्रेट,मिलन शॉट से पहले दिमाग में दोहराते हैं 'जेलीबीन', ओवरथिंकिंग दूर करने का मिला अचूक फॉर्मूला

आयोवा। बड़े मैचों के दबाव में अक्सर दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों का दिमाग भी सुन्न पड़

जाता है। ऐसे में वे अपने ही खेल पर शक करने लगते हैं। अमेरिका के कॉलेज बास्केटबॉल टूर्नामेंट में इस साल के सर्वश्रेष्ठ 3-पॉइंट शूटर मिलन मोमसिलोविक भी इसी ओवरथिंकिंग का शिकार हो रहे थे। लेकिन इस 6 फीट 8 इंच लंबे स्नाइपर ने अपने दिमाग को शांत करने का एक बेहद अजीब, लेकिन 100फीसदी अचूक तरीका खोज निकाला है। यह तरीका है एक शब्द 'जेलीबीन'। आयोवा स्टेट के मिलन इस वक्त डिवीजन-1 कॉलेज बास्केटबॉल के सबसे सटीक शूटर हैं। लेकिन एक वक्त था जब हर शॉट से पहले उनका आत्मविश्वास डगमगा जाता था। मिलन बताते हैं, 'मुझे हमेशा लगता था कि मेरे शॉट में कुछ कमी है। शायद गेंद का आर्क सही नहीं है या मैं सही तरीके से थ्रो नहीं कर रहा हूं।' लगातार गिरते कॉन्फिडेंस को बचाने के लिए उन्होंने एक मशहूर स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट डॉ. मैथ्यू मायरविक से संपर्क किया। डॉ. मैथ्यू ने उन्हें एक बेहद आसान मनोवैज्ञानिक तरकीब बताई- 'थ्रो करने से ठीक पहले दिमाग में किसी एक चीज, खासकर किसी खाने की चीज का नाम सोचो।' मिलन ने इसके लिए 'जेलीबीन' शब्द चुना। वे कहते हैं, 'शायद यह शब्द बोलने में थोड़ा लंबा है, इसलिए मैंने इसे चुना। मजेदार बात यह है कि जेलीबीन मेरी फेवरेट कैंडी भी नहीं है।' मिलन यह शब्द जोर से नहीं बोलते, शॉट लेने से ठीक पहले वे इसे बस अपने दिमाग में दोहराते हैं। यह टेक्निक उनके दिमाग में आने वाले नकारात्मक ख्यालों को ब्लॉक कर देती है, जिससे उनका फोकस सिर्फ थ्रो पर रहता है। जैसे ही दिमाग ओवरथिंकिंग करना बंद करता है, शरीर की 'मसल मेमोरी' अपना काम बिल्कुल सटीक तरीके से करने लगती है। यह तकनीक खिलाड़ी का ध्यान नतीजे से हटाकर प्रोसेस पर ले आती है। आयोवा स्टेट के हेड कोच टीजे ओत्जेल्बर्गर इस बदलाव से बेहद खुश हैं। उनका कहना है, 'पहले अगर वह एक-दो शॉट मिस करता था, तो अगला शॉट लेने से डरने लगता था। लेकिन अब उसका माइंडसेट बदल गया है। अब वह सिर्फ अपनी कोशिशों पर फोकस करता है, नतीजों पर नहीं।' इस एक शब्द ने मिलन के खेल को पूरी तरह बदल दिया है। वे इस सीजन में 49.3फीसदी की सटीकता से 3-पॉइंट्स स्कोर कर रहे हैं, जो पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा है। उन्होंने अब तक 134 थ्री-पॉइंटर्स दागे हैं, जो किसी भी अन्य खिलाड़ी से अधिक है। वे 17.2 पॉइंट्स प्रति मैच के औसत के साथ अपनी टीम के टॉप स्कोरर बन गए हैं।

ललित मोदी का बीसीसीआई पर आरोप,आईपीएल में हर सीजन 2,400 करोड़ का नुकसान

नयी दिल्ली। आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ने कहा कि मौजूदा आईपीएल फॉर्मेट से बीसीसीआई और फ्रेंचाइजी को हर सीजन करीब 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान हो

रहा है। उनके मुताबिक, कम मैच इसकी सबसे बड़ी वजह है। उन्होंने कहा, यह वो नहीं जो हमने बेचा था। उन्होंने स्पोर्ट्स स्टार के इंटरव्यू में कहा, शुरू में हर टीम को एक-दूसरे से दो बार खेलने का प्लान था। 2022 में 10 टीम होने पर 90 लीग मैच और चार नॉकआउट मैच होते। हालांकि, आईपीएल ने होम-एंड-अवे सिस्टम बदलकर 74 मैच ही रखे। इससे फ्रेंचाइजियों को नुकसान हो रहा है। यह वो नहीं जो हमने बेचा था। उन्होंने कहा, हर मैच के लिए बीसीसीआई को 50फीसदी और बाकी 50फीसदी टीमों में बांटा जाता है। इससे टीमों को 20 मैचों का नुकसान हो रहा है।

होम-एंड-अवे फॉर्मेट में छिपी है असली वैल्यू उन्होंने स्पोर्ट्सस्टार से कहा, आईपीएल की असली वैल्यू होम-एंड-अवे फॉर्मेट में है। अगर कैलेंडर में मैचों की जगह नहीं थी, तो टीमों की संख्या नहीं बढ़ानी चाहिए थी। उन्होंने कहा, हमने आईपीएल इस तरह नहीं बेचा था। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सभी टीमों ने इस बदलाव पर सहमति दी थी और कहा कि ऐसा नहीं हुआ होगा। 94 मैच होते तो बढ़ती कमाई उन्होंने कहा, अगर होम-एंड-अवे फॉर्मेट में 94 मैच होते और हर मैच की कीमत 118 करोड़ रुपए होती, तो मीडिया राइट्स से 2,400 करोड़ रुपए की अतिरिक्त कमाई होती। यानी बीसीसीआई को 2,400 करोड़ रुपए का अतिरिक्त रेवेन्यू मिलता। इसमें 1,200 करोड़ रुपए 10 टीमों को मिलते, हर टीम को 120 करोड़ रुपए, और टीमों की वैल्यू बढ़ती। आईपीएल के तीसरे सीजन में सस्पेंड हुए ललित मोदी को 2010 में आईपीएल के तीसरे सीजन के फाइनल के तुरंत बाद बीसीसीआई ने सस्पेंड कर दिया। उसी साल अंडरवर्ल्ड से धमकियों का हवाला देते हुए वे भारत छोड़कर लंदन चले गए। बाद में प्रवर्तन निदेशालय ने उनके खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया और उनका पासपोर्ट भी रद्द कर दिया गया।तब से ललित मोदी लंदन में रह रहे हैं। उनके खिलाफ आईपीएल में खिलाड़ियों की बोली में हेराफेरी, मनी लॉन्ड्रिंग और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के उल्लंघन के मामले चल रहे हैं।

हाई हील्स से टेढ़े हो सकते हैं पैर,दुनिया के 23फीसदी लोगों को बूनियन डिजीज

नयी दिल्ली। बूनियन पैरों की एक कॉमन समस्या है, जिसमें पैर के अंगूठे के पास हड्डी जैसा उभार आ जाता है। अंगूठा उंगलियों की तरफ मुड़ जाता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, पूरी दुनिया में लगभग 23फीसदी एडल्ट्स को यह समस्या है। महिलाओं में यह खतरा पुरुषों की अपेक्षा 2 से 10 गुना ज्यादा होता है। टाइट और पॉइंटेड शूज, खासकर हाई हील्स पहनने से पैरों पर दबाव पड़ता है। अगर समय पर ध्यान न दिया जाए, तो यह दर्दनाक हो सकता है। चलने में तकलीफ, जूते पहनने में परेशानी और यहां तक कि आस्टियोआर्थराइटिस भी हो सकता है। बूनियन कोई नई समस्या नहीं है। यह जेनेटिक कारणों से भी हो सकता है या फिर गलत जूते-चप्पल पहनने से हो सकता है। हालांकि, सही जूते चुनकर, एक्सरसाइज करके और डॉक्टर की सलाह से इसे मैनेज किया जा सकता है। आज बूनियन डिजीज के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- बूनियन क्या है और इसे कैसे पहचानें? यह क्यों होता है और इसके खतरे क्या हैं? इसे कैसे मैनेज करें और कैसे इलाज करें? बूनियन क्या है? बूनियन पैर के बड़े अंगूठे के जोड़ पर होने वाला एक उभार है। यह हड्डी की गांठ जैसा बन जाता है, जो पैर के अंदर की तरफ बढ़ता है। मेडिसिन की भाषा में इसे हेलक्स वैल्गस भी कहते हैं। अंगूठे पर बूनियन सबसे कॉमन है। इसमें अंगूठे के आधार पर उभार हो जाता है। हालांकि, बूनियन सिर्फ अंगूठे में नहीं, छोटी उंगली में भी हो सकता है। यह जन्म से, टीनएज में या उम्र बढ़ने पर धीरे-धीरे विकसित होता है। बूनियनेटः छोटी उंगली के आधार पर, टाइट जूतों से। कॉन्जेनाइटल बूनियनः जन्म से ही बच्चों में।जुवेनाइल बूनियनः 18 साल से कम उम्र में। बूनियन को कैसे पहचानेंगे? बूनियन की शुरुआत धीमी होती है। पहले तो बस हल्का उभार नजर आता है, लेकिन धीरे-धीरे दर्द बढ़ता जाता है। अगर आपका बड़ा अंगूठा दूसरी उंगलियों की तरफ मुड़ रहा है, या जूते पहनने पर रगड़ लगती है, तो सावधान हो जाएं। कई लोग सोचते हैं कि यह बस थकान है, लेकिन असल में यह बूनियन का संकेत हो सकता है। लक्षणों को

X-ray | Bunion Deformity

इग्नोर न करें, क्योंकि समय के साथ यह बदतर हो जाता है। चलने में लंगड़ाहट आ सकती है, या पैर सुन्न पड़ सकते हैं। महिलाएं ज्यादा प्रभावित होती हैं, क्योंकि फैशन के चक्कर में वे असुविधाजनक जूते चुनती हैं। एक दोस्त ने बताया कि उसकी मां को हाई हील्स की वजह से इतना दर्द हुआ कि वे घर पर भी चप्पल नहीं पहन पाती थीं। बूनियन कोई एक वजह से नहीं होता। कई फैक्टर मिलकर इसे ट्रिगर करते हैं। सबसे बड़ी वजह है गलत जूते। हाई हील्स या नुकीले टिप वाले शूज पैरों पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं, जिससे अंगूठा अपनी जगह से हट जाता है। जेनेटिक्स भी रोल प्ले करता है- अगर परिवार में किसी को है, तो आपको भी हो सकता है। इसके अलावा, पैर की बनावट, जैसे फ्लैट फुट या हाई आर्च, खतरा बढ़ाते हैं। गठिया जैसी बीमारियां, चोट लगना या ज्यादा देर खड़े रहना भी कारण बन सकता है। महिलाओं में हॉर्मोनल बदलाव, जैसे प्रेग्नेंसी, इसे और खराब कर देते हैं। एक स्टडी कहती है कि 70इ से ज्यादा मामलों में फैमिली हिस्ट्री जुड़ी होती है। सो, अगर आपका वजन ज्यादा है या काम ऐसा है कि पैरों पर जोर पड़ता है, तो सतर्क रहें। अगर बूनियन का इलाज न किया जाए, तो यह सिर्फ दर्द तक सीमित नहीं रहता। यह बर्साइटिस का कारण बन सकता है, जिसमें जोड़ों के आसपास सूजन आ जाती है। हैमर-टो की समस्या हो सकती है, जहां उंगलियां मुड़ जाती हैं। लंबे समय में आस्टियोआर्थराइटिस हो सकता है, जो जोड़ों को कमजोर कर देता है। चलना-फिरना मुश्किल हो जाता है, और रोजमर्रा के काम प्रभावित होते हैं। कुछ मामलों में पैर सुन्न पड़ जाते हैं या इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए, शुरू में ही डॉक्टर से मिलें। मेरी सलाह है कि दर्द को नजरअंदाज न करें, क्योंकि बाद में सर्जरी की नौबत आ सकती है। डॉक्टर पहले पैर की जांच करते हैं। वे उभार देखते हैं, दर्द पूछते हैं और चलने का तरीका चेक करते हैं। अगर जरूरी हो, तो एक्स-रे करवाते हैं, जो हड्डियों की एलाइन्मेंट दिखाता है। किसी पोडियाट्रिस्ट से मिलना अच्छा रहता है। वे बताते हैं कि समस्या कितनी गंभीर है। ज्यादातर मामलों में सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। शुरू में लाइफस्टाइल बदलाव से ही कंट्रोल हो जाता है। सबसे पहले जूते बदलें- चौड़े और आरामदायक शूज चुनें, जिनमें टो बॉक्स बड़ा हो। बूनियन पैड्स या टेपिंग से दबाव कम करें। दर्द कम करने के लिए डॉक्टर से पूछकर पेन किलर ले सकते हैं। बर्फ से सिंकाई करें, इससे सूजन कम होती है। ऑर्थोटिक्स (शू इंसर्ट) पैरों को सपोर्ट देते हैं। फिजिकल थेरेपी से एक्सरसाइज सीखें, जो पैरों को मजबूत बनाती हैं। अगर दर्द बहुत ज्यादा है, तो कोरटीकोस्टेरॉयड इंजेक्शन लगवाएं। अगर ये सब काम न करें, तो सर्जरी ऑप्शन हो सकता है। इसमें हड्डी को सही जगह पर लाया जाता है। सर्जरी के बाद 2-3 महीने में नॉर्मल लाइफ पर लौट सकते हैं। लेकिन सर्जरी आखिरी विकल्प है। प्रिवेंशन इलाज से बेहतर है। सही जूते चुनें- नुकीले या टाइट वाले अवॉइड करें। दिन के अंत में जूते ट्राई करें, क्योंकि पैर थोड़े सूज जाते हैं। अगर पैरों में कोई समस्या है, जैसे फ्लैट फुट, तो ऑर्थोटिक्स यूज करें। वजन कंट्रोल में रखें, क्योंकि एक्स्ट्रा वेट पैरों पर दबाव डालता है। रोज पैरों की एक्सरसाइज करें, जैसे अंगूठे को स्ट्रेच करना। महिलाएं हाई हील्स कम पहनें, और अगर पहनें तो ज्यादा देर न रहें। बच्चों में अगर संकेत दिखें, तो जल्दी डॉक्टर दिखाएं। सवालः क्या बूनियन अपने आप ठीक हो सकता है? जवाबः नहीं, बूनियन खुद से नहीं जाता। लेकिन सही मैनेजमेंट से लक्षण कंट्रोल हो सकते हैं। डॉक्टर से मिलें। सवालः महिलाओं को यह समस्या ज्यादा क्यों होती है? जवाबः महिलाएं हाई हील्स और टाइट शूज ज्यादा पहनती हैं, जो पैरों पर दबाव डालते हैं। हॉर्मोनल बदलाव भी रोल प्ले करते हैं। सवालः सर्जरी कब जरूरी होती है? जवाबः जब दर्द बहुत ज्यादा हो, चलना मुश्किल हो या अन्य तरीके काम न करें। डॉक्टर तय करेंगे। सवालः बूनियन से बचने के लिए क्या करें?जवाबः आरामदायक जूते पहनें, वजन कंट्रोल रखें, पैरों को रेस्ट दें और एक्सरसाइज करें। अगर फैमिली हिस्ट्री है, तो रेगुलर चेकअप करवाएं। बूनियन कोई बड़ी बीमारी नहीं, लेकिन इग्नोर करने से परेशानी बढ़ सकती है। सही जानकारी और छोटे बदलाव से इसे मैनेज कर सकते हैं। अगर लक्षण दिखें, तो डॉक्टर से बात करें। पैरों की सेहत अच्छी रखें, क्योंकि ये हमें हर कदम पर साथ देते हैं।

गर्मी से पहले एसी खरीदना हुआ महंगाःकंपनियों ने 5-15फीसदी तक बढ़ाई कीमतें; कॉपर-एल्युमीनियम के दाम बढ़ने का असर

नयी दिल्ली। गर्मी से पहले एसी खरीदना महंगा हो गया है। एसी

डाइकिन, वोल्टास और ब्लू स्टार जैसी बड़ी कंपनियों ने कीमतें 15फीसदी तक बढ़ा दी है। कंपनियों का कहना है कि कच्चे माल जैसे कॉपर, एल्युमीनियम की बढ़ती कीमतों और माल ढुलाई के खर्च में इजाफे की वजह से दाम बढ़ाए हैं। सवाल 1ः एसी की कीमतों में कितनी बढ़ोतरी हुई है और कौन सी कंपनियां दाम बढ़ा रही हैं? जवाबः प्रमुख एसी मैन्युफैक्चर्स ने कीमतों में 5फीसदी से 15फीसदी तक का इजाफा किया है। इसमें टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टास, डाइकिन, ब्लू स्टार, एलजी, हायर और मित्सुबिशी जैसे बड़े नाम शामिल हैं। सवाल 2ः एसी के दाम अचानक क्यों बढ़ रहे हैं? जवाबः इसके पीछे 4 मुख्य कारण हैं- कॉपर और एल्युमीनियम जैसे कच्चे माल के दाम काफी बढ़ गए हैं। भारतीय रुपया कमजोर हुआ है, जिससे पुर्जों का आयात महंगा हो गया है। बीते कुछ दिनों में माल ढुलाई का खर्च बढ़ गया है। 1 जनवरी 2026 से लागू हुए बीईई के नए एनर्जी-एफिशिएंसी नियम।सवाल 3ः क्या नए एनर्जी नियमों से ग्राहकों को कोई फायदा भी होगा? जवाबः हां, बिल्कुल। एलजी इंडिया के डायरेक्टर संजय चितकरा के अनुसार, नए नियमों के तहत आने वाले एसी पहले के मुकाबले करीब 11फीसदी ज्यादा बिजली बचाएंगे। यानी, भले ही खरीदने के समय ज्यादा पैसे देने पड़ें, लेकिन लंबे समय में बिजली बचेगी। सवाल 4ः डाइकिन इंडिया के प्रमुख का इस बढ़ोतरी पर क्या कहना है? जवाबः डाइकिन इंडिया के चेयरमैन कंवलजीत जावा ने कहा कि नए एनर्जी नियमों ने प्रोडक्ट्स को पहले से बेहतर बनाया है, लेकिन ये महंगा हो गया है। कॉपर के दाम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। डॉलर की वजह से लागत बहुत बढ़ गई है। वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल से इंपोर्ट महंगा हुआ है, इसलिए कीमतें बढ़ाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था। सवाल 5ः क्या बढ़ी हुई कीमतें बाजार में तुरंत दिखने लगेंगी? जवाबः ब्लू स्टार के एमडी बी. त्यागराजन ने बताया कि उन्होंने फरवरी के मध्य में ही 8-10फीसदी की बढ़ोतरी कर दी थी। हालांकि, इसका असर बाजार में दिखने में थोड़ा समय लगेगा। डीलर्स ने पुराने रेट पर काफी स्टॉक उठा लिया था। जब तक ये पुराना स्टॉक खत्म नहीं हो जाता तब तक ग्राहकों को कुछ राहत मिल सकती है। सवाल 6ः क्या लोग महंगा एसी खरीदेंगे, कंपनियों को क्या उम्मीद है? जवाबः दाम बढ़ने के बावजूद कंपनियों को उम्मीद है कि 2026 में रिकॉर्ड बिक्री होगी। मौसम विभाग के गर्मी के पूर्वानुमान को देखते हुए डाइकिन को उम्मीद है कि इस साल एसी इंडस्ट्री 15फीसदी की ग्रोथ दर्ज करेगी। कंपनियों को लगता है कि यह साल 2024 के रिकॉर्ड स्तर को भी छू सकता है। सवाल 7ः भारतीय एसी मार्केट का साइज कितना है और मुख्य कॉम्पिटिशन किसके बीच है? जवाबः भारत में रूम एयर-कंडीशनर का बाजार सालाना लगभग 1.35 करोड़ यूनिट्स का है। बाजार में अपनी वोल्टास, एलजी, डाइकिन, ब्लू स्टार, हिताची, पैनासोनिक और लॉयड जैसी कंपनियों के बीच कड़ी टक्कर रहती है। साल 2025 एसी कंपनियों के लिए काफी सुस्त रहा था। सवाल 8ः क्या जीएसटी में कटौती से ग्राहकों को कोई राहत मिली है? जवाबः एलजी के अधिकारियों का कहना है कि जीएसटी को 28फीसदी से घटाकर 18फीसदी किए जाने से बढ़ी हुई लागत का असर काफी हद तक कम हुआ है। इससे कंपनियों के लिए बिजली बचाने वाले एसी ग्राहकों तक पहुंचाना थोड़ा आसान हुआ है। नॉलेज पार्टः क्या हैं नए बीईई स्टार रेटिंग नियम? 1 जनवरी 2026 से ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी बीईई ने एसी के लिए नए मानक लागू किए हैं। इसके तहत अब 5-स्टार एसी पुराने 5-स्टार एसी की तुलना में 10फीसदी से 11फीसदी अधिक एनर्जी एफिशिएंट हैं। आसान शब्दों में कहें तो नया एसी कम बिजली में ज्यादा कूलिंग देगा। एसी के लिए स्मार्ट बाइंग टिप्स-पुराना स्टॉक चेक करेंः मार्च के अंत तक कई डीलर्स के पास पुराना स्टॉक बचा हो सकता है, जो पुराने रेट पर मिल जाएगा। ऑफ-सीजन डिस्काउंटः मार्च खत्म होने से पहले खरीदारी करना अप्रैल की पीक गर्मी से सस्ता पड़ सकता है। 5-स्टार ही चुनेंः अगर आपका एसी रोजाना 6-8 घंटे चलता है, तो 5-स्टार एसी लेना ही समझदारी है, क्योंकि बिजली बिल में हुई बचत 1-2 साल में एसी की बढ़ी हुई कीमत को वसूल कर देगी।

आप किसी आइडिया को अच्छा या बुरा नहीं बता सकते

पिछले सप्ताहांत, प्योर लीफ नामक एक चाय कंपनी ने न्यूयॉर्क के एक व्यस्त चौराहे पर न्यूयॉर्कवासियों को मुफ्त आइस्ड टी दी। इसे एक व्यस्त चौराहे के बीच रखा गया, जहां लोग वॉक करते हैं और आसपास की नर्म हरी घास में आराम करते हैं।उन्होंने वहां कुछ बड़े छाते लगाए और उनके नीचे सोफा लगा दिए। इस प्रकार गर्मी में कुछ मिनट बैठने के लिए छायादार जगह बन गई। वहीं उन्होंने अपनी वेंडिंग मशीन लगा दी, जो मुफ्त आइस्ड टी पेश कर रही थी। उस क्षेत्र में टहल रहे लोग पहले मुफ्त चाय लेने के लिए बटन दबाने की कोशिश करते। लेकिन इंटरेक्टिव मशीन मना कर देती। मशीन बार-बार कहती कि 'अपना फोन मशीन के बाईं ओर लगे चार्जिंग पैड पर रखें।' लोग बेमन से फोन चार्ज होने के लिए उस पैड पर रख देते। फिर मशीन कहती, 'टी ब्रेक शुरू करने के लिए यहां दबाएं।' विस्यमकारी तरीके से जैसे ही लोग उन शब्दों को दबाते, चार्जिंग पैड का लोहे का दरवाजा तुरंत लॉक हो जाता। फोन भी इसमें अंदर बंद हो जाता। लोग जोर लगा कर दरवाजा खोलने की कोशिश करते, लेकिन असफल रहते। वो चारों ओर देखते कि कुछ लोग चाय की बोतल से चुस्कियां लगाते हुए उनकी ओर मुस्करा रहे हैं। और उसी वक्त मशीन आइस्ड टी की एक बोतल बाहर निकाल देती। लोग बिना इच्छा के बोतल लेते और इस

चिंता के साथ सोफे पर बैठ जाते कि उनका फोन कब वापस मिलेगा? जैसे ही एक मिनट बीतता, नौ मिनट पहले अपना फोन चा?र्जिंग पैड पर रखने वाला कोई दूसरा व्यक्ति मशीन के सामने खड़ा होता और दसवें मिनट पर मशीन खुल जाती। उसका फोन वापस दे देती। व्यक्ति कहता 'वाह, क्या टी ब्रेक था'। आइस्ड टी पीने वाले 78फीसदी लोगों ने सप्ताह के अंतिम दिन फोन से दस मिनट का ब्रेक लेने के बाद बेहतर महसूस किया। और ब्रांड ने इस बात को समझाया कि गैजेट्स से दस मिनट का ब्रेक भी आपको तरोताजा कर सकता है। यह न्यूयॉर्क में हाल ही किया गया एक मार्केटिंग कैम्पेन था, जिसमें वेंडिंग मशीनों का उपयोग करके लोगों को 'वायर्ड' (तकनीकी की) दुनिया से छोटा-सा ब्रेक लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कैम्पेन के संदेश से मेल खाता है कि आराम करने और रिफ्रेश होने के लिए समय निकालना फायदेमंद है। अंततः इस ब्रांड प्रमोशन में इस बात पर जोर दिया गया कि छोटे-से ब्रेक का भी तंदुरुस्ती पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मुझे यह उपाय बेहद कारगर लगा। इसे मैंने अपने कुछ दोस्तों से साझा किया, जो हैदराबाद में ऑफलाइन रीडिंग क्लब चला रहे हैं, ताकि डिजिटल एडिक्ट बच्चों को 'डूम स्क्रॉलिंग' से बचाया जा सके। इसे 'डूम सर्फिंग' भी कहते हैं और यह ऑनलाइन बहुत अधिक समय बिताने से संबंधित है। इस प्रक्रिया में न्यूज फीड और सोशल मीडिया पर लगातार स्क्रॉल किया जाता है। मेरे दोस्त पहले पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना चाहते थे। और वे कुछ लोगों को ऑनलाइन पुस्तकें पढ़ाने में सफल भी रहे। लेकिन पढ़ने के बजाय वो बातचीत करने लग जाते थे। इसलिए फिर वे ऑफलाइन मोड पर आ गए। पिछले सितंबर से वे सभी सदस्य हर रविवार की सुबह एक पार्क में एकत्रित होते हैं। चिड़ियों की चहचहाहट के बीच व्यक्तिगत अध्ययन सत्र उन्हें नई जानकारियों और विचार-प्रक्रिया के साथ अगले सप्ताह के लिए तरोताजा कर देता है। ऐसे क्लब लोगों को कम से कम पढ़ने की आदत तो बनाए हुए है और उनकी स्क्रीन देखने की आदत कम कर रहे हैं। ध्यान रखें कि हममें से अधिकतर किसी पुस्तक को केवल सरसरी नजर से देखकर दराज में रख देते हैं। हम उसकी विषयवस्तु को भी भूल जाते हैं। ऐसे में सभी सदस्यों द्वारा एक पुस्तक पढ़ने और हर रविवार उसके विचारों को साझा करने से क्लब सदस्यों को कम से कम 52 पुस्तकों के शीर्षक और उनकी विषयवस्तु तो याद रहेगी। फंडा यह है कि किसी समस्या के समाधान के लिए आए उपाय को कभी भी अच्छे या बुरे में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। इसे सिर्फ ऐसे बांटा सकता है कि यह लागू करने योग्य है अथवा नहीं है। इसलिए हर साधारण से आइडिया पर भी प्रसन्न हों, उसका स्वागत करें।

आशाओं का अम्बर और मोह के धागे

कहीं एक सोनम ने पति की हत्या करवा दी। कहीं इस भर गर्मी में लोग नहाते हुए डूब गए- सेल्फी लेते हुए, कोई मस्ती करते हुए या एक-दूसरे

को बचाते हुए।पीछे छोड़ गए परिजन के लिए दुःखों का पहाड़ या त्रास। यह दुःख देखकर कभी मन पूछता है कि- ये धरती अति सुंदर किताब है। चांद-सूरज की जिल्द वाली।पर हे! ईश्वर, ये दुःख, भूख, सहम और गुलामी, ये सब तेरी इबारत हैं या प्रूफ की गलतियां? दूसरी तरफ मई और जून की गर्मी में जब कहीं-कहीं भारी बारिश हुई तो सड़कों, गलियों की हकीकत सामने आ गई।और ये हर बार होता है। हर बारिश में। वर्षों से। कोई सुध नहीं लेता। कोई कुछ करता-धरता नहीं। लोग कह-कहकर थक गए। उनकी अर्जियों को कीड़े चट कर गए, पर वे कभी किसी मंत्री या अफसर या बाबू के टेबल तक नहीं पहुंच सकीं। अमृता प्रीतम ने ठीक ही कहा है कि हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हैं।सड़कें बेतुकी दलीलों की तरह। ष्ठऔर गलियां इस तरह, जैसे कोई एक बात को इधर घसीटे। कोई उधर। इस सब के बीच हर मकान किसी मुट्ठी की तरह भिंचा हुआ लगता है। दीवारें किचकिचाती-सी।और नालियां जैसे मुंह से झाग बहता है! साइकलों, स्कूटरों और कारों के पहिए गालियों की तरह गुजरते हैं और घंटियां, हार्न एक-दूसरे पर झपटते हुए भां-भां करते रहते हैं।रात सिर पटकती हुई आती है और चली जाती है। पर नींद में भी ये बहस खत्म नहीं होती। इसीलिए, हां इसीलिए हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हो चले हैं।पचास-पचास, सौ-सौ साल हो गए, लेकिन शहरों के हालात जस के तस हैं। कहने को बड़े-बड़े ओवर ब्रिज, पुल-पुलिया बना दिए गए हैं, लेकिन इनके नीचे सब कुछ वैसा ही कचरा फैला पड़ा है, जैसे सुंदर कालीन के नीचे गंदगी होती है।कभी किसी उद्योगपति के कहने पर पुल की दिशा मोड़ दी गई तो कभी किसी नेता की कृपा से बेतुका ढांचा बना दिया गया। किसी पुल पर चढ़ सकते हैं तो उतर नहीं सकते।किसी से उतरना इतना दूभर है कि उस पर कोई चढ़ना ही नहीं चाहता। विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं।सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है।

कह सकते हैं कि राजनीति घुप अंधेरे की तरह है।उसका हाल वैसा ही है, जैसे कोई रात काली चील की तरह उड़ते हुए सूरज को ढूंढने निकली हो! जिस तरह रात को कभी सूरज नहीं मिल पाता, उसी तरह राजनीति का लोगों की भलाई से कोई संगम नहीं हो पाता।एक मशहूर लेखक ने लिखा है कि राजनीति दरअसल, एक क्लासिक फिल्म की तरह होती है। इस फिल्म का हीरो बहुमुखी प्रतिभा का धनी होता है और समय-समय पर बदलता रहता है।हीरोइन सत्ता की कुर्सी है, जो हमेशा एक जैसी रहती है। बदलती नहीं। विभिन्न क्षेत्रों, इलाकों और मंडलों के सदस्य इसके एक्स्ट्रा कलाकार होते हैं।इस फिल्म के फाइनेंसर, गरीब, मजदूर और खेतिहर लोग होते हैं। ये फाइनेंस करते नहीं, इनसे करवाया जाता है।या कह सकते हैं कि उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया जाता है। विभिन्न विधान मंडल इस फिल्म की इनडोर शूटिंग के स्थान हैं.और मीडिया आउटडोर शूटिंग का साधन। यह फिल्म किसी ने देखी नहीं है क्योंकि इस पर जगह-जगह सेंसर बोर्ड के एम्बार्गो लगे होते हैं।जहां तक आम आदमी का सवाल है, उसे तो सहसा पता ही नहीं है कि उसकी जिंदगी जाने किसके लिए मोह की पूनी कातती फिर रही है? जबकि मोह के तार में न तो आशाओं के अम्बर को लपेटा जा सकता है. और न ही उम्मीदों के सूरज को बांधा जा सकता है।

चुनाव और उसकी कवायद के सिवा कोई फिक्र नहीं.विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं। सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है।

परीक्षा में फेल हुआ है, हार्ट नहीं... जब तक है जान, होंगे इम्तेहान

मेरी डॉगी माया कुछ दिनों से बीमार थी। खाने से मुंह फेर रही थी। कभी खा भी लेती तो एक घंटे बाद उल्टी। जब दो-तीन दिन वो एक कोने में बेजान-सी पड़ी रही तो मैंने सोचा, डॉक्टर को

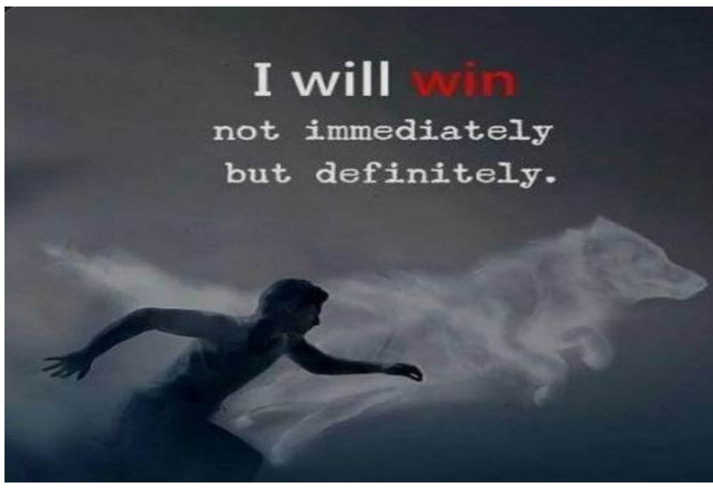

दिखाना चाहिए। गाड़ी में बिठाकर मैं उसे अपने घर के पास वाले जानवरों के अस्पताल में ले गई। आपको जानकर हैरानी होगी, मुम्बई के महालक्ष्मी में स्थित स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल कोई मनुष्यों के 5 स्टार हॉस्पिटल से कम नहीं। वैसे ये नगर पालिका की जमीन है मगर भव्य बिल्डिंग बनाई है टाटा ट्रस्ट ने। मैनेजमेंट भी उन्हीं का है। हर चीज का स्टैंडर्ड ऊंचा। खैर हमारी माया देवी को इस बात से कोई लेना-देना नहीं। जैसे ही हम कंपाउंड में घुसे, वो भांप गई, ये 'वो' जगह है। अब तो भाई, वो गाड़ी से उतरने को तैयार ही नहीं। तीन स्टाफ आए, मगर बहला-फुसलाकर भी हम उसे बाहर नहीं निकाल पाए। आखिर हार कर मैं वापस घर आ गई। माया के इस व्यवहार के पीछे वजह क्या थी? दस दिन पहले हम उसे इसी अस्पताल में लाए थे, सालाना वैक्सीनेशन के लिए। अब उसके अंदर डर बैठ गया था कि यहां पर इंजेक्शन लगता है। ना बाबा ना, मैं अंदर जाने वाली नहीं। कोई जबर्दस्ती करेगा तो मैं उसे काट लूंगी। भगवान ने हर प्राणी की प्रोग्रामिंग जब की, उसमें एक फीचर डाल दिया। अगर दिमाग मान ले कि फलाना डेंजर जोन है, तो अंदर से आवाज उठती है- भागो! जंगल में इस आवाज का फायदा है, क्योंकि शायद आपकी अंतर्प्रेरणा सही कह रही है। सौ मीटर दूर शेर खड़ा है, आपकी जान खतरे में है। अब हम जंगल में नहीं रहते, हर पेड़ के पीछे खतरा नहीं। लेकिन प्रोग्रामिंग वही है। माया को इंजेक्शन का डर है, यानी कि दर्द से। वैसे जब भी ब्लड टेस्ट होता है, मैं भी आंखें मूंद लेती हूं। सुई का डर मेरे अंदर कब, कैसे और कहां पैदा हुआ, उसके पीछे एक कहानी है। बचपन में हम एक सरकारी डिस्पेंसरी में जाते थे। वहां एक नर्स थीं, सिस्टर जॉर्ज। ब्लड टेस्ट लेने का काम सिस्टर जॉर्ज का था। उन दिनों सुई मोटी होती थी, और उनकी अंगुलियां भी। बंबइया हिन्दी में सिस्टर जॉर्ज का फेवरेट डायलॉग था- 'ऐ, डरने का नहीं...' फिर मेरी पतली-सी बांह उनके ताकतवर हाथों की पकड़ में, और सुई निशाने की ओर। ब्रह्मोस मिसाइल जितनी एक्यूरेसी नहीं थी सिस्टर जॉर्ज की सुई में। एक बार में सही नस नहीं मिलती थी, तो दोबारा सुई चुभातीं। सिस्टर के सांवले चेहरे पर सफेद दांतों वाली मुस्कान और ट्यूब में भरता हुआ लाल खून... यह सीन कुछ ऐसा था कि मुझे वहीं चक्कर आने लगता, एक बार तो मैं बेहोश तक हो गई। तो बस, सिस्टर जॉर्ज की बदौलत मेरे अंदर एक डर-सा बैठ गया। साल बीत गए। एक दिन मजबूरी में जब ब्लड टेस्ट किया तो मुट्ठी-आंखें बंद। मैने टेक्नीशियन को पूछा, कितना टाइम लगेगा? वो हंस के बोला, मैडम हो गया। सुई कब अंदर गई, कब निकली, पता ही नहीं चला। दर्द का पहाड़ सिर्फ मेरे मन में था, और ऐसे कितने ही काल्पनिक पहाड़ हम अपने अंदर बसा लेते हैं।किसी को मैथ्स से डर लगता है, किसी को ऊंचाई से। वो कब, कहां, कैसे आपके अंदर आया, थोड़ा चिंतन कीजिए। हो सकता है किसी टीचर ने डांटा हो, गलत जवाब देने पर। आपके नन्हे-से दिल पर चोट ऐसी पहुंची कि फिर हाथ उठाने की हिम्मत नहीं हुई। बीस साल बीत गए लेकिन आज भी मीटिंग में आप अपनी राय देने से कतराते हैं। क्योंकि मन में आशंका है- मैने कुछ गलत कह दिया तो? डर को जड़ से निकाल फेंकना मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं। सबसे पहले आप एक कागज पर लिख डालिए- ऐसी कौन सी चीज है, जिससे मुझे डर लगता है। 99 प्रतिशत चांस है कि आप लिखेंगे- फियर ऑफ फेल्योर। चलो, एक क्षण के लिए हम मान लें, आपने कोई एग्जाम दिया और फेल हो गए। घर पर लोग नाराज होंगे, दोस्त चर्चा करेंगे। लेकिन एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट फेल नहीं। जब तक हैं जान, होंगे इम्तेहान। डर के आगे जीत है, यही दुनिया की रीत है। ललकारो उसे, सामने लाओ। हिम्मत करो, डर भगाओ। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

हमारे शहर की 'एनटीई' जल्द ही हमारे जीने का तरीका बदल देगी

पूरी दुनिया में आमतौर पर सिर्फ दिन के वक्त को ध्यान में रखकर शहरों को डिजायन किया गया है। लेकिन जब इन शहरों को बेहतर कुशलता से चलाने के

लिए अधिक पैसे की जरूरत पड़ी तो उन्होंने पाया कि शाम 6 बजे से लेकर सुबह के 6 बजे तक के समय में बड़ी मात्रा में धन छिपा है। इसे लोकप्रिय रूप में 'नाइट टाइम इकोनॉमी' (एनटीई) के नाम से जाना जाता है।हालांकि, कई जगहों पर 24 घंटे का शहर थोड़ा बदनाम है, लेकिन कई शहरों ने समझा है कि एनटीई विकास के क्षेत्रों का वास्तविक चालक हो सकता है। कम से कम उन चुनिंदा स्थानों के लिए, जहां स्थानीय लोग और आगंतुक बार-बार आते जाते हैं। न्यूयॉर्क, लंदन और बर्लिन जैसे कई वैश्विक महानगरों ने इस विचार का अनुसरण किया, लेकिन एम्स्टर्डम इस क्षेत्र का अग्रणी है। मैं अचानक इस बारे में बात क्यों कर रहा हूं? दरअसल हैदराबाद जल्द ही 24 घंटे की अर्थव्यवस्था को अपनाने वाला भारत का पहला शहर बनने जा रहा है। राज्य सरकार समग्र एनटीई नीति को अंतिम रूप दे रही है, जिसका उद्देश्य सूर्यास्त के बाद शहर की पूर्ण आर्थिक क्षमता का उपयोग करना है। सरकार रात की समस्त गतिविधियों की देखभाल के लिए समर्पित हैदराबाद नाइट टाइम इकॉनोमी अथॉरिटी (एनटीईए) स्थापित कर रही है। इसमें अग्रणी होने के लिए एम्स्टर्डम ने क्या किया? ये उन पहले शहरों में से है, जिन्होंने एनटीई का आर्थिक-सांस्कृतिक महत्व समझा। ये कई कारणों से सफल हुआ, जिनमें सक्रिय स्थानीय निकाय, समर्पित 'नाइट मेयर' शामिल हैं, जो स्वतंत्र अधिवक्ता की भांति रातभर की गतिविधियों पर नजर रखता है। नीदरलैंड के किसी भी शहर में, खासकर रात्रिकालीन संस्कृति को सम्मिलित करने वाली पहली योजना के नाते एम्स्टर्डम का 'नाइट विजन' एतिहासिक दस्तावेज है। ये रात्रिकालीन संस्कृति से शहर के लगाव, इसकी सामाजिक-आर्थिक बेहतरी के लिए इसके जरूरी होने की मान्यता, दोनों को दिखाता है। नाइट मेयर की भूमिका क्या है? ये शहरी निकाय, रात्रिकालीन व्यवसायों, स्थानीय निवासियों व अन्य हितधारकों के बीच सेतु का कार्य करता है। मेयर व उसका कार्यालय सुरक्षा, शोर, परिवहन, जोनिंग (इलाका) जैसे ?मुद्दों का समाधान करते हुए सुनिश्चित करता है कि रात्रिकालीन अर्थव्यवस्था व शहर की जरूरतों के बीच संतुलन रहे। सफल एनटीई को टॉयलेट से लेकर परिवहन तक, हर चीज पर विचार करना होता है। एनटीई को गलत ना समझें: एम्स्टर्डम की इनटीई सिर्फ क्लबर्स के लिए ही नहीं है। साधारण क्लब्स तो इसमें तब तक प्रवेश नहीं कर सकते, जब? तक कि वे अन्तरराष्ट्रीय आगंतुकों को किसी सभ्य स्थान पर आकर्षित करने के लिए कुछ अनोखा प्रदान ना करें। ऐसे कड़े कायदों और नियंत्रण के कारण ही एम्स्टर्डम ने एम्स्टेल नदी के किनारे सांस्कृतिक रूपरेखा तैयार की है और एनटीई को सफल बनाया है। हालांकि रात्रिकालीन गतिविधियां मनोरंजन संबंधी तस्वीर पेश करती हैं, यहां तक कि भारतीयों में भी, लेकिन हैदाराबाद की यह पहल मनोरंजन तक ही सीमित नहीं है। इसमें स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन, आईटी सर्विस, खुदरा और पर्यटन जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। नीति तैयार कर रहे जानकार मानते हैं कि यह शहरी अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव की तस्वीर दिखाती है।एनटीई के आर्थिक प्रभावः वर्ल्ड सिटीज कल्चर फोरम के अनुसार एम्स्टर्डम में 500 रात्रिकालीन प्रतिष्ठानों ने 5 हजार रोजगार दिए। 15 लाख विजिटर आए, जिन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था में सालाना 1.25 अरब यूरो का योगदान दिया। लंदन ने 13 लाख रात्रिकालीन रोजगार पैदा किए। वर्तमान में हैदराबाद एनटीई का कारोबार 8500 करोड़ रु. है, जो 2032 तक तीन गुना होकर अनुमानतः 26,011 करोड़ पहुंच सकता है। इससे रोजगार भी बढ़ेंगे। हैदराबाद ने ये शुरू किया है तो इसे मुम्बई, दिल्ली पहुंचने में वक्त नहीं लगेगा। इंदौर, अहमदाबाद जैसे टियर-2 शहर भी हाथ पर हाथ रखकर बैठने वाले नहीं है। फंडा यह है कि हम सभी को इस उभरते हुए विचार में सहभागिता निभानी चाहिए, क्योंकि यह भविष्य में हमारे जीने के तरीके को बदलने जा रहा है।

जहां नैतिक कहानियां होगीं, वहां 'इंटेग्रिटी फी?' की जरूरत नहीं

कई दशक पहले, मैं और मेरा कजिन किसी के पेड़ से ढेर सारे जामुन लेकर घर पहुंचे। हमारे नाना (जो कि तहसीलदार कार्यालय में दूसरे सबसे ताकतवर व्यक्ति थे) दरवाजे पर बैठे थे और उन्होंने पूछा, तुम्हारे हाथों में क्या है? फिर उन्होंने हमसे वो जामुन अपने पास रखवा दिए और अंदर जाकर पहले खाना खाने को कहा। अगले 15 मिनट में हम नहाए क्योंकि पेड़ पर चढ़ने के कारण हमारे कपड़े गंदे हो गए थे, खाना खाया और लौट आए। हम उन अंकल को देखकर चौंक गए, जिनके घर से हम जामुन लाए थे। वे हमारे नाना के साथ बैठकर बातें कर रहे थे। हमें लगा वो हमारे बारे में शिकायत कर रहे हैं, इसलिए हम दोनों में से किसी ने बाहर जाने की

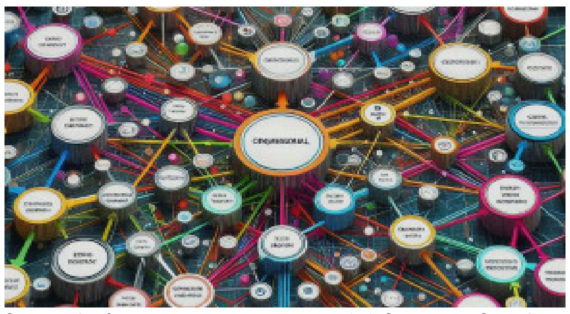

हिम्मत नहीं की। यह भांपकर कि हम छिपे हुए हैं, नाना ने हमें बुलाया और हम सिर झुकाए बाहर चले आए। वहां से गुजर रहे एक डाकिए को कहकर नाना ने उन अंकल को बुला लिया था। नाना जानते थे कि जामुन का पेड़ उनके घर में है। हमने नमस्ते किया। अंकल ने भी हमारा अभिवादन स्वीकार किया। वे उठे, हमारे सिर को सहलाया और बिना कुछ कहे बाहर चले गए। हमने राहत की सांस ली। तब नाना ने हमें एक मेहनती, लेकिन गरीब लकड़हारे की कहानी सुनाई। लकड़हारा एक नदी किनारे पेड़ काट रहा था। उसकी कुल्हाड़ी उसके हाथ से छूटकर पानी में गिर गई। वह बहुत परेशान था, क्योंकि वही उसकी आजीविका का एकमात्र साधन था। उसकी निराशा भरी पुकार सुनकर एक देवी प्रकट हुईं और पूछा कि उसे क्या चाहिए। उसने कोई दौलत मांगने के बजाय बताया कि उसने अपनी कुल्हाड़ी खो दी है। उसकी ईमानदारी देखकर देवी ने मदद की पेशकश की। सबसे पहले उसे एक चमचमाती सोने की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने पूछा, क्या यह तुम्हारी है? लकड़हारे ने कुल्हाड़ी की सुंदरता और कीमत के बावजूद जवाब दिया, नहीं। दूसरी बार उसे चांदी की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने वही सवाल पूछा। लकड़हारे ने अपनी ईमानदारी पर अडिग रहते हुए फिर से मना कर दिया। देवी बेहद प्रभावित हुईं और आखिरकार लकड़हारे को उसकी असली लोहे की कुल्हाड़ी वापस लौटा दी, जिसे लकड़हारे ने वृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया। लेकिन देवी ने उसे सोने और चांदी की दोनों कुल्हाड़ियां देकर भी पुरस्कृत किया। लकड़हारा न केवल धन-संपत्ति, बल्कि ईमानदारी के गुण से भी समृद्ध होकर घर लौटा। नाना ने उन जामुनों के बारे में हमसे कभी बात नहीं की। लेकिन वो कहानी आज भी हमारे जेहन में ताजा है। आज आप किसी भी बच्चे के पास जाकर कहें, 'मैं तुम्हें एक कहानी सुनाता हूं' और शुरू करें- 'एक था राजा और एक थी रानी' तो वो तुरंत कहेगा, 'दोनों मर गए, खतम कहानी', और भाग जाएगा। लेकिन हमारे जमाने में रोज ही कोई न कोई कहानी सुनाई जाती थी और उसकी शुरुआत हमेशा उसी पहले वाक्य से होती थी। लेकिन दूसरा वाक्य हमेशा ही 'पीछे की बदल गई पूरी कहानी' हुआ करता था। हमने किस दिन कैसा व्यवहार किया है, इसी के आधार पर हमारे बड़े हमें कोई न कोई कहानी सुनाते थे। शनिवार को हम दोनों कजिन्स को यह कहानी याद आई और हम हंस पड़े क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकी प्रशासन ने शुक्रवार को जनवरी 2026 से प्रभावी होने जा रहा 250 डॉलर (21,450 रुपए) का वीज़ा इंटेग्रिटी शुल्क लगा दिया है। कुछ लोगों का कहना है कि यह शुल्क केवल कुछ शर्तों पर ही वापस किया जा सकता है, जिसमें वीज़ा की शर्तों का पूरा पालन और वीज़ा की समाप्ति के पांच दिनों के भीतर प्रस्थान शामिल है। याद रखें, यह हर आवेदक से उसके अच्छे व्यवहार के लिए सुरक्षा जमा राशि जमा करने के लिए कहने जैसा है। मुझे यह सोचकर डर लग रहा है कि क्या रेलवे और अस्पताल भी कल से रिफंडेबल इंटेग्रिटी शुल्क तो नहीं मांगने लगेंगे? फंडा यह है कि हम अपनी महान नैतिक कहानियों को खत्म न होने दें। दूसरा वाक्य बदलें और अपने बच्चों को उनके जीवन के पहले 13 वर्षों तक हर रोज सोने से पहले नई, कल्पनाशील कहानियां सुनाएं, ताकि एक हाई इंटेग्रिटी वाली नई दुनिया उभरे और सरकारें इंटेग्रिटी फीस लगाने की हिम्मत न करें।

भारत ने मुश्किल समय में ट्रक भर-भरकर भेजी थी मदद, अब श्रीलंका ने 30 को रिहा करके यूं चुकाया अहसान!

कोलंबो। मार्च की शुरुआत में श्रीलंका की एक अदालत ने रामेश्वरम के आठ मछुआरों को रिहा करने का आदेश दिया था, जिन्हें 13 जनवरी को आईएमबीएल के कथित उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, इसी मामले में दो अन्य को कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई गई, जबकि सात मछुआरों को स्वदेश वापसी तक एक विशेष शिविर में रखा गया। फरवरी में भी यह मुद्दा चर्चा में आया था, जब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने केंद्र सरकार से श्रीलंकाई अदालतों द्वारा रिहा किए गए भारतीय मछुआरों की वापसी में तेजी लाने का आग्रह किया था। सीएम ने मंडपम और मयिलादुथुराई के 12 मछुआरों को रिहा कराने की मांग की गई थी, जिन्हें 2025 के अंत और 2026 के प्रारंभ के बीच गिरफ्तार किया गया था। इनमें से कुछ को बाद में अदालती आदेशों के बाद नजरबंदी केंद्रों में भेज दिया गया था। समुद्री सीमा पार करने वाले मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय चर्चाओं में अक्सर उठाया जाता है, जिसमें दोनों पक्ष 'मानवीय दृष्टिकोण' की आवश्यकता पर जोर देते हैं और साथ ही वैकल्पिक आजीविका विकल्पों और बेहतर सीमा प्रबंधन तंत्र जैसे दीर्घकालिक समाधानों पर भी विचार करते हैं। भारत ने श्रीलंका की मदद के लिए खोल दिया खजाना-श्रीलंका भेजा पेट्रोल-डीजलः भारत ने ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध के बीच श्रीलंका को 38,000 मीट्रिक टन पेट्रोलियम उत्पादों की आपातकालीन खेप भेजी थी। जिसमें 20,000 मीट्रिक टन डीजल और 18,000 मीट्रिक टन पेट्रोल शामिल था। इसके लिए उसने शुक्रिया भी कहा था। आर्थिक पैकेज (दिसंबर 2025): भारत ने श्रीलंका के लिए 450 मिलियन डॉलर के एक नए आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी। इसमें 350 मिलियन डॉलर का रियायती ऋण और 100 मिलियन डॉलर की सीधी मदद शामिल है। बजट 2026-27: भारत सरकार ने अपने ताजा बजट में श्रीलंका के लिए वित्तीय सहायता को बढ़ाकर 400 करोड़ रुपये कर दिया, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 33फीसदी ज्यादा है।ऑपरेशन सागर बंधु (2025): दिसंबर 2025 में आए दित्वाह चक्रवात के बाद भारत ने 1100 टन राहत सामग्री भेजी। इसमें दवाएं और चिकित्सा उपकरण शामिल थे। 2022 में श्रीलंका के लिए खड़ा होने वाला पहला देश बना भारत-इससे पहले जब 2022 में श्रीलंका अपने इतिहास के सबसे बुरे आर्थिक संकट से गुजर रहा था तब भारत ने लगभग 4 बिलियन डॉलर (करीब 33,000 करोड़ रुपये) की कुल मदद दी थी। इसमें पेट्रोल, डीजल और खाने-पीने की जरूरी चीजों के लिए क्रेडिट लाइन। श्रीलंका के विदेशी मुद्रा भंडार को सहारा देने के लिए 400 मिलियन डॉलर का सपोर्ट दिया। भारत पहला ऐसा देश था, जिसने श्रीलंका के कर्ज को पुनर्गठित करने के लिए आधिकारिक तौर पर आईएमएफ को आश्वासन दिया, जिससे श्रीलंका को अंतरराष्ट्रीय मदद मिलने का रास्ता साफ हुआ।

श्रीलंका भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है? हिंद महासागर में श्रीलंका की रणनीतिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है। भारत चाहता है कि श्रीलंका कर्ज के जाल में फंसकर जैसे चीन पर पूरी तरह निर्भर न हो जाए। यही वजह है कि भारत वहां आवास निर्माण (50,000 घर), सौर ऊर्जा परियोजनाएं और बंदरगाहों (जैसे त्रिनकोमाली और कोलंबो पोर्ट) के विकास में निवेश कर रहा है ताकि दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़े। दूसरी ओर, भारत ने श्रीलंका को न केवल नकदी और सामान दिया है, बल्कि उसे दुनिया के सामने एक विश्वसनीय कर्जदार के रूप में फिर से खड़ा करने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है।

सील टीम-6 ने पहाड़ों से अमेरिकी पायलट को ढूंढ कर बचाया,लादेन को मारने वाली यही यूनिट थी

वॉशिंगटन डीसी। ऊपर अमेरिकी फाइटर जेट्स निगरानी कर रहे थे, जबकि जमीन पर कमांडो आगे बढ़ रहे थे।अमेरिकी नेवी की स्पेशल यूनिट 'सील' टीम-6 ने ऑपरेशन शुरू किया। जब कमांडो अफसर तक पहुंचे, तब ईरानी सेना बेहद करीब थी। ऐसे में भारी गोलीबारी कर दुश्मन को पीछे धकेला गया। इसके बाद ट्रांसपोर्ट विमान फायरिंग के बीच उतरे और घायल अफसर को बाहर निकाला गया। ऑपरेशन के बीच इस्फाहन के पास तकनीकी खराबी के कारण दो अमेरिकी ट्रांसपोर्ट विमान काम नहीं कर पाए। इन विमानों को मौके पर ही विस्फोट से नष्ट कर दिया गया, ताकि कोई संवेदनशील तकनीक दुश्मन के हाथ न लगे। इस मिशन की तुलना 2011 में पाकिस्तान के एबटाबाद में हुए ऑपरेशन से की जा रही है, जब ओसामा बिन लादेन को मार गिराया गया था। तब भी अमेरिकी कमांडो ने खराब हेलीकॉप्टर को नष्ट कर दिया था। ईरान में रेस्क्यू का यह मिशन एबटाबाद ऑपरेशन से ज्यादा बड़ा था। उसमें 24 सील कमांडो दो स्टेल्थ ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टरों में पाकिस्तान के अंदर घुसे थे। लेकिन इसमें सैकड़ों स्पेशल फोर्स सैनिक, दर्जनों लड़ाकू विमान और हेलिकॉप्टर, साइबर और स्पेस टेक्नोलॉजी। सब एक ही मिशन के लिए जुटे थे। ईरान के अंदर, इस्फहान के पास एक छोड़े गए एयरस्ट्रिप पर फॉरवर्ड रिफ्यूलिंग पॉइंट बनाया गया। दो एमसी-130८ कमांडो विमान और एमएच-6 हेलिकॉप्टर वहां उतरे। लेकिन दोनों ट्रांसपोर्ट विमान वहीं फंस गए और उड़ नहीं पाए। नए विमान बुलाए गए। वे गोलाबारी के बीच पहुंचे। आखिरकार, सील टीम 6 ने एयरमैन को ढूंढ लिया। मिशन कामयाब- एक भी अमेरिकी सैनिक नहीं मरा-अब जरा सी भी गलती की गुंजाइश नहीं थी। ईरानी फोर्स पास पहुंच रही थी। कमांडो ने फायरिंग कर उन्हें रोका। ऊपर से हवाई हमले कर दुश्मन के काफिलों को निशाना बनाया गया। घायल एयरमैन को पहाड़ों से निकालकर विमान में बैठाया गया, साथ ही फंसी हुई रेस्क्यू टीम को भी। तीन नए ट्रांसपोर्ट विमान उन्हें लेकर ईरान से बाहर निकले। इस मिशन में अमेरिका का कोई सैनिक नहीं मरा। ईरान में ऑपरेशन नाकाम, फिर बनी सीगल टीम-6-1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद तेहरान में अमेरिकी दूतावास पर कब्जा हो गया। इस दौरान 52 अमेरिकी बंधक बना लिए गए। इन्हें छुड़ाने के लिए अमेरिका ने अप्रैल 1980 में एक मिशन ऑपरेशन ईगल क्लॉ लॉन्च किया। ईरान के रेगिस्तान में तकनीकी खराबी, मौसम और कोऑर्डिनेशन फेल होने से यह मिशन असफल हो गया। इसमें 8 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। तब अमेरिका को एहसास हुआ कि उसके पास ऐसा यूनिट नहीं है जो हाई-रिस्क काउंटर-टेरर ऑपरेशन में हॉस्टेज रेस्क्यू और दुश्मन के इलाके में सीक्रेट मिशन को पूरी क्षमता से कर सके। इस नाकामी के तुरंत बाद अमेरिकी नेवी ने सील टीम-6 बनाया। इसका असली नाम नेवेल स्पेशल वारफेयर डेवलपमेंट ग्रुप है। इसका कोड नेम ऊ्व्रेिंळ है। यह डेवलेपमेंट और ग्रुप से मिलकर बनाया गया है। इससे पहले रेगुलर स्पेशल ऑपरेशन के लिए सील टीम-1 और सील टीम- 2 थी। लेकिन सबसे सीक्रेट मिशन को पूरा करने के लिए सील टीम-6 बनाई गई। तब टीम-6 नाम जानबूझकर रखा गया था ताकि सोवियत यूनियन को लगे कि अमेरिका के पास कई सील टीमें हैं। सील टीम 6 को इस तरह तैयार किया जाता है कि वे जमीन, समुद्र और हवा तीनों जगह ऑपरेशन कर सकें। रात, खराब मौसम, दुश्मन के इलाके हर हालत में काम करें और बिना पहचान के सीक्रेट मिशन पूरा करें। जैसे अमेरिकी सेना की डेल्टा फोर्स है, वैसे ही नेवी की सील टीम-6 है। दोनों टायर-1 यूनिट हैं। फर्क ऑपरेटिंग डोमेन का है–डेल्टा फोर्स जमीन आधारित और सील टीम-6 समुद्र व मल्टी डोमेन ऑपरेशन के लिए है। दुनिया में सबसे कठिन एंट्री टेस्ट-सील टीम 6 में शामिल होना दुनिया की सबसे कठिन चयन प्रक्रियाओं में है। इसमें सीधे भर्ती नहीं होती। पहले नेवी सील बनना पड़ता है, फिर कई साल के अनुभव के बाद चुनिंदा कमांडोज को आगे बुलाया जाता है। इसके बाद ग्रीन टीम नाम की एक कड़ी चयन और ट्रेनिंग प्रक्रिया होती है। यही वह आखिरी चरण होता है, जहां से फाइनल चयन किया जाता है। इस दौरान सैनिकों को बेहद कठिन शारीरिक और मानसिक परीक्षणों से गुजरना पड़ता है। इसमें लंबी दूरी की दौड़, भारी वजन के साथ मार्च, खुले पानी में तैराकी और नींद की कमी के बीच लगातार काम करना शामिल होता है। अकेले मैप और कंपास के सहारे कठिन इलाकों में रास्ता खोजने जैसे टास्क भी दिए जाते हैं। सबसे अहम हिस्सा मानसिक परीक्षण होता है, जिसमें दबाव में सही फैसला लेना, टीम के साथ तालमेल बैठाना और लंबे समय तक तनाव में काम करने की क्षमता को परखा जाता है। इस चरण में बड़ी संख्या में उम्मीदवार बाहर हो जाते हैं। जो चयन पार कर लेते हैं, उनके लिए असली ट्रेनिंग शुरू होती है। यह पूरी तरह हाई-रिस्क मिशन पर केंद्रित होती है। उन्हें सिखाया जाता है कि किसी बिल्डिंग में घुसकर सेकंडों में दुश्मन और बंधक में फर्क कैसे करना है। शूटिंग इतनी सटीक होती है कि गलती की गुंजाइश नहीं रहती। बंधक छुड़ाने के सीनारियो बार-बार अभ्यास कराए जाते हैं, ताकि असली ऑपरेशन में कोई हिचकिचाहट न हो। इसके अलावा, चुपचाप घुसपैठ, रात में ऑपरेशन, हवा से पैराशूट जंप और पानी के रास्ते एंट्री जैसी तकनीकों पर भी महारत दी जाती है। सब कुछ असली मिशन जैसा बनाकर बार-बार कराया जाता है।

दावा- एपस्टीन और अनिल अंबानी के बीच सैकड़ों मैसेज-ईमेल हुए,नियुक्ति-विदेश नीति से जुड़ी जानकारियां दीं

न्यूयॉर्क। अमेरिका के यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने 2017 में उद्योगपति अनिल अंबानी के सामने खुद को डोनाल्ड ट्रम्प के पहले कार्यकाल के व्हाइट हाउस के 'इनसाइडर' की तरह पेश किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों के बीच दो साल तक सैकड़ों मैसेज और ईमेल हुए। इनमें एपस्टीन ने ट्रम्प प्रशासन की नियुक्ति व विदेश नीति से जुड़ी जानकारियां साझा कीं, जो बाद में सही भी निकलीं। हालांकि, इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि एपस्टीन की व्हाइट हाउस तक सीधी पहुंच थी। मैसेज में अनिल अंबानी ने एपस्टीन को लिखा था- 'भारत के रिश्ते और रक्षा सहयोग के लिए व्हाइट हाउस से डील करने में आपकी गाइडेंस चाहिए।' जवाब में एपस्टीन ने 'इनसाइड' जानकारी देने का वादा किया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ से जारी मैसेज के रीव्यू के आधार पर बताया कि अनिल अंबानी और एपस्टीन के बीच बातचीत सिग्नल और टेलीग्राम जैसे एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर होती थी, जहां अंबानी 'अरमानी ए' नाम से सक्रिय थे। यह संपर्क उस दौर का है, जब एपस्टीन नाबालिगों से जुड़े अपराधों में जेल की सजा काट चुका था। इनका परिचय दुबई की कंपनी डीपी वर्ल्ड के चेयरमैन सुल्तान अहमद बिन सुलायेम ने कराया था। एपस्टीन ने जब दीपक चोपड़ा से अंबानी के बारे में राय मांगी, तो चोपड़ा ने उन्हें 'बेहद अमीर, चर्चा में रहने का शौकीन और सेलेब्स के प्रति सजग' व्यक्ति बताया था। मैसेज में एपस्टीन खुद को असरदार पावर ब्रोकर के रूप में पेश करता दिखा। मार्च 2017 में अनिल अंबानी ने एपस्टीन से पूर्व सीआईए डायरेक्टर डेविड पेट्रेयस के भारत में अमेरिकी राजदूत बनने की संभावना पूछी थी।एपस्टीन ने जवाब दिया था- वे प्राथमिकता में नहीं हैं। बाद में केनेथ जस्टर राजदूत बने। जुलाई 2017 में एपस्टीन ने यह 'इनसाइड' जानकारी भी दी कि जॉन बोल्टन नए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) होंगे। हालांकि, तब ट्रम्प ने मौजूदा एनएसए मैकमास्टर का बचाव किया था। हालांकि, 8 महीने बाद एपस्टीन की बात सच साबित हुई और बोल्टन ने ही पद संभाला। एपस्टीन ने अनिल अंबानी को ट्रम्प के बेहद करीबी लोगों, जैसे स्टीफन बैनन और थॉमस बैरक जूनियर से मिलवाने का प्रस्ताव दिया था। बैरक उस वक्त ट्रम्प की इनॉगरेशन कमेटी के अध्यक्ष थे। एपस्टीन ने दिग्गजों को यह भरोसा दिलाया कि अंबानी से जुड़ना उनके लिए फायदेमंद होगा। वहीं, अनिल अंबानी ने खुद को भारत में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली बताते हुए मैसेज लिखा कि 'लीडरशिप' चाहती है कि एपस्टीन उनकी मुलाकात जेरेड कुश्नर और बैनन से कराने में मदद करे। अनिल अंबानी की अमेरिकी डिफेंस पॉलिसी में दिलचस्पी की वजह यह भी बताई गई है कि 2016 में उन्हें राफेल के पार्ट्स से जुड़ी डील मिली थी। उस वक्त आलोचकों ने भारत सरकार पर अंबानी को फायदा पहुंचाने के आरोप लगाए थे, जिन्हें सरकार ने खारिज किया था। अंबानी ने लिखा था कि भारत के लिए अमेरिकी राजदूत का चयन उनके लिए बेहद 'अहम' है। वे चाहते थे कि पाकिस्तान जैसे पड़ोसियों से निपटने के लिए इस पद पर कोई 'मजबूत' व्यक्ति आए। रिपोर्ट के मुताबिक संदेशों से स्पष्ट है कि अनिल अंबानी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पैठ मजबूत करना चाहते थे। उन्होंने खुद को अटलांटिक काउंसिल के एडवाइजरी बोर्ड में 'इकलौते भारतीय' के रूप में पेश किया। वहीं, एपस्टीन ने उन्हें कार्नेगी एंडोमेंट के विलियम जे. बर्न्स और थॉमस जे. प्रिट्जकर जैसे प्रभावशाली वैश्विक दिग्गजों से मिलवाने का वादा किया। एपस्टीन ने अंबानी को अपने घर डिनर पर बुलाकर बड़े राजनेताओं से नेटवर्किंग का मौका भी दिया। अनिल अंबानी-एपस्टीन के बीच से पैसों के लेनदेन का भी जिक्र-2019 में जब अनिल अंबानी की कंपनियों पर आर्थिक संकट गहराया और उन्हें कर्ज चुकाने के लिए भाई मुकेश अंबानी की मदद लेनी पड़ी, तब एपस्टीन उन्हें मानसिक रूप से मजबूत रहने की सलाह दे रहा था। हालांकि, एपस्टीन ने संदेशों में लिखा कि उसे पैसे की जरूरत नहीं है, लेकिन एक ईमेल में 'ट्रांजैक्शन डन' का जिक्र मिला। रिपोर्ट के अनुसार, 23 मई 2019 को भारत में चुनावी नतीजों के दिन अनिल अंबानी न्यूयॉर्क में एपस्टीन के घर गए थे। इसके कुछ ही हफ्तों बाद एपस्टीन को नाबालिगों की यौन तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

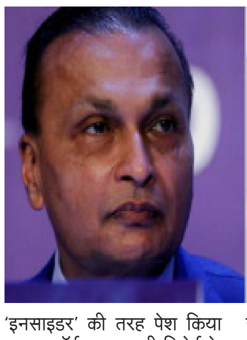

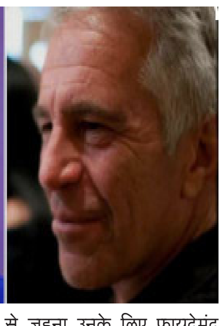

ट्रम्प फिर बोले-मेरा बस चले तो ईरानी तेल कब्जा लूं और खूब पैसा कमाऊ

वॉशिंगटनडीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को कहा कि अगर उनके पास मौका होता तो वे ईरान के तेल पर कब्जा कर लेते और खूब पैसा कमाते। ट्रम्प कुछ दिन पहले भी ईरानी तेल पर कब्जा करने की बात कह चुके हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के लोग आजादी चाहते हैं और वहां के हालात ऐसे हैं कि लोग बदलाव देखना चाहते हैं। हालांकि ट्रम्प ने यह भी माना कि अमेरिका के लोग अब युद्ध से थक चुके हैं और चाहते हैं कि सैनिकों को वापस घर बुलाया जाए। वहीं ईरान ने अमेरिका की तरफ से आए नए सीजफायर प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ईरान की सरकारी एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, तेहरान ने कहा है कि वह अस्थायी युद्धविराम नहीं, बल्कि युद्ध का पूरी तरह और हमेशा के लिए खात्मा चाहता है। ट्रम्प ने ईरान जंग पर सोमवार रात 10.30 बजे (भारतीय समय के मुताबिक) प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका की जंग अच्छी चल रही है। अमेरिका चाहे तो पूरे ईरान को एक रात में खत्म कर सकता है। जरूरत पड़ी तो वह रात कल भी हो सकती है। ट्रम्प ने ईरान में फंसे अमेरिकी पायलट को बचाने वाले ऑपरेशन को 'ऐतिहासिक' बताया। उन्होंने कहा, 'मैंने अमेरिकी सेना को आदेश दिया था कि हमारे बहादुर सैनिकों को सुरक्षित घर लाने के लिए जो भी जरूरी हो, वह किया जाए।' उन्होंने कहा, 'यह बहुत जोखिम भरा फैसला था, क्योंकि हमने 1-2 पायलट को निकालने के लिए 100 जान को दांव पर लगा दिया था। ट्रम्प ने इसे हाल के दशकों में सबसे खतरनाक ऑपरेशनों में से एक बताया।

ईरान को रातभर में खत्म कर सकते हैं,घायल पायलट की खबर लीक करने वाले पत्रकार की तलाश, उसे जेल भेजेंगे- ट्रम्प

वॉशिंगटनडीसी। खबर लीक करने वाले को धमकी- जिस इंसान ने मीडिया में ईरान में फंसे दूसरे पायलट के बारे में खबर लीक की है उसे ढूंढा जाएगा। जरूरत पड़ी तो मीडिया कंपनी पर भी कार्रवाई हो सकती है। अमेरिकी विमान गिरने की बात मानी- ट्रम्प ने माना कि ईरान ने एक अमेरिकी एफ-15 विमान गिराया था, लेकिन यह दुश्मन की किस्मत थी यानी ये सिर्फ एक लकी हिट थी। ट्रम्प ने ईरान में फंसे अमेरिकी पायलट को बचाने वाले ऑपरेशन को 'ऐतिहासिक' बताया। उन्होंने कहा, 'मैंने अमेरिकी सेना को आदेश दिया था कि हमारे बहादुर सैनिकों को सुरक्षित घर लाने के लिए जो भी जरूरी हो, वह किया जाए।' उन्होंने कहा, 'यह बहुत जोखिम भरा फैसला था, क्योंकि हमने 1-2 पायलट को निकालने के लिए 100 जान को दांव पर लगा दिया था।' ट्रम्प ने इसे हाल के दशकों में सबसे खतरनाक ऑपरेशनों में से एक बताया। ट्रम्प ने यह भी बताया कि दोनों पायलट को बचाने के लिए दो रेस्क्यू मिशन किए गए। पहले मिशन में 21 अमेरिकी सैन्य विमान लगाए गए थे। जबकि दूसरे रेस्क्यू मिशन में कुल 155 अमेरिकी विमान शामिल थे। इनमें 4 बॉम्बर विमान, 64 फाइटर जेट, 48 ईंधन भरने वाले टैंकर विमान और 13 रेस्क्यू विमान शामिल थे। ट्रम्प के मुताबिक ये सभी कई घंटों तक ईरान के ऊपर ऑपरेशन करते रहे, कुछ समय तो दिन के उजाले में भी। इस मिशन में धोखे की रणनीति (डिकॉय) का भी इस्तेमाल किया गया। कई विमानों को अलग-अलग रास्तों पर भेजा गया ताकि दुश्मन भ्रमित हो जाए।ट्रम्प ने कहा, 'हमने सात अलग-अलग जगहों पर ऐसा माहौल बनाया, जहां उन्हें लगा कि हम अपने सैनिक को ढूंढ रहे हैं।' ट्रम्प ने एक घायल पालयट की बहादुरी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब एफ-15ई फाइटर जेट गिराया गया तो उसमें मौजूद अधिकारी पैराशूट से नीचे उतरा और गंभीर हालत में भी खुद को बचाने की कोशिश करता रहा। उन्होंने कहा, 'वह पहाड़ी इलाके में घायल होने के बावजूद चढ़ाई करता रहा, उसके चेहरे से काफी खून बह रहा था। लेकिन फिर भी उसने हिम्मत नहीं हारी। उसने अपनी ट्रेनिंग के अनुसार खतरनाक पहाड़ी इलाके में ऊपर की ओर चढ़ता गया, ताकि दुश्मन से बच सके और पकड़ा न जाए।' ट्रम्प के मुताबिक घायल अफसर ने खुद ही अपने जख्मों का इलाज किया और अमेरिकी फोर्स से संपर्क बनाए रखा। बाद में उसे हेलीकॉप्टर के जरिए सुरक्षित निकाल लिया गया। उन्होंने कहा यह हैरान करने वाली बात है कि पूरे ऑपरेशन में कोई भी घायल नहीं हुआ.ट्रम्प ने कहा कि ईरान में गिराए गए एफ-15ई फाइटर जेट के क्रू को बचाने वाले ऑपरेशन को लेकर उनके सभी सैन्य सलाहकार एकमत नहीं थे। उन्होंने कहा, 'हर कोई इसके पक्ष में नहीं था। कुछ बहुत प्रोफेशनल सैन्य अधिकारी ऐसे थे, जो इस ऑपरेशन को करने के पक्ष में नहीं थे।' ट्रम्प के मुताबिक इस मिशन में जान का बड़ा खतरा था, इसी वजह से कुछ सलाहकार इसे सही नहीं मान रहे थे। उन्होंने कहा, 'सेना के अंदर कुछ लोगों का मानना था कि यह समझदारी भरा फैसला नहीं है। सैकड़ों लोगों की जान जा सकती थी।' हालांकि, ट्रम्प के मुताबिक रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और जॉइंट चीफ्स के चेयरमैन जनरल डैन केन इस मिशन के समर्थन में थे। ट्रम्प ने कहा कि उन्हें इस ऑपरेशन के खतरे के बारे में पूरी जानकारी दी गई थी। उन्होंने बताया, 'मुझे कहा गया कि यह बहुत खतरनाक मिशन है। मैंने इसे समझा। उन्होंने यह नहीं कहा कि यह बेवकूफी है, बल्कि कहा कि इसमें सैकड़ों लोगों की जान जा सकती है।' ट्रम्प कहा कि पिछले 37 दिनों में अमेरिकी सेना ने ईरान के ऊपर 10,000 से ज्यादा कॉम्बैट फ्लाइट्स की हैं। उन्होंने यह भी माना कि पिछले हफ्ते ईरान में एक अमेरिकी इ-15 विमान गिराया गया। ट्रम्प ने कहा कि इस पूरे ऑपरेशन के दौरान दुश्मन ने पहली बार कोई मानव संचालित विमान गिराया। ट्रम्प ने आगे कहा, 'एक हेलिकॉप्टर गोलियों से बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर वापस लौटा। यह कमाल की बात है कि हमारे हेलिकॉप्टर ने यह सब झेल लिया। हमारी मशीन बहुत जबर्दस्त है।' ट्रम्प बोले- आजादी के लिए ईरान के लोग थोड़ा दर्द सहेंगे-प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक पत्रकार ने ट्रम्प से सवाल पूछा कि ईरान में ऊर्जा ठिकाने और इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला करना क्या आम नागरिकों को सजा देना नहीं है? इस पर उन्होंने कहा कि अगर ईरान पर हमले से वहां के लोगों को आजादी मिलती है, तो वे 'इस दर्द को सहने के लिए तैयार होंगे।' ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि ईरान के लोग चाहते हैं कि अमेरिकी सेना अपनी बमबारी जारी रखे। उन्होंने कहा, 'हमें कई मैसेज मिले हैं। जिन इलाकों में बम गिर रहे हैं, वहीं रहने वाले लोग भी कह रहे हैं, 'बमबारी जारी रखो।' और जब हम वहां से हटते हैं, तो वे कहते हैं- वापस आओ, वापस आओ' ट्रम्प ने यह साफ नहीं किया कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध खत्म होने की ओर है या और बढ़ सकता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे युद्ध को कम कर रहे हैं या बढ़ा रहे हैं, तो ट्रम्प ने कहा, 'मैं यह नहीं बता सकता। यह इस पर निर्भर करता है कि वे क्या करते हैं। यह बहुत अहम समय है।' ट्रम्प ने ईरान को दिए गए अल्टीमेटम का भी जिक्र किया, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को खोलने के लिए समय सीमा तय की गई है। उन्होंने कहा, 'उनके पास कल रात 8 बजे (अमेरिकी समय के मुताबिक) तक का समय है। मैंने उन्हें थोड़ा ज्यादा समय दिया है।' उन्होंने बताया कि पहले यह समय सीमा सोमवार के लिए तय थी, लेकिन ईस्टर (ईसाईयों का त्योहार) के अगले दिन इसे लागू करना ठीक नहीं लगा। ट्रम्प ने कहा, 'सोमवार की डेडलाइन ठीक नहीं थी क्योंकि वह ईस्टर के अगले दिन थी। मैं अच्छा इंसान बनना चाहता हूं।'

असम पुलिस की कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के घर की छापेमारी,खेड़ा ने आरोप लगाया था- सीएम हिमंता की पत्नी के पास 3 पासपोर्ट

गुवाहाटी। असम पुलिस की टीम कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के दिल्ली आवास पर पहुंची है। सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी की एफआईआर के बाद यह कार्रवाई की गई है। पवन घर पर नहीं है। असम पुलिस उनसे पूछताछ के लिए इंतजार कर रही है। दिल्ली पुलिस भी साथ में मौजूद है। दरअसल दो दिन पहले पवन ने असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा पर तीन पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया था। कहा था कि उनके पास तीन देशों मिस्र, एंटीगा-बरबूडा और यूएई के पासपोर्ट हैं। इस पर हिमंता ने कहा था कि पवन खेड़ा आधारहीन बातें कर रहे हैं। मैं उनके हर आरोप को खारिज करता हूं। हम 48 घंटे में खेड़ा पर मानहानि का केस करेंगे। हिमंता की पत्नी ने सोमवार को एफआईआर भी कराई थी। असम में 9 अप्रैल को वोटिंग होगी। आज शाम प्रचार थम जाएगा। चुनाव प्रचार करने असम के श्रीभूमि पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- जब से राहुल गांधी कांग्रेस के नेता बने हैं, तब से सभी कांग्रेस सदस्यों का स्तर, सार्वजनिक जीवन का स्तर, एकदम गिर गया है। कांग्रेस ने एक नई नीति बना ली है कि जो उनका समर्थन करता है, वही पढ़ा-लिखा है, बाकी सब अनपढ़ हैं। कांग्रेस सदस्यों, पूरे देश की जनता आपको देखने का इंतजार कर रही है। एक बार जब आप चुनाव मैदान में उतरेंगे, तो आपकी जमानत जब्त हो जाएगी। केरल के सीईओ रतन यू. केलकर का एक डांस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों में युवा वोटरों को वोट डालने के लिए प्रेरित करने के एक अनोखे प्रयास के तहत, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इससे पहले कोच्चि में इस वीडियो गाने को लॉन्च किया था। 1 मिनट 33 सेकंड के इस वीडियो में मुख्य चुनाव अधिकारी केलकर को समुद्र के किनारे, चुनाव कराने में शामिल अधिकारियों के साथ डांस करते हुए दिखाया गया है। इन अधिकारियों में तिरुवनंतपुरम की जिला कलेक्टर अनु कुमारी और सहायक कलेक्टर डॉ. शिवशक्तिवेल शामिल हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन सिरकाजी में डीएमके के सहयोगी दल एमडीएमके के उम्मीदवार सेंथिल सेल्वन के समर्थन में जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं। आज शाम 4 बजे सिरकाजी के पास सूरक्काडु में डीएमके की एक जनसभा निर्धारित है, जिसमें 6 विधानसभा क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा। 'साइलेंस पीरियड' के दौरान टेलीविजन और इसी तरह के अन्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्लेटफॉर्म पर चुनाव से जुड़े कंटेंट जिसमें ओपिनियन पोल या सर्वे भी शामिल हैं, दिखाने पर पूरी तरह से रोक है। असम केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को सिंगल फेज में वोटिंग होगी। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को कोलकाता पर धमकी को लेकर पाकिस्तान का जवाब दिया। उन्होंने एक चुनावी रैली में कहा- मैंने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का नाम एक कागज पर लिख लिया है। जिस दिन ममता बनर्जी और इंडिया ब्लॉक की सरकार बनेगी, हम उन्हें उनके घर में घुसकर मारेंगे।दरअसल पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने 3 अप्रैल को कहा था कि अगर भारत की ओर से कोई कदम उठाया गया, तो पाकिस्तान कोलकाता पर हमला कर जवाब देगा। इस पर अभिषेक ने कहा- पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने खुलेआम कोलकाता पर हमले की धमकी दी, फिर भी न तो नरेंद्र मोदी और न ही अमित शाह इसकी निंदा करने की हिम्मत जुटा पाए। पूर्व टेनिस स्टार लिएंडर पेस को केंद्र सरकार ने 'एक्स' कैटेगरी सुरक्षा दी है। उनकी सुरक्षा में सीआईएसएफ के दो सशस्त्र जवान तैनात रहेंगे। गृह मंत्रालय ने पेस की लोकप्रियता और पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान पूरे राज्य में संभावित दौरों को देखते हुए यह फैसला लिया। पेस 31 मार्च को भाजपा में शामिल हुए थे।

तमिल एक्ट्रेस सुभाषिनी सुब्रमण्यम का शव मिला,पहले कॉल पर हुआ था पति से झगड़ा, दो साल पहले हुई थी शादी

चेन्नई। साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस सुभाषिनी सुब्रमण्यम का

शव उनके चेन्नई स्थित अपार्टमेंट में मिला है। 36 साल की एक्ट्रेस डिप्रेशन में थीं। रिपोर्ट्स के अनुसार, मौत से कुछ समय पहले ही उनका पति से वीडियो कॉल पर झगड़ा हुआ था। न्यूज 18 की रिपोर्ट के अनुसार, सुभाषिनी, चेन्नई के इयप्पंथंगल इलाके में किराए के फ्लैट में रह रही थीं, जहां उनका शव मिला है। उन्होंने 2 साल पहले 2024 में बिपिन चंद्रन से शादी की थी। कुछ समय से दोनों अलग रह रहे थे। 6 अप्रैल को मौत होने से पहले उन्होंने पित बिपिन को वीडियो कॉल किया था, जिसमें दोनों का झगड़ा हुआ था। पुलिस जांच के अनुसार, झगड़े के बाद ही सुभाषिनी ने आत्महत्या की है, हालांकि अब तक मौत का सटीक कारण और वजह सामने नहीं आ सकी ही। शव बरामद होने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सुभाषिनी सुब्रमण्यम श्रीलंका की रहनेवाली थीं। वो तमिल टीवी इंडस्ट्री में काम मिलने के बाद चेन्नई आकर बस गई थीं। साल 2012 में फिल्म इनी अवन से करियर की शुरुआत करने के बाद वह कई टीवी शोज और फिल्मों में नजर आ चुकी थीं। उन्हें सबसे ज्यादा पहचान टीवी शो कायल में दीपिका का किरदार निभाने पर मिली थी। इसके अलावा वो इल्लाम मेला इरुकुरवन पाथुप्पन और वेब जैसी कई फिल्मों का हिस्सा रही हैं। एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम में करीब साढ़े 4 लाख फॉलोअर्स हैं। उन्होंने 2 दिन पहले आखिरी पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने जिंदगी के सार का जिक्र किया था। वो अक्सर सोशल मीडिया पर पति बिबिन के साथ तस्वीरें भी पोस्ट किया करती थीं।

अश्लील गाने के विवाद में नोरा की मुश्किल बढ़ी-पेश न होने पर महिला आयोग भड़का

संजय दत्त को भी 8 अप्रैल को पेश होने का समन

मुंबई। केडीः द डेविल के गाने 'सरके चुनर तेरी' विवाद में सफाई के बावजूद नोरा फतेही की मुश्किलें आपत्तिजनक था, जिसका नाकारात्मक प्रभाव पड़ा और सभी ने इसके लिए लिखित माफी भी सॉन्ग लॉन्च इवेंट में पहुंचकर मिलीं। हिंदी गाना देखकर एक्ट्रेस खुद शॉक में थीं।पैन इंडिया फिल्म केडीः द

बढ़ती दिख रही हैं। 6 अप्रैल को राष्ट्रीय महिला आयोग की सुनवाई में वह पेश नहीं हुईं, जिस पर आयोग ने नाराज होकर उन्हें आखिरी मौका दिया। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, 6 अप्रैल को राष्ट्रीय महिला आयोग की सुनवाई में सरके चुनरिया तेरी के लिरिसिस्ट रकीब आलम, फिल्म केडीःद डेविल के डायरेक्टर प्रेम और केवीएन प्रोडक्शन के रीप्रेसेंटेटिव गौतम के.एम और सुप्रिथ पेश हुए थे। इस सुनवाई की अध्यक्षता आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने की थी। समन में नोरा फतेही को भी पेश होने के लिए कहा गया था, हालांकि वो खुद नहीं आईं और सफाई देने के लिए वकील को भेजा। सुनवाई में विजया रहाटकर ने चिंता जताते हुए कहा कि गाने के बोल महिलाओं की गरिमा के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि क्रिएटिविटी के नाम पर महिलाओं की गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान मौजूद सभी ने ये स्वीकार किया कि गाना दी। इसके अलावा सभी ने तीन महीनों तक महिला सशक्तिकरण के लिए काम करने और महिला आयोग को इसकी रिपोर्ट देने का आश्वासन दिया है। अश्लील गाने के विवाद पर संजय दत्त को भी समन-आयोग ने संजय दत्त को भी समन भेजकर 8 अप्रैल को होने वाली सुनवाई में पेश होने का आदेश दिया है। उनके अलावा नोरा फतेही की गैरमौजूदगी पर भड़कर आयोग ने उन्हें 27 अप्रैल को पेश होने का आखिरी मौका दिया है। नोरा फतेही दे चुकी हैं सफाई-अश्लील गाने पर विवाद बढ़ने के बाद एक्ट्रेस ने बयान जारी कर सफाई दी थी। उन्होंने कहा है कि उनसे कन्नड़ में गलत ट्रांसलेशन बताकर पूरा गाना शूट करवाया गया और फिर बिना अप्रूवल या परमिशन गाने को हिंदी में बना लिया। उन्होंने कहा कि मेकर्स ने लिरिकल गाने को बिना इजाजत लिए उनकी एआई इमेज के साथ रिलीज किया।एक्ट्रेस ने ये भी माना कि गाना वाकई अनुचित है, लेकिन इसकी जानकारी उन्हें डेविल, 30 अप्रैल 2026 को रिलीज होने वाली है। 14 मार्च को इस फिल्म का गाना सरके चुनर तेरी कई भाषाओं में रिलीज हुआ। ये गाना नोरा फतेही और संजय दत्त पर फिल्माया गया था। यूट्यूब पर गाना जारी होते ही सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा, जिसका कारण था, गाने के अश्लील और डबल मीनिंग बोल। इसके अलावा गाने में दिखाए गए डांस स्टेप्स और पिक्चराइजेशन भी काफी आपत्तिजनक थे। सोशल मीडिया पर गाने की जमकर आलोचना हुई, जिसके बाद इसके खिलाफ कई शिकायतें दर्ज हो रही हैं। 'सरके चुनर तेरी', जो आने वाली कन्नड़ फिल्म 'केडीः द डेविल' का हिस्सा है, अपने अश्लील बोलों के कारण यूट्यूब पर रिलीज के बाद बड़े विवाद का कारण बना। इसके बाद इस वीडियो को प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया है। 'केडीः द डेविल', जिसका निर्देशन प्रेम ने किया है और जिसमें ध्रुव सरजा मुख्य भूमिका में हैं, 30 अप्रैल को रिलीज होगी।

धुरंधर-2 देख आदित्य धर की फैन बनीं अनुष्का शर्माःरणवीर सिंह की तारीफ की

मुंबई। आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर 2 लगातार बॉक्स ऑफिस पर बड़े रिकॉर्ड कायम कर रही है, जिसे न सिर्फ आम जनता बल्कि फिल्म इंडस्ट्री की भी जमकर तारीफें मिल रही हैं। अब हाल ही में पावर कपल विराट कोहली-अनुष्का शर्मा ने फिल्म देखकर इसकी तारीफों के पुल बांध दिए हैं। विराट कोहली ने तो ये तक कहा कि उन्होंने ऐसी फिल्म भारत में पहले कभी नहीं देखी। वहीं रणवीर सिंह की पूर्व को-स्टार अनुष्का शर्मा ने उनके अभिनय की सराहना की है।

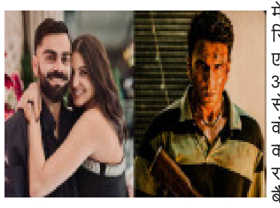

अनुष्का शर्मा ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से फिल्म धुरंधर-2 का रिव्यू कर लिखा है, 'आपने कितनी शानदार फिल्म बनाई है आदित्य धर। लगभग 4 घंटे लंबी फिल्म बनाने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए होती है। यह फिल्म बेहद रोचक और आपको पूरी तरह बांधे रखने वाली है। बहुत बारीकी से बनाई गई है और शुरुआत से अंत तक आपका ध्यान बनाए रखती है। आप एक बेहद मौलिक और आत्मविश्वासी फिल्ममेकर हैं।' आगे अनुष्का ने लिखा, 'रणवीर सिंह, आपने जिंदगी में एक बार मिलने वाले किरदार को पूरी तरह जी लिया और एक दमदार, बेदाग परफॉर्मेंस दी। आर.माधवन, अर्जुन रामपाल और राकेश बेदी सर और फिल्म के सभी शानदार एक्टर्स, आप सभी की परफॉर्मेंस एकदम सटीक थी। आप में से हर एक के बिना यह फिल्म अधूरी है। इससे जुड़े हर शख्स को बधाई।'अनुष्का के अलावा विराट कोहली ने भी फिल्म धुरंधर के तारीफों के पुल बांधे हैं। उन्होंने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा है, 'आज मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मैंने भारत में इससे पहले कभी ऐसा सिनेमाई अनुभव नहीं देखा। इस फिल्म ने हर तरह की भावना को सतह पर ला दिया और पूरे 4 घंटे तक मैं एक बार भी पलक नहीं झपका पाया।' आगे उन्होंने लिखा, 'आदित्य धर आपका टैलेंट और आपका दृढ़ विश्वास आपके काम में साफ झलकता है। आपको सलाम। आप जीनियस हैं। भले ही सभी एक्टर्स अपने-अपने रोल में बेहतरीन थे, लेकिन रणवीर सिंह, आप इस फिल्म के बाद एक अलग लेवल पर पहुंच गए हैं और आपकी परफॉर्मेंस शानदार से भी कहीं बढ़कर थी। बिल्कुल वॉव।'बता दें कि अनुष्का शर्मा ने करियर की शुरुआती सालों में रणवीर सिंह के साथ 2 फिल्में बैंड बाजा बारात और लेडीज वर्सेस रिक्की बहल के साथ काम किया था। दोनों फिल्में हिट रही थीं। तब दोनों की डेटिंग की खबरें भी सुर्खियों में थीं। करण जौहर ने भी एआईबी में दोनों के रिलेशनशिप और ब्रेकअप पर कंफर्मेशन दी थी।19 मार्च को रिलीज हुई फिल्म धुरंधर ने 1622 करोड़ रुपए का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिया है। ये बॉलीवुड के इतिहास की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। फिलहाल ये आमिर खान की दंगल से पीछे है।

जीतेंद्र हुए 84 के, कभी हीरोइन के स्टंट किए,रेखा को टाइमपास कहा, सरेआम फूट-फूटकर रोईं, महमूद ने हंसाने के लिए उतारी पैंट, जानिए किस्से

मुंबई। हिंदी सिनेमा के जंपिंग जैक कहे जाने वाले जीतेंद्र आज 84 साल के हो गए हैं। कभी मुंबई की चॉल में 10 बाई 12 की खोली

में रहने वाले जीतेंद्र आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। मिडिल क्लास परिवार में जन्में जीतेंद्र आर्टिफिशियल जूलरी सप्लाई करने में पिता का हाथ बंटाते थे। एक रोज वो सेट पर जूलरी पहुंचाने गए, जहां उन्हें जूनियर आर्टिस्ट का काम मिला। तनख्वाह थी 100 रुपए महीना। उस दिन जीतेंद्र का फिल्मों से ऐसा रिश्ता जुड़ा कि उन्होंने पहले जूनियर आर्टिस्ट से बतौर लीड हीरो काम किया और फिर हिंदी सिनेमा के स्टार बने। ये रिश्ता 200 से ज्यादा फिल्मों और 5 लाइफटाइम अचीवमेंट्स अवॉर्ड्स के साथ आज भी कायम है। जीतेंद्र का जन्म 7 अप्रैल 1942 में अमृतसर के एक पंजाबी परिवार में हुआ। जन्म के समय उनका नाम रवि कपूर रखा गया, जो बाद में फिल्मों में आकर जीतेंद्र हुआ। जीतेंद्र कुछ महीनों के ही थे, जब परिवार मुंबई आकर बस गया और गिरगांव की श्याम सदन चॉल में रहने लगा। 8 लोगों का पूरा परिवार 10 बाय 12 की खोली में रहता था, जिसका भाड़ा था 6 रुपए। उनके पिता अमरनाथ फिल्मों के सेट में आर्टिफिशियल जूलरी सप्लाई करने का काम करते थे। समय के साथ जब घर की आर्थिक स्थिति सुधरने लगी तो उनके घर में ट्यूबलाइट और पंखा लगा। चॉल में गरीबी का वो आलम था कि पूरे चॉल के लोग उनके घर वो पंखा और ट्यूबलाइट देखने पहुंचे थे। जिंदगी के 20 साल जीतेंद्र ने उसी चॉल में गुजारे। पंजाबी परिवार से होने के बावजूद आसपास के माहौल में घुल-मिलकर उन्होंने फर्राटेदार मराठी बोलना सीख लिया। जीतेंद्र न पढ़ाई में अच्छे थे न उनके पास कोई खास टैलेंट या रुचि थी। शुरुआती पढ़ाई जैसे-तैसे पूरी की, तो पिता ने अपने आर्टिफिशियल जूलरी के बिजनेस में लगा दिया। काम था फिल्मों के सेट पर जूलरी पहुंचाना। साल 1959 में जीतेंद्र को वी.शांताराम की फिल्म नवरंग के सेट पर जूलरी पहुंचाने का काम मिला। वो रोज बस में धक्के खाते हुए सेट पर पहुंचते थे। उम्र करीब 17 साल थी। एक रोज चकाचौंध देखकर जीतेंद्र को भी फिल्म देखने का मन

किया। उन्होंने वहां खड़े लोगों से पूछा तो उन्हें साफ इनकार कर दिया गया। सबने कहा कि वी.शांताराम किसी को शूटिंग देखने की इजाजत नहीं देते। जीतेंद्र मुंह लटकाए घर पहुंचे और चाचा से शिकायत की। अगले दिन चाचा उन्हें लेकर फिर सेट पर पहुंचे और असिस्टेंट से कहा कि मेरे भतीजे को शूटिंग देखनी है। उन्होंने जवाब दिया, 'शूटिंग देखना है, तो काम भी करना पड़ेगा।' उन्होंने जीतेंद्र को देखा और कहा- 'हम तुम्हें प्रिंस का रोल देंगे।' जीतेंद्र की खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा। रोज बस से जाने वाले जीतेंद्र अगले दिन टैक्सी में सेट पर पहुंचे। वहां पहुंचते ही उन्हें प्रिंस के कपड़े पहनाए गए, लेकिन जैसे ही वो सेट पर पहुंचे उन्हें जोरदार धक्का लगा। सेट पर वो अकेले प्रिंस नहीं थे, बल्कि वहां 200 प्रिंस बने लड़के बैठे थे। उन्हें फिल्म नवरंग के गाने तू छुपी है कहां में हीरोइन के पीछे खड़े होने वाले जूनियर आर्टिस्ट का काम मिला था। नवरंग की शूटिंग के दौरान जीतेंद्र ने खुद भी फिल्मों में काम करने का मन बना लिया। जब उन्हें 1963 में फिल्म सेहरा के सेट पर जूलरी पहुंचाने का काम मिला, तो एक दिन उन्होंने मौका पाते ही डायरेक्टर वी.शांताराम से मराठी में कहा- मुझे फिल्मों में काम करना है। वी.शांताराम ने उनकी बात से ज्यादा इस बात पर गौर किया कि एक पंजाबी कपूर साहब का लड़का इतनी अच्छी मराठी कैसे बोल रहा है। इस तरह बात चल निकली। उन्होंने जाते हुए कहा, मैं गारंटी नहीं देता, लेकिन तुम ट्राय करते रहो। इस एक बात की बदौलत जीतेंद्र को फिल्म सेहरा में ही एक्स्ट्रा का काम मिल गया। उन्हें बस सेट पर मौजूद रहना होता था, जिससे अगर कोई जूनियर आर्टिस्ट न आए, तो वो उनकी जगह खड़े हो सकें। इस काम के लिए जीतेंद्र को महीने के 100 रुपए तनख्वाह मिली। एक दिन फिल्म के एक सीन के लिए एक्ट्रेस संध्या को आग के ऊपर से कूदता दिखाना था। एक्ट्रेस संध्या, डायरेक्टर वी.शांताराम की पत्नी थी। उस दौर में आम तौर पर खतरनाक सीन करने के लिए एक्टर-एक्ट्रेसेस के बॉडी डबल रखे जाते थे, जो उन्हीं की तरह तैयार होकर खतरनाक स्टंट करते थे। उस दिन भी सेट पर एक बॉडी डबल बुलाई गई थी, लेकिन आग देखकर उसने सीन करने से इनकार कर दिया। इसके लिए एक्ट्रेस की बॉडी डबल बनने के लिए एक लड़की बुलाई गई थी। आग की लपटें देख वो लड़की डर गई और वहां से चली गई। सेट पर मौजूद जब कोई लड़की वो सीन करने के लिए राजी नहीं हुई तो वी.शांताराम ने जीतेंद्र को ही ये काम दे दिया। जीतेंद्र को एक्ट्रेस संध्या की तरह तैयार किया गया, जिसके बाद उन्होंने हीरोइन बनकर सीन किया। इस एक रोल से जीतेंद्र, वी.शांताराम के दिल में घर कर गए। उन्हें इस फिल्म में एक डायलॉग भी दिया गया। उन्होंने कहना था, सरदार, दुश्मनों का दल टिड्डियों की तरह आगे बढ़ रहा है। 25 रीटेक के बावजूद जीतेंद्र डायलॉग ठीक तरह नहीं बोल पाए। खीझकर वी.शांताराम ने वो गलत डायलॉग ही फिल्म में फाइनल कर लिया। वो वी.शांताराम ही थे, जिन्होंने जीतेंद्र का हुनर परखा और उन्हें फिल्म गीत गाया पत्थरों ने में लीड रोल दिया। जीतेंद्र की बतौर हीरो पहली फिल्म गीत गाया पत्थरों ने साल 1964 में रिलीज हुई। चॉल में रहने वाले जीतेंद्र के लिए ये खास दिन था। उन्होंने चॉल के पास स्थित एक थिएटर में पिता अमरनाथ और मां कृष्णा को फिल्म दिखाने के लिए तीन टिकटें खरीदीं। थिएटर पहुंचते ही उन्होंने टिकट देखने के लिए गेट पर खड़े शख्स से पूछा, हमें कहां बैठना है। जवाब मिला, पूरा थिएटर खाली है, जहां बैठना है बैठ जाओ। ये फिल्म खास नहीं चली, लेकिन जीतेंद्र ने ठान लिया कि अब वो फिल्मों में ही करियर बनाएंगे। जीतेंद्र पहली फिल्म फ्लॉप होने के बाद प्रोड्यूसर्स के दफ्तरों के चक्कर काटते हुए फिल्में मांगा करते थे। वो संघर्ष के दिनों में कोलाबा की ऊषा सदन बिल्डिंग में रहने पहुंचे, जहां एक्टर प्रेम चोपड़ा भी रहा करते थे। उस दौर में प्रेम चोपड़ा नौकरी भी करते थे और फिल्मों में काम की तलाश में थे।

फिल्मों में छोटा-मोटा काम करते हुए जीतेंद्र ने कार खरीद ली थी, प्रेम चोपड़ा के पास भी कार हुआ करती थी। दोनों एक ही समय पर घर से निकलते और प्रोड्यूसर्स के दफ्तरों के बाहर टकराते रहते थे। लेकिन एक-दूसरे के सामने खुद को रईस और व्यस्त दिखाते थे। एक रोज प्रेम चोपड़ा ने जीतेंद्र से पूछ ही लिया, हम दोनों एक साथ निकलते हैं, एक ही जगह जाते हैं, क्यों न हम ये दिखावा छोड़कर एक ही गाड़ी से आएं-जाएं, इससे पैसे भी बच जाएंगे। तंगी में गुजारा कर रहे जीतेंद्र भी झट से मान गए। तब से दोनों साथ घरों से निकलते लगे। तय हुआ कि एक दिन का खर्च एक शख्स उठाएगा और दूसरे दिन दूसरा शख्स खर्च करेगा। 1965 में एक दिन कार से जाते हुए दोनों की नजरें एक सुंदर लड़की पर पड़ी। वो अपनी सहेली के साथ कहीं जा रही थी। दोनों ने हिम्मत कर लड़की को लिफ्ट देने का पूछा और वो भी मान गई। जीतेंद्र ने चालाकी से उस सुंदर लड़की को अपने साथ पीछे की सीट पर बैठा लिया और उसकी सहेली, कार चला रहे प्रेम चोपड़ा के बाजू वाली सीट पर बैठी। ये देखकर प्रेम चोपड़ा खीज उठे और बड़बड़ाते हुए गाली देने लगे। पीछे बैठी सुंदर लड़की ने जीतेंद्र से पूछा, 'ये क्या कह रहे हैं?' जीतेंद्र तो जीतेंद्र थे, उन्होंने कहा कि प्रेम चोपड़ा आगे बैठी लड़की को पसंद करते हैं। ये सुनकर प्रेम चोपड़ा का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया, लेकिन उन लड़कियों को बुरा न लगे, इसलिए प्रेम चोपड़ा को न चाहते हुए भी हां में हां मिलाना पड़ा। लिफ्ट के चक्कर में जीतेंद्र ने

दोनों लड़कियों को साथ फिल्म देखने के लिए राजी कर लिया। चारों मिलकर धर्मेंद्र की फिल्म नीला आकाश देखने थिएटर पहुंचे। वो रमजान का महीना था, दोनों लड़कियों मुस्लिम थीं और उस दिन उनका रोजा (व्रत) था। उन्होंने जीतेंद्र से कहा कि वो फिल्म देखने के बाद उनके साथ रोजा खोलेंगी और कुछ खाएंगी। इंटरवल होते ही प्रेम चोपड़ा, जीतेंद्र को बाहर लेकर गए। उन्होंने कहा, मेरे पास पैसे नहीं हैं, कैसे खिलाएंगे। जीतेंद्र ने भी कहा, मेरे पास भी पैसे नहीं हैं। दोनों ने कुछ देर सोचा और बेइज्जती से बचने के लिए दोनों इंटरवल से ही दोनों लड़कियों को थिएटर में छोड़कर भाग निकले। इस वाक्ये के 50 साल बाद आज भी प्रेम चोपड़ा और जीतेंद्र की दोस्ती कायम है। लंबी जद्दोजहद के बाद जीतेंद्र को वी.शांताराम की अगली फिल्म बूंद जो बन गई मोती में काम मिला। इस फिल्म में वी.शांताराम अपनी बेटी राजश्री को जीतेंद्र के साथ कास्ट कर रहे थे, लेकिन शादी के चलते आखिरी समय में राजश्री को फिल्म छोड़नी पड़ी। तब वी.शांताराम ने फिल्म में मुमताज को कास्ट किया, जो कुछ बी-ग्रेड फिल्मों में आने के बाद मैनस्ट्रीम सिनेमा में जगह बनाने की कोशिश कर रही थीं। इससे पहले वो वी.शांताराम की फिल्मों स्त्री (1961) और सेहरा (1963) में छोटी सी भूमिका निभा चुकी थीं। जैसे ही ये बात जीतेंद्र को पता चली उन्होंने डायरेक्टर से साफ कहा कि वो मुमताज के साथ फिल्म नहीं करेंगे। जीतेंद्र ने खबर मिलते ही वी.शांताराम से कहा-आप मुमताज को क्यों ले रहे हैं।वी.शांताराम ने कहा, क्यों नहीं। उसमें हीरोइन बनने की सारी क्वालिटी हैं। वो सुंदर हैं, अच्छा डांस करती हैं, अच्छी एक्ट्रेस हैं। ये सुनकर जीतेंद्र ने फिर कहा, नहीं, क्या आप किसी और को कास्ट नहीं कर सकते। इस पर जवाब मिला, नहीं, मैं मुमताज को ही लूंगा, तुम्हें नहीं पसंद तो फिल्म छोड़ दो। एक दिन जीतेंद्र अरुणा ईरानी के साथ एक फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। शॉट के मुताबिक उन्हें जोर-जोर से हंसना था, लेकिन बार-बार कोशिश करने के बावजूद उन्हें हंसी नहीं आ सकी। ये देखकर कॉमेडियन महमूद उनके पास पहुंचे और कहा कि जैसे ही शॉट शुरू हो, बस मेरी तरफ देख लेना। ये कहते ही महमूद साहब पास बने एक दरवाजे के पीछे खड़े हो गए। जैसे ही शॉट शुरू हुआ, जीतेंद्र की नजर दरवाजे पर पड़ी और वो जोर से हंस पड़े। महमूद साहब वहां पैंट उतारकर खड़े थे। ये किस्सा जीतेंद्र ने कपिल शर्मा शो में सुनाया था। साल 1967 में जीतेंद्र की तीन फिल्में बंद जो बन गई मोती, गुनाहों का देवता और फर्ज। गुनाहों का देवता मई 1967 में

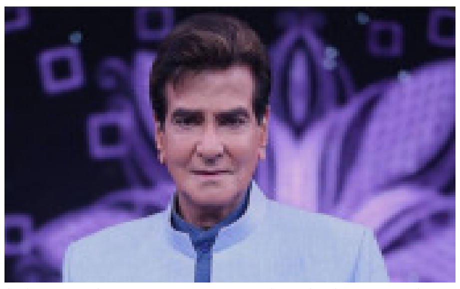

रिलीज हुई और कुछ खास नहीं चली। इसके बाद अक्टूबर 1967 में उनकी दूसरी फिल्म फर्ज आई। जीतेंद्र पहले ही इस फिल्म को साइन करने में झिझक रहे थे। वजह ये थी कि इस फिल्म के डायरेक्टर रविकांत नगाइच थे। वो साउथ फिल्मों के सिनेमैटोग्राफर थे और फिल्म फर्ज से वो बतौर डायरेक्टर बॉलीवुड में कदम रखने वाले थे। नए डायरेक्टर के साथ काम करने के लिए एक्टर्स इनकार कर चुके थे, जिसके बाद फिल्म जीतेंद्र को मिली थी।जब फिल्म रिलीज हुई तो कुछ दिनों तक सिनेमाघर खाली पड़े थे। जीतेंद्र डर गए कि अभी तो करियर शुरू हुआ है, अगर फिल्म इंडस्ट्री में खबर फैल गई कि जीतेंद्र की ये फिल्म भी फ्लॉप हो गई, तो कोई उन्हें आगे साइन नहीं करेगा। उस दौर में जब टिकट के दाम 60 पैसे तक हुआ करते थे, तब जीतेंद्र ने 5 हजार रुपए लगाकर अपनी फिल्म की सारी टिकटें खरीद लीं। जिससे लोगों को लगे कि सिनेमाघरों में टिकट नहीं मिल रहीं। वाकई यही हुआ। जब लोगों को पता चला कि फिल्म हाउसफुल है, तो उनमें भी फिल्म देखने का क्रेज बढ़ने लगा और लोग बढ़-चढ़कर फिल्म देखने जाने लगे। कुछ समय बाद वाकई फिल्म हाउसफुल होने लगी। इस फिल्म से जीतेंद्र को रातोंरात पहचान मिल गई। वजह थी, फिल्म के सुपरहिट गाने और जीतेंद्र का नया स्टाइल। फिल्म का गाना मस्त बहारों का मैं आशिक जबरदस्त हिट रहा। फिल्म में उनके पहने गए कपड़े और जूते भी नया ट्रेंड लाए। 1971 में रेखा को फिल्म एक बेचारा में जीतेंद्र के साथ साइन किया गया। जीतेंद्र उस वक्त कुंवारे थे और अपनी लोकप्रियता के चरम पर थे। साथ काम करते हुए दोनों के अफेयर की खबरें सामने आईं। शिमला में शूटिंग के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और मुंबई लौटने के बाद यह रिश्ता और गहरा गया। फिल्म एक बेचारा की कामयाबी के बाद दोनों ने फिल्म अनोखी अदा भी साइन की, लेकिन कहानी में मोड़ तब आया जब रेखा को पता चला कि जीतेंद्र की पहले से एक गर्लफ्रेंड शोभा हैं। रेखा के लिए यह झटका था। फिर एक दिन रेखा ने शूटिंग के सेट में जीतेंद्र को जूनियर आर्टिस्ट से ये कहते हुए सुना कि रेखा उनके लिए सिर्फ टाइमपास हैं। ये सुनकर रेखा सरेआम रो पड़ीं। सेट पर हर कोई इसका गवाह रहा। इसके बाद से ही रेखा ने जीतेंद्र से बातचीत बंद कर दी और रिश्ता खत्म कर लिया। एक दौर में एक्टर संजीव कुमार, ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी को पसंद करते थे। तब वो पहले ही धर्मेंद्र के साथ रिलेशनशिप में थीं। परिवार के ऐतराज के चलते हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र से दूरी बना ली थी, तब संजीव कुमार ने प्यार का इजहार करने के लिए हेमा मालिनी को लव लेटर लिखा था। लेटर पहुंचाने में झिझक महसूस हुई, तो उन्होंने ये जिम्मेदारी दोस्त जीतेंद्र को सौंप दी। जीतेंद्र जैसे ही लेटर लेकर पहुंचे, तो उनका हेमा को देखकर मन बदल गया। उन्होंने मौका देखकर लव लेटर से संजीव कुमार का नाम हटा दिया और अपना नाम लिख दिया। वो लेटर देकर लौट गए। जब ये बात हेमा मालिनी के घरवालों को पता चली, तो उन्होंने जीतेंद्र के साथ उनकी शादी की बात चलाना शुरू कर दी। वजह ये रही कि हेमा का परिवार नहीं चाहता था कि उनकी शादी धर्मेंद्र से हो, संजीव कुमार भी परिवार को पसंद नहीं थे, लेकिन हेमा का दोनों से ध्यान भटकाने के लिए परिवार ने उनकी शादी जीतेंद्र से पक्की कर दी। जबकि उस समय जीतेंद्र भी एयरहोस्टेस शोभा कपूर से सगाई कर चुके थे। एक रोज हेमा-जीतेंद्र की शादी के लिए पंडित बुलाया गया, जैसे ही बात धर्मेंद्र तक पहुंची, वो शोभा कपूर के साथ वहां पहुंच गए और शादी रुकवा दी। जीतेंद्र ने 1974 में एयरहोस्टेस शोभा कपूर से लव मैरिज की थी। शादी से पहले दोनों कई सालों तक रिलेशनशिप में भी रहे थे। कहा जाता है दोनों की मुलाकात सालों पहले मरीन ड्राइव पर हुई थी, जब शोभा महज 14 साल की थीं। दोनों की दोस्ती हुई और दोनों की अक्सर मुलाकातें होने लगीं। कपल के दो बच्चे एकता कपूर और तुषार कपूर हैं। 1975 की बात है जब शोभा ने जीतेंद्र की लंबी आयु के लिए करवाचौथ का व्रत रखा। उसी दिन जीतेंद्र को शूटिंग के लिए फ्लाइट से निकलना था। फ्लाइट लेट हुई तो जीतेंद्र शोभा का व्रत खुलवाने घर आ गए। फ्लाइट का टाइम होने लगा तो जीतेंद्र निकलने को हुए, लेकिन शोभा ने जिद कर उन्हें घर पर ही रोक लिया। पत्नी की जिद देखकर जीतेंद्र ने अपने मेकअप आर्टिस्ट को भी वापस बुला लिया और कहा अगले दिन निकलेंगे। कुछ समय बाद जीतेंद्र की नजर एयरपोर्ट की तरफ गई, जो पाली हिल इलाके से दिखता था। उन्हें उस तरफ आग लगी नजर आई। कुछ समय बाद खबर मिली कि जिस इंडियन एयरलाइन की फ्लाइट से वो जाने वाले थे वो क्रैश हो गई है। ये किस्सा जीतेंद्र ने कपिल शर्मा शो में सुनाया था। जीतेंद्र हर साल अपने बच्चों तुषार और एकता को एक महीने के लिए देश से बाहर घुमाने ले जाते थे। एक बार की बात है जब फैमिली जिम्बाब्वे गया। जैसे ही जीतेंद्र एयरपोर्ट से बाहर निकले, तो कुछ बच्चे उनका ऑटोग्राफ लेने दौड़े चले आए। ये देखते ही बेटी एकता ने जूता उतारकर उनकी पिटाई करना शुरू कर दिया। जीतेंद्र ने 6 दशकों के फिल्मी सफर में करीब 200 फिल्मों में काम किया है। कारवां, बिदाई, धरम वीर, स्वर्ग नर्क, जानी दुष्मन, फर्ज, हिम्मतवाला, तोहफा, स्वर्ग से सुंदर, खुदगर्ज और थानेदार जैसी फिल्में की हैं। 1972-74 के बीच जीतेंद्र को फिल्मों में काम मिलना कम हो गया था, जिससे वो जॉबलेस हो गए। जीतेंद्र ने अपनी सालों की कमाई लगाकर 1982 में दीदार-ए-यार फिल्म बनाई जो बुरी तरह फ्लॉप हो गई। जीतेंद्र को 2.5 करोड़ का नुकसान हुआ और वो कंगाल हो गए। इस नुकसान से उभरने के लिए जीतेंद्र ने बैक-टू-बैक 60 फिल्में कीं, जिनमें से ज्यादातर रीमेक थीं। 2002 से लेकर 2012 तक जीतेंद्र को 5 बार लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। जीतेंद्र का 22 फिल्मों में नाम विजय रखा गया है और 26 फिल्मों में रवि। रवि, जीतेंद्र का असली नाम भी है। 2014 में जीतेंद्र को दादा साहेब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।